सुप्रभात
रांची, मंगलवार
08.04.2025
* नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | चैत्र, शुक्ल पक्ष, सप्तमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 263

12 मुर्मु दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर लिस्बन पहुंची

नम आंखों से मां को विदाई

उपभोक्ताओं को झटका, गैस सिलेंडर 50 रु. महंगा

नयी कीमतें आज से लागू, विपक्ष का सरकार पर हमला

खबर मन्त्र ब्यूरो

नयी दिल्ली, रांची। देशभर में बढ़ती मंगाई के बीच सोमवार को आम जनता को एक और बड़ा झटका लगा। केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को बताया कि रसोई गैस या घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गयी है। सब्सिडी वाले और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए कीमत में बढ़ोतरी की गयी है। उज्ज्वला योजना के सिलेंडर भी वृद्धि में शामिल हैं। अब उज्ज्वला योजना के तहत मिलने वाले रसोई गैस सिलेंडर के दाम 503 रुपये से बढ़कर 553 रुपये हो जायेंगी। नयी कीमतें 8 अप्रैल से लागू होंगी।

पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे

सिलिंडर की कीमतें बढ़ाने की घोषणा सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर 2-2 रुपये एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने के ऐलान के तुरंत बाद की। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 2 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी (उत्पाद शुल्क) बढ़ा दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने साफ किया है कि इसका असर आम लोगों की जेब पर नहीं पड़ेगा। पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम नहीं बढ़ेंगे। श्री पुरी ने मीडिया को संबोधित करते हुए इसका कारण बताते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में रसोई गैस की कीमतो में बढ़ोतरी का फैसला लिया गया।

झारखंड सरकार वैट में करेगी संशोधन

रांची। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले सेंट्रल एक्साइज को बढ़ा दिया है। इससे खुदरा स्तर पर पेट्रोल-डीजल के कीमत बढ़ने की आशंका थी, लेकिन पेट्रोलिम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है कि सेंट्रल एक्साइज बढ़ने से डीजल-पेट्रोल की खुदरा कीमत में किसी तरह की वृद्धि नहीं होगी। इधर राज्य सरकार डीजल पर वैट की दर में संशोधन करेगी। वाणिज्य कर विभाग ने बल्क कंज्यूमर्स को झारखंड से ही डीजल खरीदने को प्रोत्साहित करने के लिए वैट के प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव तैयार किया है।

ध्यान भटका कर दाम बढ़ाया

कांग्रेस ने कहा कि केंद्र सरकार का यह कदम थाली से निवाला छीनने जैसा है। उन्होंने कहा कि लोगों का ध्यान भटकाने के लिए वक्फ जैसा बिल लाया गया और उसकी आड़ में यह बढ़ोतरी की गयी है। इतना ही नहीं, आम आदमी को और परेशानी होने वाली है। जब वह एटीएम से पैसे निकालेगा तो उसके खाते से पैसे कट जायेंगे। यह गरीबों के कल्याण के लिए काम करने वाली सरकार नहीं है, बल्कि उनके कल्याण के लिए चलायी जा रही योजनाओं को लूटना चाहती है।

भाजपा और केंद्र पर विपक्ष हमलावर

विपक्ष का कहना है कि गैस के दाम बढ़ने से लोगों की जेब पर असर तो पड़ेगा ही वहीं रसोई का बजट भी बिगड़ सकता है। विपक्ष इस बहाने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधने में जुटा है, वहीं भाजपा बचाव में उतर आयी है। भाजपा का कहना है कि गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाना सरकार की मजबूरी थी। ऐसे में इस पर हो-हल्ला मचाकर राजनीति करना ठीक नहीं है। झारखंड प्रदेश प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र की मोदी सरकार की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस का कहना है कि जब से मोदी सरकार आयी है, महंगाई चरम पर है। 2014 में जो गैस सिलेंडर 400 रुपये में मिलता था, वह अब 1000 रुपये तक पहुंच गया है।

न्यूज डायरी

जल स्त्रोतों के अतिक्रमण पर कोर्ट में सुनवाई आज

रांची। राज्य के जल स्त्रोतों से अतिक्रमण हटाने के लिए दायर याचिका पर अब मंगलवार को सुनवाई होगी। जुडको की ओर से सोमवार को समय देने का आग्रह किया गया। हाईकोर्ट ने इस आग्रह को स्वीकार करते हुए सुनवाई मंगलवार को निर्धारित कर दी। राज्य के जल स्त्रोतों पर अतिक्रमण पर हाईकोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है।

महावीर झंडा विसर्जन में पांच श्रद्धालु झुलसे

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर के गोविंदपुर थाना क्षेत्र में महावीर झंडा विसर्जन जुलूस के दौरान सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यशोदा नगर शारदा राम बजरंग अखाड़ा का महावीरी झंडा हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया, जिससे पांच राम भक्त गंभीर रूप से झुलस गये। घायलों का इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल में चल रहा है। एक श्रद्धालु की हालत गंभीर होने के कारण उसे टाटा मुख्य अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक आज

रांची। झारखंड मंत्रिमंडल की बैठक मंगलवार को होगी। मंत्रिमंडल की बैठक दोपहर एक बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। यह जानकारी सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को दी है। मंत्रिपरिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगायी जायेगी।

देवघर में जल्द खुलेगा क्रिटिकल केयर यूनिट

देवघर। जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग सदर अस्पताल को और भी बेहतर और उच्चतम गुणवत्ता वाला बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इस वर्ष सदर अस्पताल परिसर में क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण किया जायेगा। 50 बेड का क्रिटिकल केयर यूनिट का काम तेज है। खासकर उन मरीजों को इस यूनिट में भर्ती किया जायेगा जो सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं या जिनके सिर में गंभीर चोट लगी है।

ऐतिहासिक एयर शो में राज्यपाल, सीएम भी लेंगे भाग

रक्षा राज्यमंत्री ने भेंट कर किया आमंत्रित, वायुसेना चीफ भी आयेंगे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड की धरती पर होने वाले पहले एयर शो को लेकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से से भेंट रांची में भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित होने वाले एयर शो 'सूर्य किरण' के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं। श्री सेठ ने मुख्यमंत्री से हुई सकारात्मक बातचीत का हवाला देते हुए कहा है कि इससे एमएसएमई और स्टार्टअप सेक्टर को काफी फायदा होगा। श्री सेठ ने कहा कि एयर शो में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अतिथि के रूप में शामिल होकर इसकी शोभा बढ़ायेंगे। इसमें भाग लेने के लिए वायुसेना प्रमुख एपी सिंह को भी आमंत्रित किया गया है।

बच्चों में देशभक्ति जगेगी : श्री सेठ ने बताया कि पहले दिन स्कूली बच्चों और कॉलेज के छात्रों के लिए समुचित व्यवस्था करने का सीएम से अनुरोध आग्रह किया। इसका उद्देश्य वीर जवानों के पराक्रम को देख कर बच्चे प्रेरित हों और उनमें देशभक्ति की भावना जागृत हो। उन्होंने कहा कि अब तक डिफेंस एक्सपो कोलकाता और अन्य शहरों में आयोजित होता रहा है। झारखंड में भी इसे आयोजित करने के लिए राज्य सरकार को पहल करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सकारात्मक संकेत दिया है और आने वाले समय में हम भी इसके लिए तैयारी करेंगे।

ऐतिहासिक होगा एयर शो

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि रांची में पहली बार 19 और 20 अप्रैल को आयोजित इस एयर शो ऐतिहासिक होगा। यह जनता के लिए एक रोमांचक और प्रेरणादायी क्षण होगा। उन्होंने कहा कि इसकी पूरी तैयारी रक्षा मंत्रालय और वायुसेना द्वारा संयुक्त रूप से की जा रही है। रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि 19 और 20 अप्रैल को सुबह 9:45 बजे से 10:45 बजे तक नामकुम स्थित आर्मी ग्राउंड में एक-एक घंटे का एयर शो होगा। यह एयर शो विश्वस्तरीय होगा और झारखंड के लिए ऐतिहासिक होगा। इसमें वायुसेना के जांबाज जवान कई लड़ाकू विमानों और अन्य विमानों पर ऐतिहासिक प्रदर्शन करेंगे।

पाक ने तोड़ा संघर्ष विराम, सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

सीमा पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली शीघ्र: शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम तोड़ा। भारतीय सेना ने इसका जोरदार जवाब दिया। संघर्ष विराम का उल्लंघन ऐसे समय में हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के तीन दिन के दौरे पर हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने सोमवार को कठुआ में सीमा चौकी 'विनय' का दौरा किया। वहां तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की। उनके साथ उपराज्यपाल समेत केंद्रीय गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो के निदेशक और बीएसएफ महानिदेशक व कई अन्य अधिकारी थे। श्री शाह ने कहा कि 'पाकिस्तान के साथ हर युद्ध में बीएसएफ का योगदान सेना जैसा रहा है।

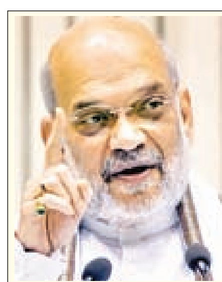

नयी निगरानी प्रणाली

गृह मंत्री ने इस मौके पर सीमा पर कहा कि सीमा पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली तैनात की जायेगी। दो मॉडल विकसित किये गये हैं। पूरी सीमा पर इनकी तैनाती के बाद जवानों को सूचना प्राप्त करने और तकनीक का उपयोग करके दुश्मन की किसी भी हरकत का तुरंत जवाब देने में काफी आसानी होगी। शाह ने यह भी बताया कि घुसपैठ की पहचान करने और सुरंगों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए तकनीक का उपयोग करके कई प्रयोग किये गये हैं। उन्होंने आगे कहा कि कुछ वर्षों में भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों को तकनीकी सहायता से पूरी तरह सुसज्जित किया जायेगा। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्मित कई सुविधाओं का उद्घाटन भी किया।

हौसला बढ़ाया : जवानों से बातचीत उन्होंने उनका हौसला बढ़ाया। साथ ही कहा कि यहां आने पर पता चलता है कि बीएसएफ के जवान किन कठिन परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। हमारे जवान हर मौसम और परिस्थिति पूरी तैयारी और सतर्कता के साथ सीमाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं। देश की सुरक्षा के मामले में बीएसएफ का गौरवशाली इतिहास रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद से निपटने और अलगाववादी विचारधारा को खत्म करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

फिटनेस विकसित भारत की कुंजी : पीएम

कम तेल, टहलना, स्वस्थ भोजन मोटापे से लड़ने में मददगार

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर भारतीयों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और मोटापे से मुक्त जीवन जीने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि हमें अभी से ऐसी स्थिति को टालने का प्रयास करना ही होगा। स्वस्थ खाने की आदतें अपनाना, जैसे कि तेल का उपयोग कम करना, सिर्फ एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं है, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। सभी को अपने खाने के तेल में 10 प्रतिशत की कमी करनी चाहिए। नियमित शारीरिक गतिविधि को दिनचर्या में शामिल करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत फिटनेस बनाये रखना विकसित भारत में महत्वपूर्ण योगदान देगा। पीएम ने एक पोस्ट कर कहा- बेहतर स्वास्थ्य हर समृद्ध समाज की नींव होती है।

उन्होंने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कहा, , आइए हम एक स्वस्थ दुनिया के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। हमारी सरकार स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करती रहेगी और लोगों की भलाई के विभिन्न पहलुओं में निवेश करती रहेगी। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने भारत में बढ़ते मोटापे के संकट पर चिंता जतायी।

जातीय जनगणना हम करा कर रहेंगे : राहुल

एजेंसी

पटना। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में संविधान सुरक्षा सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर आप संविधान को पकड़ते हैं तो सच्चाई की विचारधारा को पकड़ते हैं। राहुल गांधी ने भाजपा-आएसएसएस पर हमलावर होते हुए पूछा कि क्या इसमें सावरकर जी की विचारधारा है? इसका जवाब देते हुए कहा नहीं है, क्योंकि वो सच्चाई का सामना नहीं कर सके। उन्होंने आरोप लगाया कि इस देश में अगर आप दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, ईबीसी, और महिला हो तो आप सेकेंड क्लास सिटीजन हो।

बिहार बदलेंगे : राहुल गांधी ने कहा, गरीबों, दलितों को आगे बढ़ाना है। हम आपको राजनीति में लाकर बिहार का चेहरा बदलना चाहते हैं। एनडीए की सरकार में चुने हुए अरबपतियों के जरिए राजनीति चल रही है। अंबानी-अदाणी की राजनीति चल रही, उसको हम हराने जा रहे हैं। गरीब, कमजोर, ईबीसी, ओबीसी, दलित और सामान्य लोगों को जोड़कर इज्जत देकर आगे बढ़ाना ही कांग्रेस पार्टी का काम है।

राहुल ने कहा, वह ऐसे ही नहीं बोल रहे, पढ़ लिखकर बोल रहे हैं। डाटा के जरिये हम पूरी राजनीति की बदल सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि मोहन भागवत जी कहते है कि जातीय जनगणना नहीं होनी चाहिए। लेकिन, हमलोग जातीय जनगणना के पक्ष में हैं। मैं वादा करता हूं कि कांग्रेस पार्टी इसे हर हाल में करायेगी। इससे पहले राहुल बेगूसराय में कन्हैया कुमार के नेतृत्व में जारी पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा में शामिल हुए। सोमवार को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में श्री गांधी ने बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से संसद में कहा कि आपने जो 50 प्रतिशत आरक्षण की झूठी दीवार बना रखी है, उसे आप नहीं तोड़ पायेंगे. उस दीवार को हम तोड़ेंगे। यह सामाजिक एक्स-रे है। यह एक क्रांतिकारी कदम है। इसलिए आरएसएस और भाजपा इसे रोकना चाहते हैं। दुनिया की कोई शक्ति जातीय जनगणना करने से नहीं रोक सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में महज 10 -15 लोग हैं, जिनके कब्जे में कॉरपोरेट सेक्टर है।

शीर्ष कोर्ट वक्फ मामले में विचार को सहमत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर समय रहते विचार करेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना तथा न्यायाधीश संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और ए एम सिंघवी के शीघ्र सुनवाई के लिए 'तत्काल उल्लेख' किये जाने के बाद समय रहते याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। संसद की मंजूरी के बाद नये कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गयी है।

केंद्र सरकार एससी-एसटी सब प्लान कानून बनाये

झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने तेज की मांग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र सरकार से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सबप्लान को लेकर कानून बनाने की मांग की है। प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव और विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस एससी एसटी सब प्लान को लेकर केंद्रीय कानून बनाने की मांग करती है।

एससी-एसटी का होगा कल्याण: कमलेश

मीडिया से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों का सर्वांगीण विकास चाहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इंदिरा गांधी के शासनकाल में एससी एसटी सब प्लान की योजना बनाई गई थी, ताकि सामाजिक और आर्थिक अंतर को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि इन वर्गों को बुनियादी योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए केंद्रीय कानून जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए बजट में कटौती की है।

खर्च का हो विशेष ऑडिट : उरांव

राज्य के पूर्व वित्त मंत्री और विधायक रामेश्वर उरांव ने कहा कि वे यूपीए सरकार में मंत्री थे और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे जानते हैं कि एसटी सब प्लान का पैसा इन समुदायों के विकास पर खर्च करने के बजाय किस तरह अन्यत्र खर्च किया जाता है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में अनुसूचित जनजाति सब प्लान की राशि से पुलिस के लिए गोलियां खरीदी गईं, एयरपोर्ट तक सड़क बनाई गई, कहीं परिवहन पर खर्च किया गया है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि नियम 275-(1) के अनुसार केंद्र सरकार आदिवासियों के कल्याण के लिए एससी एसटी सब प्लान की राशि देती है। लेकिन वह राशि राज्य में आते-आते खत्म हो जाती है। इसीलिए राहुल गांधी कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को यह काम जल्द करना चाहिए, ताकि राशि का बंदरबांट न हो। पूर्व मंत्री ने कहा कि विशेष ऑडिट होना चाहिए, ताकि पता चल सके कि अब तक राशि कहां खर्च हुई है। हर साल जनरल एजी ऑडिट होता है, लेकिन इसका अलग से ऑडिट होना चाहिए, ताकि हकीकत सामने आ सके।

घट रही है सब प्लान की राशि : किशोर

झारखंड सरकार में वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामला है। यह पूरे देश के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए भी महत्वपूर्ण है। एससी एसटी सब प्लान को कानून का रूप देने की मांग संवैधानिक है। संविधान में यह प्रावधान पहले से ही है। वित्त मंत्री ने कहा कि एक दशक में आदिवासियों और दलितों को दी जाने वाली राशि घटती जा रही है। आवंटन में कमी आई है। केंद्र सरकार की इस नीति के कारण एससी एसटी में उपेक्षा की भावना है। इसीलिए राहुल गांधी की कानून बनाने की मांग जायज है ताकि इस फंड का सही ढंग से उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को जल्द से जल्द कानून बनाना चाहिए ताकि राशि का स्थानांतरण रोका जा सके।

मनरेगा मजदूरी बढ़ी, झारखंड में अब रोज मिलेंगे 282 रुपये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्र सरकार ने मनरेगा में काम करने वालों की मजदूरी बढ़ा दी है। इससे झारखंड में मनरेगा मजदूरों को प्रति दिन 282 रुपये मिलेंगे। केंद्र सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष (2025-26) के लिए मनरेगा में मजदूरी बढ़ाने से संबंधित गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, झारखंड के मनरेगा मजदूरों को अब प्रति दिन 255 रुपये की दर से भुगतान किया जायेगा. वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार ने झारखंड में मनरेगा मजदूरी 245 रुपये निर्धारित की थी। अन्य राज्यों के मुकाबले झारखंड में मनरेगा मजदूरी कम होने की वजह से राज्य सरकार अपनी तरफ से 27 रुपए देती है। इससे झारखंड के मनरेगा मजदूरों

को पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान प्रति दिन 272 रुपये की दर से मजदूरी मिलती थी। चालू वित्तीय वर्ष में मनरेगा में काम करने वालों के केंद्र और राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली राशि को मिला कर कुल 282 रुपये प्रति दिन की दर से मजदूरी मिलेगी। केंद्र सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए सबसे ज्यादा मजदूरी सिक्किम के तीन ग्राम पंचायतों के लिए निर्धारित की है। इन ग्राम पंचायतों में ज्ञानथांग, लाचुंग और लाचेन शामिल हैं। इन ग्राम पंचायतों में मनरेगा मजदूरों को प्रति दिन 389 रुपये की दर से मजदूरी मिलेगी।

सरकार का ऑफर: रील्स बनाकर कमाएं ₹10 लाख

पर्यटन विभाग ने निकाला राज्य की 528 पर्यटन स्थलों को प्रमोट करने का बेहतरीन तरीका

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, यूट्यूबर्स और कंटेंट क्रिएटर्स अब तक रील्स बनाकर इंस्टाग्राम और फेसबुक से पैसे कमाते थे। लेकिन झारखंड सरकार ने एक अनोखी पहल की शुरूआत की है। इसके तहत वे झारखंड की खूबसूरती और संस्कृति पर क्रिएटिव रील बनाकर 10 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि जीत सकते हैं। इसका उद्देश्य राज्य की 528 पर्यटन स्थलों को प्रमोट करने के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रोजगार के नये अवसर प्रदान करना है।

सरकार की तरफ से रील बनाने वाले को जेटीडीसीएल होटलों में दो दिन की मुफ्त ठहरने की सुविधा मिलेगी। साथ ही पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए यात्रा साधनों की सुविधा के साथ वन विभाग और इको टूरिज्म टीम का पूरा सहयोग भी मिलेगा। यह पहल न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि ग्रामीण इलाकों को भी जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन विभाग ने इसके लिए कई शर्तें भी रखी हैं। रील में पॉजिटिव और सत्य जानकारी होनी चाहिए। भ्रामक, नकारात्मक या झूठी जानकारी देने पर कार्रवाई हो सकती है। रील नई, क्रिएटिव और ऑथेंटिक होनी चाहिए। एक क्रिएटर को साल में एक बार ही इनाम मिलेगा। सरकार रील का प्रमोशनल इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन क्रिएटर को पूरा क्रेडिट मिलेगा।

यहां बना सकते हैं रील : नेतरहाट की पहाड़ियां, हजारीबाग नेशनल पार्क, बेतला नेशनल पार्क, देवघर का वैद्यनाथ धाम और त्रिकुटा पर्वत, रजरप्पा, पारसनाथ, मलूटी मंदिर, लुगु बुरु, मैक्लुस्कीगंज और आदिवासी त्योहार जैसे सरहुल, करमा और सोहराई के मौके पर रील बना सकते हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने लगाया आरोप- कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण में व्यस्त

मुस्लिमों को आरक्षण देने वाली कांग्रेस का दलित आदिवासी प्रेम दिखावा : अजय साह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा ने कांग्रेस पार्टी के हालिया प्रेस वार्ता पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कांग्रेस के आदिवासी और दलित प्रेम को ष्दिखावटी बताते हुये उसे केवल राजनीतिक नौटंकी करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी और दलित वर्गों में अपनी गिरती पकड़ और कमजोर होती राजनीतिक स्थिति से बौखलाई हुई है। इसी हताशा में रोज नये-नये शिगूफे और बयानबाजी करके सहानुभूति पाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जिस वर्ग के अधिकारों का दावा कर रही है, उसी वर्ग का हक छीनकर वह मुस्लिम तुष्टिकरण में लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि जिस समाज को कांग्रेस ने दशकों तक गरीबी, पिछड़ेपन और शोषण के अंधेरे में रखा। भाजपा के शासनकाल में वही समाज विकास और सम्मान की मुख्यधारा में आया। तत्कालीन अटल सरकार ने झारखंड राज्य का निर्माण किया। भाजपा सरकार ने आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण योजना, हर घर जल योजना जैसे अनेक कार्यक्रमों के जरिये दलितों और आदिवासियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान देने का काम किया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने झारखंड को कांग्रेस के मुकाबले तीन गुना ज्यादा फंड उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि इन फंड्स की बंदरबांट और घोटाले झारखंड की सच्चाई बयां करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस अब कर्नाटक में दलितों और आदिवासियों के आरक्षण को मुस्लिमों में बांटने की जो परंपरा शुरू कर चुकी है। उसे देशभर में लागू करना चाहती है। यह न केवल संविधान की भावना के खिलाफ है। बल्कि सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी आहत करता है।

तुष्टिकरण की आड़ में आदिवासी समाज की आवाज दबा नहीं सकती राज्य सरकार : बाबूलाल मरांडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को पिठोरिया के बालू गांव पहुंच कर सरहुल जुलूस के दौरान हुई हिंसक घटना की जानकारी ली। श्री मरांडी ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि प्रशासन मामले की लीपापोती कर सच्चाई को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कान खोलकर सुन लें कि तुष्टिकरण की आड़ में आदिवासी समाज की आवाज को दबाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन तत्काल आरोपियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी करे। इससे भविष्य में इस तरह का दुस्साहस करने की कोई हिम्मत न कर सके।

सीएम द्वारा बहुसंख्यक हिंदू समाज को दहशतगर्द बताना शर्मनाक : बाबूलाल

■ मुख्यमंत्री सभी नागरिकों के प्रति समान व्यवहार और सम्मानजनक भाषा अपनायें, यही आम लोगों की अपेक्षा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में रामनवमी के दौरान बहुसंख्यक हिंदू समाज के लिए दहशतगर्द शब्द का प्रयोग बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी भी मुख्यमंत्री से अपेक्षा होती है कि वह सभी नागरिकों के प्रति समान व्यवहार और सम्मानजनक भाषा अपनायें, लेकिन, यहां उन्होंने विभाजनकारी शब्दों का प्रयोग कर अपनी दुर्भावनापूर्ण सोच को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि यह ठीक वैसा ही प्रयास है जैसा कांग्रेस ने पहले मजहबी आतंकवादियों को बचाने के लिए हिंदू आतंकवाद का झूठा नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया था। अब उसी राह पर हेमंत सोरेन चलते हुये सोची समझी रणनीति के तहत बहुसंख्यक समाज को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता हेमंत सोरेन के इस नफरती और जिहादी सोच को सफल नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री तत्काल बहुसंख्यक हिंदू समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

कोल अफसरों का पे-अपग्रेडेशन: हाईकोर्ट ने वेतन संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करने 8 सप्ताह का दिया समय

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/नई दिल्ली। कोल इंडिया के अधिकारियों की वेतन विसंगति का मामला सुलझने की ओर है। सोमवार को जबलपुर हाईकोर्ट में संबंधित प्रकरण की सुनवाई हुई। कोर्ट ने गठित कमेटी को वेतन संबंधी रिपोर्ट तैयार करने के लिए आठ सप्ताह का वक्त दिया है।

यहां बताना होगा कि अधिकारियों के वेतन विसंगति को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सुनवाई चल रही है। इसके पहले 11 मार्च को सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने कोयला मंत्रालय एवं डीपीई को एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश देते हुए 7 अप्रेल को सुनवाई मुकर्रर की थी।

इधर, 7 अप्रेल को हुई सुनवाई में हाईकोर्ट ने कोल मंत्रालय द्वारा अधिकारियों के पे अपग्रेडेशन को लेकर गठित कमेटी को 8 सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट ने कहा है कि आठ सप्ताह में कमेटी रिपोर्ट तैयार करे, अगर इस रिपोर्ट से किसी पक्ष की असहमति हो तो वो कोर्ट आ सकता है। कोर्ट ने डीपीई द्वारा नवंबर 2017 में जारी दिशा निर्देश का पालन करने को कहा है।

सोमवार को मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार केत और न्यायधीश विवेक जैन की बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान मंत्रालय, डीपीई और सीआईएल के अधिवक्ता ने कहा कि मंत्रालय ने अधिकारियों की वेतन विसंगति को दूर करने हेतु एक कमेटी बनाई है। कमेटी की एक बैठक भी हो चुकी है। कोल अधिकारियों को देश के अन्य महारत्न कंपनियों की तरह वेतन संबंधी रिपोर्ट तैयार करने हेतु 8 सप्ताह का समय चाहिए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की सहमति से 8 सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने समय दिया।

मंईयां सम्मान योजना के लाभ के लिए राशन कार्ड अनिवार्य

पारदर्शिता जरूरी

■ पति और पिता के नाम के राशन कार्ड से भी मिलेगा मंईयां योजना का लाभ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ उठाने के लिए महिलाओं के पास राशन कार्ड और आधार कार्ड दोनों होना अनिवार्य है। इससे योजना में फर्जीवाड़ा रोकने में मदद मिलेगी। राशन कार्ड का सत्यापन टेक्नोलॉजी के जरिए किया जाएगा। इसके लिए खाद्य आपूर्ति विभाग के राशन कार्ड पोर्टल के एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस, नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर और पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा।

पिता या पति के नाम का राशन कार्ड होगा मान्य : सत्यापन की प्रक्रिया महिला, बाल विकास विभाग और खाद्य आपूर्ति विभाग के सहयोग से यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिनका नाम राशन कार्ड में नहीं है, उनके लिए पिता या पति का राशन कार्ड भी मान्य होगा।

केंद्र सरकार को लाभांश देने के मामले में कोल इंडिया शीर्ष पर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/नई दिल्ली। केन्द्र सरकार का खजाना भरने में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में कोल इंडिया लिमिटेड टॉप पर है। सीआईएल ने खत्म हुए वित्तीय वर्ष 2024- 25 में 10,252.09 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है। यहां बताना होगा कि कोल इंडिया लिमिटेड विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादन कंपनी है। सीआईएल ने वित्त वर्ष 2024- 25 में 781.06 मिलियिन टन कोयल उत्पादन किया है। केन्द्र सरकार को वित्तीय वर्ष 2024- 25 में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों से 74,016.68 करोड़ रुपये का लाभांश प्राप्त हुआ है। केन्द्र सरकार को 2023-24 में 63,749.29 करोड़ रुपये का लाभांश मिला था। इसमें 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। लाभांश देने के मामले में कोल इंडिया के बाद दूसरे स्थान पर राज्य के स्वामित्व वाली तेल और गैस की दिग्गज कंपनी ओएनजीसी है। ओएनजीसी ने 10,001.97 करोड़ रुपए का डिविडेंड दिया है। भारत की शीर्ष ईंधन खुदरा विक्रेता कंपनी आईओसीएल ने 5,090.54 करोड़ रुपए, पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और एनटीपीसी ने क्रमशः 4,824.59 करोड़ रुपए और 4,088.16 करोड़ रुपए का योगदान दिया है।

पिछले एक दशक में सीपीएसयू से लाभांश संग्रह में वृद्धि का देखने को मिली है। 2021-22 में सरकार को सीपीएसयू से 59,294 करोड़ रुपए मिले थे। 2022- 23 में 59,533 करोड़ रुपए की मामूली वृद्धि हुई थी, लेकिन 2023- 24 में यह आंकड़ा बढ़कर 63,749.29 करोड़ रुपए पर पहुंच गया था।

खबर एक नजर में

जेपीएससी प्रथम के 18 आरोपियों को मिली अग्रिम जमानत

रांची। जेपीएससी प्रथम नियुक्ति घोटाले के 18 आरोपियों को हाईकोर्ट ने सोमवार को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी। सीबीआई कोर्ट से अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद सभी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। अग्रिम जमानत के लिए राजेश्वर नाथ आलोक, अनिल कुमार यादव, सीमा सिंह, सुषमा नीलम सोरेंग, ज्योति झा, कामेश्वर राम, लक्खी राम बासकी, हरिवंश पंडित, सुदर्शन मुर्मू, अनंत कुमार, राजीव कुमार, योगेंद्र प्रसाद, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण समेत अन्य ने याचिका दायर की थी। सीबीआई ने जेपीएससी (प्रथम) नियुक्ति घोटाले की जांच के बाद कुल 37 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। सीबीआई ने जेपीएससी के पांच अधिकारी और 12 परीक्षकों के अलावा 20 तत्कालीन परीक्षार्थियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

जमशेदपुर बार संघ में वित्तीय अनियमितता की याचिका वापस

रांची। जमशेदपुर जिला बार संघ में वित्तीय अनियमितता के मामले में दाखिल याचिका प्रार्थी राजेश जायसवाल ने वापस ले ली है। प्रार्थी ने सोमवार को अदालत को बताया कि इस मामले में पुलिस ने फाइनल फॉर्म जमा कर दिया है। वह पुलिस के फाइनल फॉर्म जमा किए जाने को चुनौती देंगे। ऐसे में वह वर्तमान याचिका हाईकोर्ट से वापस लेना चाहते हैं। इस पर चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने याचिका वापस लेने की अनुमति प्रदान कर दी। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट को बताया गया था कि इस मामले में पुलिस ने फाइनल फॉर्म जमा कर दिया है।

मामला सचिवालय सेवा संवर्ग के पदाधिकारी-कर्मचारी से पैसे वसूली का

कर्मियों को किये गये अतिरिक्त भुगतान की वसूली नहीं की जा सकती : संघ

फैसले का विरोध

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कैबिनेट के फैसले के आलोक में सचिवालय सहायक संवर्ग के 300 पदाधिकारियों से प्रति पदाधिकारी पर औसतन 18 से 19 लाख रुपये वसूली की अनुशंसा की गयी है, जबकि सचिवालय सेवा संवर्ग के 2006 से पूर्व नियुक्त लगभग 300 पदाधिकारी इनकम टैक्स के रूप में लगभग 17.10 करोड़ रुपए भी जमा कर चुके हैं। संघ का कहना है कि कैबिनेट का फैसला न्याय संगत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए संघ ने कहा है कि नियोक्ता की ओर से गलत गणना या किसी नियम की गलत व्याख्या के आलोक में कर्मचारियों को किये गये अतिरिक्त भुगतान की वसूली नहीं की जा सकती है।

क्या है मामला : महालेखाकार द्वारा एक ही मामले में दो फिटमेंट टेबल बनाए जाने को नियमसंगत नहीं करार देने के बाद वित्त विभाग ने एक अक्तूबर 2019 को जारी वेतन निर्धारण से संबंधित संकल्प को रद्द करने का प्रस्ताव पेश किया था। कैबिनेट ने वित्त विभाग के इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए रद्द कर दिया था। 2019 को जारी संकल्प से 2006 से पहले नियुक्त सचिवालय सहायको का वेतन और ग्रेड पे बढ़ गया था। साथ ही उन्हें एरियर भी मिला था। एरियर और बढ़े हुए वेतन की वजह से प्रति पदाधिकारी को 18 से 19 लाख रुपए अधिक मिले हैं। विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय कमेटी ने वसूली की अनुशंसा की है। इस संकल्प को रद्द करने की वजह से 2006 से पहले नियुक्त सचिवालय सहायकों के वेतन में भी 10 से 15 हजार रुपए की कमी हो जाएगी।

सरकार का फैसला न्याय संगत नहीं

सचिवालय सेवा के अधिकारी व कर्मचारी इस फैसले को न्याय संगत नहीं बता रहे हैं। उनका कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश के आलोक से राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी जा सकती है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए विभिन्न न्याय निर्णयों में भी कहा गया है कि यदि प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए वेतन निर्धारण की कार्रवाई की जाती है तो उसे बिना स्पष्टीकरण और युक्ति युक्त अवसर प्रदान किए बिना लिया गया निर्णय अविवेक पूर्ण होगा।

झामुमो के संविधान संशोधन पर विचार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झामुमो के केन्द्रीय पार्टी कार्यालय हरमू में सोमवार को बैठक हुई, जिसमें संविधान संशोधन समिति के सदस्य उपस्थित हुए। बैठक में आसन्न 13वें केन्द्रीय महाधिवेशन में पेश होनेवाले पार्टी के संविधान संशोधन के बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में संविधान संशोधन समिति के सदस्य विनोद कुमार पांडेय, फागु बेसरा, सुदिव्य कुमार, योगेंद्र प्रसाद, अभिषेक प्रसाद और विजय कुमार हांसदा उपस्थित हुए। बता दें कि रांची के मेगा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स स्थित हरिवंश टाना भगत स्टेडियम में पार्टी का 13वें केन्द्रीय महाधिवेशन 14 और 15 अप्रैल को होना है। जिसमें झामुमो के नेता संगठन से लेकर सरकार को मुद्दे पर मंथन करेंगे। इसमें पूरे राज्य से नेता व कार्यकर्ता जुटेंगे। पार्टी ने महाधिवेशन को लेकर स्वागत समिति, राजनैतिक प्रस्ताव सह आगामी कार्यक्रम व रूपरेखा समिति और संविधान संशोधन समिति का गठन किया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन सभी समितियों के संयोजक हैं। वहीं कमेटी में पार्टी के मंत्री, विधायक और पदाधिकारी शामिल हैं।

वर्ष 2025-26 होगा आदिवासी स्वाभिमान वर्ष, नीतिगत निर्णय लेने को सरकार प्रतिबद्ध

एसटी-एससी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए योजना बनाकर काम करें : चमरा लिंडा

■ कल्याण मंत्री ने की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

■ आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपराएं एवं जीवनशैली इस भूमि की धरोहर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने सोमवार को कल्याण कॉम्प्लेक्स में आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा एवं अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री श्री लिंडा ने अधिकारियों से कहा कि बिना किसी शिकायत एवं बाधा के एकलव्य सहित अन्य सभी कल्याण आवासीय विद्यालयों के नामांकन परीक्षा का निर्धारित समय पर आयोजन करा लेने के लिए आपसभी का कार्य सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राज्य के एसटी/एससी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए लिए योजना बनाकर कार्य करें।

नीतिगत निर्णय लेने को राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री श्री लिंडा ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समाज के उत्थान के लिए ऐसे नीतिगत निर्णय लेने हेतु प्रतिबद्ध है, जो उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण को गति दे। उनका सम्मान, स्वाभिमान, कल्याण और विकास केवल संवैधानिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारे नैतिक मूल्यों का भी प्रतिबिंब होना चाहिए। कल्याण मंत्री ने कहा कि हमारा विभाग अपने प्रयासों से एक ऐसे झारखण्ड की कल्पना को साकार करें, जहां आदिवासी समाज अपने अधिकारों के साथ स्वाभिमानपूर्वक जीवन जी सके और अपनी अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक संजो सके। बैठक में प्रबन्ध निदेशक टीसीडीसी नीलसोम बागे, उप निदेशक धीरेंद्र सिंह, अप निदेशक मोनिका टूटी, राकेश उरांव, अमृता कुजूर आदि उपस्थित थे।

2025-26 आदिवासी स्वाभिमान वर्ष होगा : वर्ष 2025-26 आदिवासी स्वाभिमान वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की विशिष्ट पहचान का पर्याय है यहां का आदिवासी समाज। झारखंड की 32 आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपराएं, और जीवनशैली इस भूमि की धरोहर हैं। सदियों से इन समुदायों ने अपने श्रम, संघर्ष और साहस से समाज और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखा है। आज यह प्रासंगिक है कि हम उनके गौरवशाली अतीत को न केवल संरक्षित करें, बल्कि उनके आत्मसम्मान और अधिकारों को और अधिक सशक्त करें। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और परंपरागत आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देकर हम उनके स्वाभिमान को मजबूत कर सकते हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति की बैठक में फैसला

हजारीबाग का पदमा ओपी बनेगा थाना देवघर हवाई अड्डा के पास खुलेगा ओपी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न उच्चस्तरीय समिति की बैठक में हजारीबाग के पदमा ओपी को थाना का दर्जा देने का फैसला लिया गया। वहीं एक अन्य फैसले में देवघर हवाई अड्डा के पास नया पुलिस आउट पोस्ट खोलने पर मुहर लगायी गयी। यह निर्णय सोमवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में ली गयी है। बताते चलें कि पदमा में पुलिस आउट पोस्ट काफी लंबे समय से संचालित है। बैठक में बताया गया कि पदमा ओपी का कार्य क्षेत्र काफी बड़ा है।

यह इलाका घनी आबादी वाले क्षेत्र में परिवर्तित हुआ : अब यह इलाका विस्तृत आबादी वाले क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है। इस इलाके में आपराधिक गतिविधियां भी उसी अनुपात में बढ़ी हैं। पदमा ओपी को थाना में उत्क्रमित करने में अनुमानित दो करोड़ 70 लाख रुपये खर्च होंगे।

देवघर हवाई अड्डा के कारण विमानपत्तन ओपी के सृजन का निर्णय

दूसरी ओर देवघर जिला के कुण्डा थानान्तर्गत देवघर हवाई अड्डा के कारण विमानपत्तन ओपी के सृजन का निर्णय लिया गया। इसके प्रस्ताव में गृह विभाग द्वारा बताया गया कि कुण्डा थाना से देवघर हवाई अड्डा की दूरी सात किमी. एवं मुख्यालय से 12 किमी. होने के कारण थाना का कार्य क्षेत्र काफी बड़ा हो जाता है। हवाई अड्डा का इलाका दुर्गम होने के कारण कुंडा थाना से विधि व्यवस्था के संधारण में कठिनाई होती है। वहीं पिछले कुछ दिनों में आपराधिक घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसके मद्देनजर पुलिस आउट पोस्ट खोलने पर मुहर लगायी गयी। इस ओपी के सृजन में लगभग चार करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान है। बैठक में गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन, राजस्व सचिव चंद्रशेखर और आइजी हेडक्वार्टर मनोज कौशिक मौजूद थे।

खबर एक नजर में

रिम्स न्यूरोलॉजी में आज डॉ रूपेश देंगे परामर्श

रांची। रिम्स के न्यूरोलॉजी विभाग की ओपीडी में मंगलवार को मरीजों को डॉ रूपेश परामर्श देंगे। वहीं, सर्जरी में डॉ पंकज बोदरा, ऑर्थो में डॉ गोविंद, न्यूरोसर्जरी में डॉ आनंद प्रकाश, ईएनटी में डॉ संदीप और टीबी चेस्ट में डॉ ब्रजेश मिश्र परामर्श देंगे।

बिजली बिल की समस्या के निपटारे के लिए शिकायत निवारण कोषांग गठित

रांची। कोकर इलाके के बिजली उपभोक्ताओं की बिजली बिल से संबंधित समस्याओं के निपटारे के लिए उपभोक्ता शिकायत निवारण कोषांग का गठन किया गया है। इस कोषांग में तीन कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है। ये कर्मी हर दिन सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक उपभोक्ताओं की बिलिंग से संबंधित समस्याओं का निपटारा करेंगे। कोकर के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर गौरव कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं के लिए कोषांग का मोबाइल नंबर भी जारी किया गया है। उपभोक्ता मोबाइल नंबर 6201382424 पर कॉल कर या व्हाट्सअप के जरीए अपनी समस्याओं को साझा कर सकते हैं। साथ ही बिल की पूरी जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं।

रामनवमी पर काव्यांजलि का आयोजन

रांची। जोहार दर्पण संस्थान ने रविवार को देर रात रामनवमी के अवसर पर काव्यांजलि का आयोजन किया। काव्यांजलि आयोजन ऑनलाइन गूगल मिट के माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कवयित्री कविता साव ने की,वही मंच संचालन कवि संजय ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सोनम झा थी। इस मौके पर पंकज कुमार,गोविन्द कुमार,लुकेश्वर साहू, लता शर्मा त्रिशा,सोनी यादव, एकता कुमारी, अनुराग ने कविता पाठ किया।

डालसा ने चलाया जागरूकता अभियान

रांची। ओरमांझी प्रखंड के चकला पंचायत के मुन्ना पतरा गांव में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी सहायक शिवानी सिंह, पीएलवी शिला तिग्गा, किरण कुमारी, आशीष कुमार बैठा, जगमोहन महतो, दिपक गंझू, संतोष कुमार, राजा वर्मा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

दहेज प्रताड़ना : आरोपियों के खिलाफ समन जारी

रांची। दहेज प्रताड़ना से जुड़े एक मामले में शिकायतकर्ता के पति एसोसिएट इंजीनियर अनिकेत श्रीवास्तव, उसके ससुर मनन जी प्रसाद एवं सास गीता श्रीवास्तव के खिलाफ अदालत ने संज्ञान लेते हुए समन जारी किया है। जमशेदपुर निवासी तीनों आरोपी वर्तमान में बेंगलुरु के डोड्डागुब्बी मेन रोड स्थित डीएस मैक्स स्प्रिंगफील्ड फ्लैट में रहता है। बोरेया निवासी पीड़िता ने पिछले साल दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुये अपने पति समेत तीनों के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में केस की थी। अदालत ने प्रथम दृष्टया तीनों पर लगे आरोपों में दोषी पाया है।

कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में शोक सभा

रांची। प्रख्यात भू-गर्भ शास्त्री व शिक्षाविद पूर्व कुलपति डॉ एसपी सिंह के निधन को लेकर सोमवार को कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में शोकसभा का आयोजन किया गया। मौके पर दो मिनट के मौन धारण बाद उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन ने श्री सिंह के निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि कैंब्रिज ट्रस्ट ऑफ इंडिया के उत्थान में एक सलाहकार व एक शिक्षक के रूप में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है। मौके पर उप प्राचार्य प्रो रसिका नवनीत सिंह, जॉइंट सेक्रेटरी डॉ पल्लवी चौहान, डॉ पीएस शर्मा, डॉ विजय शंकर सिंह, डॉ रणवीर कुमार, डॉ ए भट्टाचार्य मौजूद रहे।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में एक्सपर्ट टॉक

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा सोमवार को विवि परिसर में एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमआईटी-वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी के मीडिया और कम्युनिकेशन विभाग के एसोसिएट डीन और दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म स्कूल के धीरज सिंह ने पत्रकारिता और जनसंचार के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने मीडिया में होने वाले बड़े बदलावों और चुनौतियों पर भी चर्चा की। उन्होंने पारंपरिक मीडिया एवं डिजिटल मीडिया के संक्रमण, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रसार, मीडिया में तकनीकी बदलावों एवं चुनौतियों पर अपना विचार रखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसबीयू के महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने कहा कि पाठ्यक्रम के इतर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में विभाग के डीन अजय कुमार और विभाग के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम में विभाग के प्रमुख सुधीर कुमार ने स्वागत भाषण और डॉ. नंदिनी सिन्हा ने धन्यवाद भाषण दिया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सीएमपीडीआई ने स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

रांची। सीएमपीडीआई द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस और कोल इंडिया लिमिटेड के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर आज सीएमपीडीआई डिस्पेंसरी, रांची में कर्मचारियों, उनके आश्रितों और संविदा श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर का आयोजन भगवान महावीर मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, रांची के सहयोग से किया गया। मेडिका अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन ने मरीजों को परामर्श प्रदान किया और इस पहल से लगभग 55 मरीज लाभान्वित हुए। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2025 की थीम- स्वस्थ शुरूआत, आशाजनक भविष्य को ध्यान में रखते हुए रोके जा सकने वाले मातृ एवं नवजात मृत्यु को समाप्त करने तथा महिलाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देने के बारे में मरीजों को जागरूकता प्रदान की गयी। स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्देश्य सीआईएल कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के बीच स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना था।

अब सीबीटी मोड में परीक्षा लेगा जेएसएससी

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-जेएसएससी राज्य में सीबीटी मोड यानी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट लेगा। बता दें कि इसमें परीक्षार्थी कंप्यूटर पर परीक्षा देते हैं, जिसमें प्रश्न और उत्तर देने की प्रक्रिया डिजिटल रूप से होती है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि परीक्षा पेपर आउट जैसी घटनाओं पर रोक लग सकें। बताते चलें कि गल समेत अन्य परीक्षाओं में जेएसएससी के ऊपर पेपर लीक के आरोप लगे हैं। इस कारण रिजल्ट भी प्रभावित हो रहा है और परीक्षाएं भी समय से नहीं हो पा रही हैं। यही कारण है कि आयोग ने सीबीटी मोड में परीक्षा लेने का निर्णय लिया है।

भक्तिभाव के साथ रामनवमी और चैती दुर्गा पूजा संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची में रामनवमी एवं चैती दुर्गा का पर्व भक्ति, श्रद्धा, प्रेम और आपसी भाईचारे के वातावरण में अत्यंत भव्यता और ऐतिहासिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर जहां आम नागरिकों ने एकजुट होकर जुलूसों में भाग लिया, वहीं राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों और समाजसेवियों ने सराहनीय भूमिका निभायी। मुख्यमंत्री ने रामनवमी के अवसर पर कहा था कि झारखंड की संस्कृति आपसी सद्भाव और समरसता की मिसाल रही है। रामनवमी पर्व हमें धर्म, न्याय और समाज सेवा की प्रेरणा देता है।

इधर आलोक कुमार दूबे ने भी रामनवमी के जुलूस में सहभागिता की। उन्होंने कहा कि रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं बल्कि सामाजिक एकता और भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब है।

सिंदूर खेला के बाद निकला विसर्जन जुलूस, मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में चैती दुर्गा पूजा सोमवार को धूमधाम से संपन्न हो गया। आयोजन समिति की ओर से सोमवार को विसर्जन शोभायात्रा निकाली गयी। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति, भुतहा तालाब, चैती दुर्गा पूजा समिति काली मंदिर डोरंडा समेत शहर की विभिन्न पूजा समितियों की ओर से विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। चैती दुर्गा पूजा में कलश विसर्जन के पूर्व महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर मां से आशीर्वाद मांगा। महिला श्रद्धालु ढोल नगाड़े के साथ नाचते गाते बड़ा तालाब पहुंची।

एनकाउंटर के बाद भी अमन साहू का फेसबुक का अकाउंट एक्टिव

रामनवमी के दिन किया गया पोस्ट

खबर मन्त्र ब्यूरो

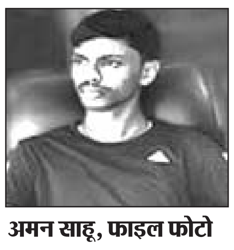

अमन साहू, फाइल फोटो

रांची। एनकाउंटर में मारे गये कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू का फेसबुक अकाउंट अब भी कोई चला रहा है। छह अप्रैल रामनवमी के दिन उसके फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया गया है। पोस्ट में दो पोस्टर शेयर किये गये हैं। लिखा गया है, जय श्री राम, स्मृतिशेष, अमन साहू, यह पोस्ट दिन के करीब 12 बजकर 50 मिनट पर किया गया है। मौत के करीब 26 रोज बाद भी अकाउंट का एक्टिव होना सभी को चौंका गया।

अमन साहू का 11 मार्च हो हुआ था एनकाउंटर : यहां याद दिला दें कि बीते 11 मार्च को गैंगस्टर अमन साहू को पलामू में एटीएस की टीम ने एनकाउंटर में मार गिराया था। पलामू एसपी ने बताया था कि एटीएस की टीम कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू को रायपुर जेल से रिमांड पर लेकर रांची आ रही थी। टीम जब पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारी ढोडा इलाके में घुसी तो घात लगाये कुछ अपराधियों ने पुलिस की गाड़ी पर बम से हमला कर दिया था। इसी दरम्यान मौका पाकर अमन साहू टीम में शामिल हवलदार राकेश कुमार के हाथ से इंसास रायफल छीनकर भागने लगा। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने पुलिस को टारगेट कर गोली चला दी। गोली हवलदार के जांघ में लगी। वहीं, जवाबी कार्रवाई में पुलिस को भी गोली चलानी पड़ी और अमन साहू मारा गया था।

अडाणी पावर के विरोध में मुख्यमंत्री से शिकायत की

झारखंड के लोगों से भेदभाव कर रहा अडाणी पावर : प्रदीप

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अडाणी पावर एक बार फिर सुर्खियों में है। बजट सत्र के दौरान सदन में किसानों की मांग उठने के बाद सोमवार को कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और भूख हड़ताल पर बैठे किसानों की मांग पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। मुलाकात के बाद कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि अडाणी पावर प्लांट झारखंड के लोगों के साथ भेदभाव कर रहा है। उन्होंने कहा कि यहां काम करने वाले बिहार, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों के लोगों को लाखों रुपये मिलते हैं, लेकिन झारखंड के लोगों को आउटसोर्सिंग पर रखा जाता है और उन्हें सिर्फ 15 हजार रुपये दिए जाते हैं।

भेदभाव नहीं किया जाएगा बर्दाश्त : प्रदीप यादव ने कहा कि किसी भी हाल में यह भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इसका समाधान निकाला जाएगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद सीएम आवास के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदीप यादव ने कहा कि अडाणी पावर की ओर से कई आश्वासन दिए गए थे, लेकिन उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। न तो अस्पताल बना, न ही स्कूल खुला और न ही विस्थापितों को नौकरी दी गई।

समाधान नहीं हुआ तो 14 तारीख से करेंगे आंदोलन : प्रदीप यादव ने कहा कि अगर हमारी समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ तो 14 तारीख से आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कैसा न्याय है कि एक ही काम के लिए बिहार, पश्चिम बंगाल, ओड़िशा और अन्य राज्यों के लोगों को एक लाख रुपये से अधिक वेतन मिल रहा है। वहीं, यहां के स्थानीय लोगों को उसी काम के लिए मामूली रकम दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमें किसानों की समस्याओं को समझना होगा और उसका समाधान निकालना होगा।

राजधानी के निजी स्कूलों में बनेगा पैरेंट्स-टीचर एसोसिएशन

- जेपीए के आग्रह पर उपायुक्त का प्राइवेट स्कूलों को निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड अभिभावक संघ (जेपीए) के अध्यक्ष अजय राय ने डीसी रांची से प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की थी। उनका कहना है कि प्राइवेट स्कूल मनमाने तरीके से फीस बढ़ा देते हैं। वहीं, एनुअल चार्ज के तौर पर मोटी रकम की वसूली भी की जाती है। बीते पांच अप्रैल को संघ की ओर से शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री को पत्र लिख कर कार्रवाई करने की मांग की गयी थी। पत्र के जरिये संघ ने डिमांड किया था कि राज्य भर के प्राइवेट स्कूलों में फीस कमेटी का गठन किया जाये। वहीं, हर एक स्कूल में पीटीए यानी पेरेंट्स टीचर एसोसिएशन का गठन किया जाये। अजय राय ने बताया कि संघ का मानना है कि फीस कमेटी और पीटीए के गठन के बाद स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लगाया जा सकता है।

संघ ने यह भी आग्रह किया था कि जब तक संबंधित समितियां गठित नहीं होतीं, तब तक केवल एजुकेशन फीस ही लिया जाए। झारखंड अभिभावक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री को भेजे गये पत्र का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। डीसी ने आदेश दिया है कि राजधानी रांची के सभी प्राइवेट स्कूलों में पीटीए का गठन किया जाए। झारखंड अभिभावक संघ ने डीसी के इस कदम का स्वागत किया है साथ ही अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन के बीच बेहतर संवाद और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

बताते चलें कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम 2017 के तहत हर एक स्कूल में एक फीस कमेटी का गठन करना अनिवार्य किया गया है। यह कमेटी स्कूल मैनेजमेंट, प्रिंसिपल, टीचर और माता-पिता के प्रतिनिधियों को मिलाकर गठित की जानी चाहिए। इसके अलावा, जिले स्तर पर एक जिला समिति का गठन भी जरूरी है। इसमें डीसी, डीईओ, चार्टर्ड अकाउंटेंट, और अन्य संबंधित सदस्य शामिल होंगे। यह अधिनियम 7 जनवरी 2019 से लागू हुआ था। परंतु आज तक न तो स्कूल स्तर पर और न ही जिला स्तर पर फीस कमेटी का गठन हुआ है। इसके कारण, प्राइवेट स्कूलों द्वारा लगातार एजुकेशनल फीस में वृद्धि की जाती रही है। इससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। संघ के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम उपायुक्त रांची के इस सकारात्मक निर्देश का स्वागत करते हैं और इस पहल को राज्य भर में शिक्षा सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानते हैं। हम विश्वास रखते हैं कि इससे शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी और अभिभावकों को राहत मिलेगी।

एचइसी मुख्यालय, प्लांट और एचटीआइ में दो दिनों से अंधेरा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे एचइसी की परेशानी दिनों दिन बढ़ती जा रही है। सोमवार को एचइसी मुख्यालय, दो प्लांट व एचटीआइ में बिजली नहीं रहने से कामकाज प्रभावित रहा। जानकारी के अनुसार शनिवार से ही यहां बिजली नहीं है। वहीं इस भीषण गर्मी में बिना बिजली के अधिकारी व कर्मचारी दिन भर परेशान रहे। मुख्यालय में पंखा, लाइट, एसी, लिफ्ट, कंप्यूटर नहीं चला। वहीं दोनों प्लांट में उत्पादन ठप रहा।

इधर, एचइसी के अधिकारी ने बताया कि एफएफपी से इन जगहों पर बिजली की सप्लाई की जाती है। कहां गड़बड़ी आयी है, इसकी जांच की जा रही है लेकिन सोमवार को दिन भर प्रयास के बावजूद बिजली सही नहीं की जा सकी। वहीं कर्मियों का कहना है कि प्लांटों से निरंतर बिजली तार की चोरी व कर्मियों की कमी से परेशानी बढ़ गयी है। इस कारण दो दिन बाद भी बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं किया गया है।

जेबीवीएनएल ने भी बिजली काटने का दिया है अल्टीमेटम

जेबीवीएनएल भी एचइसी को बिजली काटने का अल्टीमेटम पूर्व में ही दे चुका है। वहीं हर माह बिजली बिल भुगतान को लेकर पत्र लिखा जा रहा है। एचइसी पर निगम का बिजली बिल बकाया 180 करोड़ रुपये से अधिक है। गौरतलब है कि एचइसी प्रतिदिन जेबीवीएनएल से लगभग 10 मेगावाट बिजली लेता है। इस वजह से पिछले दो वर्षों में एचइसी का बिजली बिल का बकाया बढ़ गया है।

झारखंड में एक बार फिर बदलेगा मौसम तेज हवा चलने व वज्रपात का येलो अलर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मौसम विभाग के अनुसार 13 अप्रैल तक मौसम बदला रहेगा। 10 और 11 अप्रैल को पूरे राज्य में मौसम का मिजाज बदला हुआ होगा। इस दौरान बादल छाये रहेंगे। मेघ गर्जन के साथ कुछ स्थानों हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। वहीं बात करें आठ और नौ अप्रैल की राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तर पूर्वी भाग में कहीं-कहीं पर गर्जन और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के झोंके चलने के साथ-साथ वज्रपात का येलो अलर्ट है। 08 और 09 अप्रैल को राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तर पूर्वी भाग में हल्की से मध्यम दर्जे की वर्षा की संभावना है। वहीं 12 और 13 अप्रैल को आंशिक बादल छाये रहेंगे। मेघ गर्जन के साथ कहीं कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन है वजह

मौसम केंद्र रांची के अनुसार, उत्तर पूर्वी बिहार से विदर्भ तक बने टर्फ और पूर्वी बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ के ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन की वजह से राज्य के कई इलाकों में आंधी, तेज हवा के झोंके, वज्रपात का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान कई इलाकों में हल्की से मध्यम दर्जे की वर्षा भी हो सकती है।

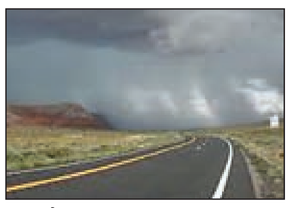

इन क्षेत्रों में रहेगा बदलाव : मौसम विभाग ने 8 अप्रैल को गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, हजारीबाग, रांची, खुंटी, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह, बोकारो, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम, साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा और धनबाद जिलों के अलग-अलग हिस्सों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है।

वहीं 9 अप्रैल को झारखंड में कुछ स्थानों पर ओले गिरने की संभावना जतायी है। झारखंड के रामगढ़, रांची, खूंटी, गिरिडीह, बोकारो, सरायकेला, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, साहेबगंज, गोड्डा, पाकुड, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, जामताड़ा और धनबाद में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा विभाग ने 10 व 11 अप्रैल को गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा जिलों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ने का यलो अलर्ट जारी किया है। लोहरदगा, हजारीबाग, रांची, गुमला, खूंटी, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह, बोकारो, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर और साहेबगंज में गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ने और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया गया है।

कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के पास अब लोस और विस के प्रत्याशियों के चयन का होगा अधिकार

- कांग्रेस प्रत्याशियों के चयन में जिलाध्यक्षों की बढ़ेगी भूमिका, खड़गे ने झारखंड समेत अन्य राज्यों के जिला अध्यक्षों को दिया संदेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत कई राष्ट्रीय नेताओं ने झारखंड, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी कांग्रेस जिला अध्यक्षों के साथ बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में हिस्सा लेकर लौटे झारखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने 4 अप्रैल की बैठक में 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के सभी कांग्रेस जिला अध्यक्षों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया और मीडिया विभाग को मजबूत करने की बात कही। इस बात पर चर्चा हुई कि मीडिया के सभी माध्यमों का उपयोग कर कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों को राज्य स्तर से पंचायत, प्रखंड और फिर जिला स्तर तक कैसे पहुंचाया जाए। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि जिला संगठन को ताकत के साथ-साथ जवाबदेही भी दी जाएगी।

केंद्र से जुड़कर 365 दिन और पांच साल करेंगे काम : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पहले हम सिर्फ चुनाव के समय ही कार्यालय खोलते थे, लेकिन अब राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय नेतृत्व का मानना है कि हम 365 दिन और पांच साल 'कांग्रेस साथी केंद्र' चलाएंगे जिसे 'कनेक्ट सेंटर' के नाम से जाना जाएगा। ताकि निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक के कार्यकर्ता अपनी बात उचित मंच पर रख सकें और संवाद स्थापित हो सके।

कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को दी जाएगी ताकत : प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संकेत दिया है कि जिला अध्यक्षों को ताकत दी जाएगी और उनकी जवाबदेही भी बढ़ेगी। इस बात पर भी चर्चा की संभावना है कि विस और लोस के उम्मीदवारों के चयन में जिलाध्यक्ष किस तरह से भागीदारी करें। जिला अध्यक्षों की बैठक में कांग्रेस की संपत्तियों को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। बैठक में सभी जिला अध्यक्षों को कहा गया कि हर जिले में कांग्रेस की संपत्ति की पूरी जानकारी और दस्तावेज अपडेट करें। साथ ही कांग्रेस की जमीन से राजस्व कैसे जुटाया जाए, इस पर भी काम करना है।

पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेवारी : राधाकृष्ण किशोर

- विधानसभा में सरहुल मिलन समारोह का किया गया आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा परिसर में पदाधिकारी कर्मचारीगण की ओर से सरहुल-बाहा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि जनजातीय समाज प्रकृति की पूजा करते हैं। सूरज की रोशनी और धरा की सृजनशीलता के मिलन से पेड़ पौधों में नये फूलों, फलों का लगना नये ऋतु के आगमन पर फसलों का लहलहाना इन सभी अवसरों को सम्मिलित रूप से प्रकृति पूजक जनजातीय समाज उत्सव के रूप में मनाते है। इसी रूप में सरहुल-बाहा पर्व जनजातीय समाज का एक बड़ा उत्सव है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि आज पूरी दुनिया पर्यावरण के संरक्षण में बड़ी बड़ी योजनायें बना रही है। सरहुल-बाहा पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण की ओर प्रेरित करती है। स्पीकर रबीन्द्रनाथ महतो अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होने पर सरहुल-बाहा मिलन समारोह के अवसर पर आयोजन समिति सहित सभी पदाधिकारी कर्मियों को शुभकामनायें दी हैं। कार्यक्रम का संचालन अनूप कच्छप प्रशाखा पदाधिकारी ने किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर, विधायक राजेश कच्छप, प्रभारी सचिव माणिक लाल हेमब्रम सभा सचिवालय के पदाधिकारी एवं कर्मचारी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

विश्व संघ न्यू सुरभि क्लब व एकता संघ को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया

रामनवमी पूजा का समापन सह पुरस्कार वितरण छह मुहान पर किया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। रामनवमी पूजा पलामू जिले के प्रखंड स्तर पर आपसी सौहार्द के साथ शांतिपूर्वक संपन्न कराया गया। पर्व को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन भी अपनी सक्रियता को दिखाते हुए शांतिपूर्ण संपन्न कराया। जिला मुख्यालय में पांच दिन तक चलनेवाला रामनवमी पर्व का समापन श्री महावीर नवयुवक दल जेनरल के द्वारा छह मुहान पर सम्मान समारोह एवं पुरस्कार वितरण कर किया गया। इसकी अध्यक्षता जेनरल के अध्यक्ष युगल किशोर व संचालन महामंत्री विजय ओझा ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि सदर एसडीओ सुलोचना मीणा, एएसपी राकेश सिंह, शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार, ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद, भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रथम उप महापौर राकेश सिंह उर्फ मंगल सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी व अन्य को माला, पगड़ी, शॉल, मोमेंटो एवं तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सदर एसडीओ ने सभी पूजा कमेटी एवं नगरवासियों को रामनवमी त्योहार की शुभकामना देते हुए कहा कि सभी के सहयोग से रामनवमी त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि किसी भी पर्व त्योहार मनायें तो उसमें दूसरे लोगों के स्वार्थ को ध्यान में रखते हुए डीजे बजायें। एएसपी राकेश सिंह ने कहा कि कोई भी पर्व त्योहार आपसी प्रेम भाईचारा के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम के आदर्शों को अपनाने की जरूरत है। इस मौके पर जेनरल अध्यक्ष युगल किशोर ने विभिन्न पूजा कमिटी के लोगों को शुभकामना देते हुए कहा कि जिस प्रकार आपसभी का प्रेम हमें मिला है उस पर खरा उतरते हुए शहर को सुंदर व आकर्षित रूप से सजाने का काम किया हूं। रामनवमी की शोभायात्रा में आकर्षक रथ निकालने वाले विश्व संघ, न्यू सुरभि क्लब,न्यू एकता स्टार क्लब को प्रथम पुरस्कार दिया गया। इसी तरह उपकार संघ, महामृत्युंजय संघ, ॐ शांति क्लब को द्वितीय और बजरंग बली सेवा समिति, नवजागृति संघ को तृतीय प्रकार पुरस्कार मिला। चौक चौराहों को सजाने के लिए हॉकर संघ, जय बजरंग संघ, जेनरल के साथ पंचमी से नवमी तक शोभायात्रा में शामिल रहने वाले हिंदू सेना संघ एवं समाज कल्याण समिति को पुरस्कार दिया गया। मौके पर जेनरल के गणेश गिरी, बबलू गुप्ता, उमेश अग्रवाल, भोला अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, शुभम प्रसाद, प्रदीप कुमार अकेला, शुभम राज, विकास सिंह, मनोहर लाली, राजू चंद्रवंशी, आकाश, प्रकाश गोस्वामी, मनीष वर्मन, दीपू चौरसिया, रितेश तुलस्यान, सुरेश कुमार टॉम, अरविन्द राणा, रितेश कुमार सहित कई लोग थे।

स्पीड न्यूज

हुसैनाबाद में विभिन्न पूजा कमिटियों ने निकाली रामनवमी की भव्य शोभा यात्रा

हुसैनाबाद पलामू। एक ही नारा एक ही नाम, जय श्री राम जय श्री राम, जय श्री हनुमान, घर घर पर भगवा छा गया राम राज्य आ गया जैस नारों से हुसैनाबाद शहर वा ग्रामीण क्षेत्र गूंज उठा। इस जुलूस में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के 37 अखाड़ा मंडल समिति के लोग शामिल हुए। दोपहर 12बजे से लोगों की हुजूम शहर के महावीर जी मंदिर परिसर के बीच जमा होने लगी। वहां से महावीर मंडल समिति के तत्वाधान में शंखनाद से जुलूस की शुरूआत की गयी। जुलूस के स्वागत में शहर के कई घरों के छत से लोगों ने पुष्प वर्षा की, जुलूस के दौरान जय श्री राम जय हनुमान के जोशीले नारों के साथ पूरा माहौल राममय बना रहा। गांधी चौक के समीप कई आंकड़ों का मिलना हुआ, जिसमें पुरानी बाजार, मोकबरा रोड, कुर्मी टोला,रविदास नगर, जपला चौबे, मोहम्दाबाद, दीवान बीघा, पचंबा, बैरवा, महुअरी, कनुआ बिगहा, जपला खरहरा, देवरी, मेंहदीनगर, बसारी , लोयन सावपुरानी ठाकुर बाड़ी, समेत कई अखाड़ा समिति के लोग जुलूस में शामिल हुए। इसके बाद जुलूस अपने निर्धारित रूट, मोकबरा रोड, रविदास नगर, लंबी गली, राज टोली चौक, इस्लामगंज चौक, मुख्य बाजार होते हुए जे पी चौक स्थित भगवान भास्कर छठ के पास पहुंचकर समाप्त हुआ। जुलूस का नेतृत्व रामनवमी पूजा समिति के संयोजक लोकनाथ केशरी, जिला संघचालक दिनेश कश्यप, संतोष कश्यप, गौतम पटेल, श्रवण अग्रवाल, शिवपूजन चौधरी,राकेश तिवारी, सचिन आनंद, मनीष अग्रवाल, राजेंद्र पाल, संतोष कश्यप, बिक्कू कश्यप, पंकज गुप्ता, उदय विश्वकर्मा ने किया, शोभा यात्रा में मुख्य रूप से पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह, जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह, निवर्तमान नगर अध्यक्ष शशि कुमार, बिनोद कुमार सिंह, रवींद सिंह उर्फ बब्लू सिंह, युवा राजद नेता रवि यादव, विनय सिंह यादव, सूर्या सोनल सिंह, अजित सिंह, चंदन सिंह, रणविजय सिंह, विनय पासवान, पूर्व डीएसपी राम किंकर सिन्हा, डॉ शिव प्रसाद मेहता, अजय प्रसाद गुप्ता, सतेंद्र चंदेल, रामेश्वर राम, उषा देवी, समेत कई सनातनी शामिल थे।

पुलिस प्रशासन पूरी तरह रहा अलर्ट

जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा, एसडीओ गौरांग महतो, एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब, बीडीओ सुनील वर्मा, हुसैनाबाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, एसआई बीरेंद्र मेहता, धर्मेंद्र सिंह, समेत कई प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय रहे। शहर के चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहे, वही ड्रोन कैमरे से जुलूस पर निगरानी रखी जा रही थी।

रामनवमी पर्व सनातनियों को आपस में जोड़ती है : प्रशांत किशोर

पाटन पलामू। रामनवमी पर्व के अवसर पर पाटन के हिसरा बरवाडीह मैदान में बरवाडीह, ब्रहमोरिया, बरवाखाड़ सहित कई गांवों से रामनवमी जुलूस पहुंचा। जहां युवा नेता प्रशांत किशोर ने सभी को सम्मानित किया। प्रशांत किशोर ने रामनवमी पर्व के अवसर पर सभी लोगों को शुभकामनाएं दिया तथा आपसी भाईचारा के साथ रामनवमी पर्व को मनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व सनातनियों को आपस में जोड़ती है। हिसरा बरवाडीह मैदान में आये हुए सभी रामनवमी कमीटी के लोगों को संयुक्त कमिटी के द्वारा तलवार और माला देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माता नेता अशोक तिवारी ने की। कार्यक्रम में संयुक्त कमिटी के अध्यक्ष आनंद सिंह ने कहा कि रामनवमी हिंदुओं का महान पर्व है। इसे हर्षोल्लास एवं आपसी भाईचारा से मनायें। कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथियों को संयुक्त कमिटी के अध्यक्ष आनंद सिंह ने गमछा और तीर धनुष देकर सम्मानित किया। इस मौके पर लेफ्टिनेंट कैप्टन बृजबिहारी सिंह, मनोज मेहता, पाटन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ललन पासवान, निरंजन पासवान, मुड्डु सिंह, राजु रंजन तिवारी, संतोष तिवारी, सतेन्द्र कुमार, सुरेंद्र शुक्ला, गोपाल पासवान, नंददेव पासवान, प्रधानाध्यापक बहादुर मेहता सहित कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में आये हुए सभी रामनवमी कमिटी के लोगों को बहादुर मेहता के द्वारा आवश्यक व्यवस्था किया गया था। संयुक्त कमिटी के द्वारा प्रशांत किशोर को पगड़ी और तलवार देकर सम्मानित किया।

हिंदूवादी संगठनों ने मनाया शहादत दिवस, छोटू व विनोद का किया नमन

विश्रामपुर (पलामू)। हिंदूवादी संगठनों ने 19 वीं पुण्य तिथि पर छोटू साव व बिनोद यादव को नमन करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसके अलावे दोनों के पुण्य तिथि को शहादत दिवस के रूप में मनाया गया। यहा उल्लेखनीय है कि सात अप्रैल 2006 को रामनवमी जुलुस के दौरान हुई पुलिस फायरिंग में छोटू साव व बिनोद यादव की मौत हो गयी थी। तब से हिंदूवादी संगठन प्रत्येक वर्ष सात अप्रैल को शहादत दिवस के रूप में मनाते है। सोमवार को हिंदूवादी संगठनो ने विश्रामपुर वर्ष मुहल्ला स्थित छोटू चौक के पास श्रधांजलि सभा का आयोजन किया। श्रधांजलि सभा में छोटू व बिनोद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। लोगों ने दो मिनट का मौन भी रखा। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता पंकज कुमार लाल ने किया। मौके पर राजकुमार मेहता, मुन्नू बक्सराय, शशि रंजन ठाकुर, स्व छोटू साह के पिता राजू साह, कुकू पासी, अमृतेश्वर दयाल, राघवेंद्र कुमार, राजू केशरी, सत्यम सोनी,संतोष ठाकुर सहित कई लोग मौजूद थे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर हिंडालको ने किया जागरूकता कार्यक्रम

मेदिनीनगर। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस की सीएसआर ईकाई द्वारा कठौतिया गांव में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में क्वीज कंपिटीशन का भी आयोजन किया गया। जिसमें सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर माइंस के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ टी गफ्फार ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए खान पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है इसके साथ अपने लाइफ स्टाइल में भी बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से योग व्यायाम करने, पूरी निंद सोना चाहिए, बाजार की खुली खाद्य पदार्थ नहीं खाना चाहिए। उन्होंने लोगों को साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि गंदगी कई बीमारियों जड़ है इसलिए शरीर की सफाई एवं अपने आस-पास के क्षेत्र की सफाई जरूरी है। सीएसआर हेड शोभा रानी मोहंती ने कहा कि कंपनी अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के तहत खनन क्षेत्र के परिधि में आने वाले गांवों के ग्रामीणों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति निरंतर सक्रियता के साथ काम करतीं हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है इसलिए सभी लोगों अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कभी कभी अंधविश्वास के चक्कर में बीमार होने पर झाड़ फूंक कराते हैं जो जानलेवा बन जाता है। इसके साथ ही लापरवाही या जानकारी के अभाव में छोटा बीमारी भी बड़ा बीमारी बन जाता है और आदमी की जान चली जाती है। इसलिए हम सभी लोगों को नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य की जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों से कराना चाहिए। इस मौके पर अनीता भगत, सुहानी कुमारी, रेणु देवी, सुकन बैठा, सहिया प्रमिला देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

बाल किशोर समिति की झांकी को प्रथम पुरस्कार मिला, एसडीएम आशिष गंगवार ने कहा

श्री राम का चरित्र सभी के लिए अनुकरणीय

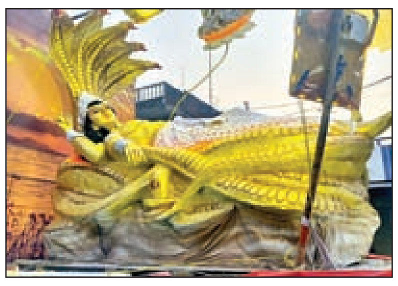

राजेश प्रसाद

हरिहरगंज पलामू। भगवान राम का चरित्र संपूर्ण मानव के लिए अनुकरणीय है। उनका जन्मोत्सव मनाना गर्व की बात है। उक्त बातें छतरपुर एसडीएम प्रशिक्षु आईएएस आशिष गंगवार ने संकटहरण हनुमान मंदिर प्रांगण में रविवार की देर रात कही। वे रामनवमी पूजा समिति के द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह को मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। बाद में जुलूस में शामिल अखाड़ों तथा झांकियों को पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल के अनुसार बाल किशोर समिति झंडा चौक की झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसमें शेष शैय्या पर भगवान विष्णु, बजरंगबली का प्रदर्शन किया गया था। मुख्य अतिथि के साथ बीडीओ, सीओ, समिति अध्यक्ष बल्लू बलराम ने संयुक्त रूप से नवयुवक समिति को ट्रॉफी प्रदान किया। जबकि अररुआ खुर्द की शेर से लड़ते सांभा जी महाराज की झांकी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही जुलूस के दौरान शस्त्र चालन प्रदर्शन करने वाले करतबबाजो, भंडारा के लिए में बाजार सेवा बाल मंडली को भी पुरस्कृत किया गया। इसके अलावे झांकियों के कलाकारों, जुलूस में शामिल अखाड़ों के प्रधान तथा इनके अलावे जुलूस के दौरान लंगर, जलपान, शर्बत व्यवस्था करने वाली संस्थाओं को भी पुरस्कार दिया गया। इससे पहले मुख्य अतिथि तथा पुलिस प्रशासन को पगड़ी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विमलेश पाठक ने किया। इस अवसर पर समिति सचिव सोनू जायसवाल, मुन्ना विश्वकर्मा, राजीव रंजन, सोनु गुप्ता, ओमप्रकाश शौंडिक, संजय गुप्ता, दिनेश प्रसाद, अशोक सिंह, पुरूषोतम जायसवाल, चंदन जायसवाल, निरंजन प्रसाद, करण राजवीर, माखन कुमार, रविकांत व कई लोग उपस्थित थे।

भक्ति से मिले शक्ति कोई सकारात्मक कार्यों में लगाने की जरूरत : वीरेंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

पड़वा पलामू। रामनवमी के अवसर पर पड़वा प्रखण्ड क्षेत्र के कोकरसा में भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। इसका उदघाटन पड़वा प्रखण्ड के पूर्व उप प्रमुख वीरेन्द्र सिंह ने किया। मौके पर वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि भगवान श्री राम सभी का बेड़ा पार करते हैं। उनके नजर में सभी मानव समान है। सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे समाज का धरोहर है। इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम से क्षेत्र में आपसी एकता और भाईचारा बनी रहती है। व्यास गुड्डु दुबे ने भक्ति गीत गाकर लोगों को खुब झुमाया। कार्यक्रम का संचालन राजीव कुमार तिवारी ने किया। इस मौके पर ब्रजेश दुबे, दिलीप सिंह, छोटू सिंह, राजेंद्र पाण्डेय, योगेन्द्र तिवारी, मुरलीधर दुबे, जयवंश पाण्डेय, राम सरेख तिवारी, रविन्द्र पाण्डेय, बलवंत पाण्डेय, शशि पाण्डेय, विजय पाण्डेय, नागेंद्र पाण्डेय, कृष्णा दुबे, मनीष, हेमंत, छोटू, मिथलेश, दिवाकर, सोनू, मोनू, ऋषि कांत, बिटू, राहुल सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

प्रत्येक घर एक पौधा लगायेगा शिव शिष्य परिवार: अनिल साहू

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। हर घर पौधा शिव शिष्य परिवार का मिशन है और इस मिशन के तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्य करने की योजना शिव शिष्य परिवार के द्वारा बनाई जा रही है। उक्त बातें शिव शिष्य परिवार के प्रदेश संरक्षक अनील साहू ने कही। साहू ने बताया कि इस मिशन की शुरूआत मंगलवार को आरडीएस रमाडा होटल में आठ अप्रैल दिन मंगलवार को किया जाएगा। इस मिशन के तहत शिव शिष्य परिवार का प्रयास होगा कि सभी घरों में पहूंच कर पौधारोपण करे। उन्होंने बताया कि पलामू हरियाली विहिन होते जा रहा है। पौधों की कम होती संख्या का प्रभाव लगातार देखा जा रहा है। ऐसे में आम आदमी को जागरुक होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जागरुकता अभियान भी चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वनों के धड़ल्ले से कटाई से पर्यावरण खतरे में पड़ गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में मनोरंजन का मुख्य साधन है मेला, दुगोला का आयोजन : डॉ कौशल व अमित

खबर मन्त्र संवाददाता

छतरपुर पलामू। जिले के छतरपुर चराई पंचायत स्थित कुटिया पर इस वर्ष भी गायन मुकाबला का शुभारंभ पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल और छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ केरकी कुटिया परिसर में हिमाचल का कपूर का पौधा लगाकर किया। इससे पहले पर्यावरण धर्म के तहत कन्या पूजन के पश्चात पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पर्यावरणविद ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ भी दिलाई। दुगोला गायन मुकाबला में लोक गायक मुन्ना सिंह और व्यास राहुल कुमार सिंह के जोड़ी ने एक से बढ़कर एक गीत संगीत प्रस्तुत कर लोगों को मनोरंजन किया। आयोजन में शिवनाथ सुरीला, कपिल सिंह, जगनारायण सिंह, बिरजू सिंह, मनोज गुप्ता, सुभाष गुप्ता, पंकज, कृष्ण यादव, संजय, मोती साव, दीपक, कमलेश, उमेश, कप्पू, अक्षय, कुलदीप, सोहराई, नागेश्वर, लाल बिहारी, उपेंद्र आदि शामिल थे।

छह मुहान पर प्रशासन द्वारा लगाये गये स्टॉल से डीसी एसपी ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सराहा

मेदिनीनगर। पलामू जिला में रामनवमी पूजा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए डीसी शशिरंजन एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेसन ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय समेत प्रखंड, पंचायत व गांव स्तर पर पैनी नजर बनाये हुए थे। साथ ही पल पल की खबरें संबंधित अधिकारियों से प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। उपायुक्त द्वारा जिले में दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी तो एसपी के द्वारा जिला मुख्यालय से लेकर प्रखंड व पंचायत स्तर पर पुलिस बल की तैनाती कर सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था की गई थी। छह मुहान पर जिला प्रशासन द्वारा बड़ा स्टॉल लगाया गया था जिस पर अधिकारी तैनात रहते हुए पूरे शहर के गतिविधि से अवगत हो रहे थे। इस स्टॉल पर उपायुक्त, एसपी, एएसपी, डीडीसी, सदर एसडीपीओ व अन्य अधिकारी मौजूद थे। जो शांति व्यवस्था पर पैनी नजर बनाये हुए थे। प्रशासन के समक्ष रामनवमी पूजा में अपने कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाये जिसकी प्रशंसा अधिकरियों द्वारा किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों द्वारा तलवारबाजी, गतका, अग्नि डंडा समेत एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन किया गया। जिसे देखने के लिए शहरवासी उमड़ पड़े।

श्री राम युवा मंडल ने किया भंडारा का आयोजन

मेदिनीनगर। श्री राम नवमी पूजा महोत्सव श्री राम युवा मंडल शिवाला रोड से भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें श्री राम भक्तों और श्रद्धालुओं को प्रसाद और भोजन का व्यवस्था किया गया था। मौके पर हम पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष कुमार तिवारी, रथ रखने वाले अध्यक्षों और उनके सदस्य को सम्मानित किया गया। आशुतोष ने कहा कि श्री राम युवा मंडल आगे भी धार्मिक कार्य के साथ-साथ सामाजिक कार्य भी करते रहेंगे। मौके पर श्री राम युवा मंडल के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष सुधाकर राज, संयोजक रोशन शाह, सचिव आलेख गुप्ता, विपलेश भगत, भारत द्विवेदी, दीपक भगत, आंसू जायसवाल, राजीव रंजन, सोम गुप्ता, समर केसरी, गोलू गुप्ता, शंभू गुप्ता, निखिल अग्रवाल, अमरकांत गुप्ता, अमरकांत व उनकी पूरी टीम व मुहल्लेवासी उपस्थित थे।

करंट की चपेट में आकर कार सर्विसिंग सेंटर के प्रोपराइटर की मौत,पिता भी जख्मी

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर नप मुख्यालय में स्थित कार सर्विसिंग सेंटर के प्रोपराइटर प्रदीप पाठक (30) की मौत विद्युत करंट की चपेट में आने से हो गयी। घटना सोमवार के दोपहर की है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदीप कुमार पाठक सर्विसिंग सेंटर में कार वासिंग के लिये मोटर का स्विच ऑन करने गये तभी वे विधुत प्रवाहित एक नंगे तार की चपेट में आ गये .प्रदीप को बचाने गये उनके पिता श्याम किशोर पाठक भी जख्मी हो गये। घायलावस्था मे दोनों को बिश्रामपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद प्रदीप के गंभीर स्थिति को देखते हुये बेहतर इलाज हेतु मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया गया।

महावीर मंडल ने नगर के सफाईवीरों, पत्रकारों और दुगार्वाहिनी की बहनों को किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

छतरपुर पलामू। छतरपुर में रामनवमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। जपला मोड पर महावीर मंडल के द्वारा रामनवमी मिलन समारोह का आयोजन किया गया। साथ ही साथ नगर पंचायत के सभी सफाईवीरों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही दुगार्वाहिनी की जिन बहनों ने शोभायात्रा में भाग लिया था, उन्हें भी साफा बांधकर और तलवार देकर सम्मानित किया गया। मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी सूबे के वित्त सह संसदीय कार्य मंत्री के पुत्र प्रशांत किशोर उर्फ बंकू मौजूद थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में छतरपुर थाना के पुलिस निरीक्षक द्वारिका राम, थाना प्रभारी प्रशांत कुमार, सहायक अभियंता गुलवंत कुमार और जय कुमार गुप्ता शामिल हुए जिन्हें सफाया बांध कर सम्मानित किया गया। सभी पत्रकारों को भी रामनवमी मिलन समारोह में सम्मानित किया गया। वहीं महावीर मंडल के अध्यक्ष पंकज कुमार ने मिलन समारोह की सफलता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह को सफल बनाने में संरक्षक अरविन्द गुप्ता चुनमून, गोपाल चंद्रवंशी, कुंदन पाठक, पुरोहित आशीष मिश्रा, रितेश सोनी, आकाश चंद्रा, आयुष, सचिव रॉकी उर्फ लाला आदि मौजूद थे।

जय श्री राम के उद्घोष से गूंजायमान रहा मोहम्मदगंज

मोहम्मदगंज राम नवमी त्यौहार को लेकर रविवार को दोपहर बाद मुख्य बाजार स्टेशन रोड से महावीरी झंडा, मूर्ति और झांकी के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल मूर्ति, महावीरी झंडे के साथ साथ झांकी के शामिल वाराणसी के कलाकार ने कृष्ण, राधा, शंकर और पार्वती के रूप में भक्ति नृत्य से बड़ी तादात में शामिल भीड़ एकत्रित रहा। जय श्री राम के उदघोष से क्षेत्र गुंजायमान रहा। जुलूस के सफल संचालन और शांति पूर्ण व्यवस्था में एसएन सिंह, गौरी शंकर सिंह, द्वारिका प्रसाद, दीपू लाल, राकेश सिंह, बिट्टू सिंह, अनु सिंह, रौशन कुमार, विनय मेहता, सोनू सिंह, सीबी रमण सिंह, राकेश सिंह, मंटू सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, राम बालक गुप्ता का नाम शामिल है। थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, सुबीर किस्कू, एएसआई अमानुल्लाह खान के नेतृत्व में सुरक्षाबल के जवानों की मुस्तैदी शांतिपूर्ण व्यवस्था का मददगार रहा।

रामनवमी पर्व के अवसर पर सुआ कौड़िया में चैता दोगोला कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम से भाईचारा व सौहार्द बढ़ता है : विधायक आलोक

खबर मन्त्र संवाददाता

चैता दोगोला कार्यकम में बोलते विधायक आलोक व अन्य।

मेदिनीनगर। रामनवमी पर्व के अवसर पर सदर प्रखंड क्षेत्र के सुआ कौड़िया में चैता दोगोला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि विधायक आलोक चौरसिया ने किया। मौके पर पूजा कमिटी ने विधायक का भव्य स्वागत किया। मौके पर जेनरल अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता, जिप सदस्य बासो देवी, मुख्य संरक्षक टाईगर कुमार, भीष्म चौरसिया, अजय चौधरी, रणधीर सिंह, हृदया सिंह, प्रेम प्रकाश ठाकुर, सुआ मुखिया दुलारी देवी, कौड़िया मुखिया कुमारी अंजना सिंह, झाबर मुखिया संगीता देवी, पंसस अजीत सिंह, सदर बीडीओ जागो महतो, सर्किल इंस्पेक्टर सह मेजर सुरेश राम, सदर थाना प्रभारी संतोष कुमार, एसआई रंजीत कुमार, अनिल विश्वकर्मा, एसआई अजय गुप्ता, अमलेश चौरसिया, सुबोध विश्वकर्मा, उपाध्या सिंह, रविंद्र सिंह, मुन्ना ठाकुर, अवधेश विश्वकर्मा, सुरेंद्र ठाकुर समेत काफी संख्या में लोग शामिल थे। मौके पर व्यास शिवशंकर यादव व स्वामीनाथ के बीच चैता दोगोला का जमकर मुकाबला हुआ। दोनों व्यास ने एक से बढ़कर एक गीत संगीत प्रस्तुत कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। विधायक चौरसिया ने कहा कि रामनवमी पर्व के दिन ही भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। रामनवमी के अवसर पर चैता दोगोला कार्यक्रम का आयोजन काफी सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से आपसी भाईचारा व सौहार्द बढ़ता है। साथ ही कलाकारों की प्रतिभा निखरती है। उन्होंने कहा कि सदर प्रखंड का सुआ कौड़िया गांव सांप्रदायिक एकता व सौहार्द का मिसाल पलामू ही नहीं पूरे झारखंड में है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित होकर गीत संगीत का लुत्फ उठाये। मौके पर अक्षय सिंह, अध्यक्ष नंदू सिंह, शक्तिमान विश्वकर्मा, उदेश्वर बैठा, लखन ठाकुर, दिनेश सिंह, संतोष प्रसाद गुप्ता, देवेंद्र ठाकुर, सुदर्शन ठाकुर समेत कई लोग शामिल थे।

जय श्री राम जय हनुमान के नारों से गूंजा पाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

पाटन पलामू। पाटन प्रखंड में आपसी भाईचारा और सौहार्द के साथ रामनवमी पर्व सम्पन्न हो गया। पुरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में जय श्री राम जय हनुमान जय भोलेनाथ के नारों से गुंजायमान रहा। पाटन पुलिस, नावाजयपुर पुलिस एवं किशुनपुर ओपी पुलिस जुलुस के दौरान मुस्तैद रही। सेमरी, केलहार, भंडार, चीरैयाटांड़ इत्यादि जगहों से रामनवमी जुलुस पाटन चौक पर पहुंचा। जहां पर जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह, पाटन बीडीओ अमित कुमार झा, सीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव, पाटन थाना प्रभारी लालजी, पाटन इंस्पेक्टर अनील कुमार सिंह ने रामनवमी कमिटी के लोगों को तलवार और पगड़ी देकर सम्मानित किया। वहीं नावा जयपुर क्षेत्र में पांच पंचायतों से रामनवमी जुलुस निकाला गया। जहां पर अखाड़ा टोला रामनवमी समिति को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मौके पर मुखिया मनोज कुमार, जगदीश तिवारी, अखिलेश कुमार, प्रगास तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। किशुनपुर क्षेत्र के कई गांव पकरी, डिहरिया, किशुनपुर, कुम्हवा, जहांसी इत्यादि जगहों से रामनवमी जुलुस निकाला गया। पाटन चौक पर जुलुस के दौरान पाटन बीडीओ अमित झा, सीओ राकेश श्रीवास्तव, थाना प्रभारी लालजी एवं संग्राम सिंह ने लाठी खेलकर लोगों को आपसी भाईचारा का संदेश दिया। जिप सदस्य संग्राम सिंह के द्वारा सभी रामनवमी कमीटी के लोगों को तलवार और 11 सौ रुपए दिये गये। मौके पर अशोक सोनी, रणजीत प्रसाद, कृष्णा सिंह, एसआई शैलभ कुमार, संतोष कुमार, शिव साव, अजय सोनी, ब्रजेश कुमार, श्रवण मिश्रा सहित कई लोग उपस्थित थे।

वक्फ कानून के खिलाफ 13 को महाधरना, पोस्टर जारी

केंद्र ने अपनाया तानाशाही रवैया : एस अली

- मौलिक अधिकार पर हमला
- हिंदुओं को मिलेगी स्वायत्तता

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। केंद्र सरकार के वक्फ एक्ट 1995 के खिलाफ 13 अप्रैल को राजभवन के समक्ष प्रस्तावित महाधरना को लेकर सिमलिया रिंग रोड में ऑल मुस्लिम यूथ एशोसिएशन की ओर से पोस्टर जारी किया गया। अध्यक्ष एस अली ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के माहिर व मुतवल्ली से मशवरा, जेपीएस की सुझाव को शामिल कियर बिना जल्दीबाजी में बहुमत के बल पर तानाशाही रवैया अपनाते हुये वक्फ एक्ट 2025 बनाया गया है। यह देश के मुसलमानों की धार्मिक स्वायत्तता और मौलिक अधिकार को समाप्त करने की साजिश है। बोर्ड में बहुसंख्यक हिंदुओं को स्वायत्तता देने की बू आ रही है। उन्होंने लोगों से एकजुट होकर कानून के खिलाफ आगे आने का आह्वान किया।

पोस्टर जारी करते संगठन के पदधारी।

सरकार को है आशंका

जमीन राजा, महाराजा, नवाब, जमींदार, ओहदार की ओर से भी दिया गया। इनमें मौखिक और सादे कागज में वक्फ किया गया है। इसका उपयोग धार्मिक कार्य में होते हैं। लेकिन, केंद्र को वक्फ की सम्पतियों पर कब्जा, अतिक्रमण और ऊपरी आमदनी की जरिया होने की आशंका है। यह संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है।

जानें क्या है मामला

झारखंड समेत देश की अधिकतर मस्जिद, मदरसा, ईदगाह, कब्रिस्तान, मजार, खानकाह, मकबरा, मुसाफिरखाना वक्फ की संपत्ति है। इसके आलावा दुकान, मकान, संस्थान व खेत खलिहान है, जो हमारे पूर्वज द्वारा अपनी नीजि जमीन और संपत्ति को इस्लामिक परंपरा के मुताबिक, वक्फ (दान) कर स्थापित किया गया है।

अभियान में थे शामिल

अधिवक्ता शकील परवेज, आमया संगठन के पदधारी इमरान अंसारी, नौशाद आलम, जियाउद्दीन अंसारी, अफताब आलम, मोबिन अंसारी, मो सईद, इमरोज अंसारी, इरफान आलम, अयुब अंसारी, मो जावेद, अब्दुल हकीम, मो एजाज, रेहान अरशद, एजाज अंसारी, अब्दुल अंसारी, नौशाद अंसारी व अजीम अंसारी आदि।

टेंगरिया गांव में मातम में बदली रामनवमी की खुशियां

हाथी ने मजदूर को सूड़ से पटकर मार डाला

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के टेंगरिया गांव में रामनवमी की सारी खुशियां मातम में उस समय बदल गई। जब गांव में रामनवमी की रात रविवार को एक मजदूर को हाथी के पटक देने से दर्दनाक मौत हो गई। जैसे ही मजदूर की मौत का पता चला तो परिवार में कोहराम मच गया। गांव में रामनवमी रात में हुई इस हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है। जहां स्वजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। घटना थाना क्षेत्र के जरिया पंचायत के टेंगरिया गांव के रहने वाले दिहाड़ी मजदूर के घर के समीप रविवार की रात लगभग दस बजे रामनवमी का झंडा लेकर बेड़ो से अपने घर के आंगन में झंडा गाड़ने के बाद खड़े हुए 50 वर्षीय एक दिहाड़ी मजदूर सुरेंद्र सिंह उर्फ

कारू सिंह पिता स्व महेंद्र सिंह पर अचानक एक जंगली हाथी ने हमला कर दिया और उन्हें सुड़ से पटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिन्हें ग्रामीणों ने आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया। वहीं रिम्स ले जाने के दौरान मजदूर की मौत हो गई। इधर घटना की जानकारी मिलते ही सोमवार की सुबह वन विभाग के वनरक्षी रिम्स पहुंचे और वन विभग के अधिकारियों ने मृतक के स्वजनों को तत्काल 20 हजार रुपये सहायता राशि दिया। घर में मृतक की पत्नी रेखा देवी और बुंडू में रहने वाले तीनों पुत्र एवं एक बेटी की रो-रो कर बुरा हाल है।

प्रति वर्ष लाखों का घर व फसल बर्बादः हाथियों द्वारा ग्रामीणों के प्रत्येक वर्ष लाखो रुपये के घर व फसल बर्बाद कर दिया जाता है। सबसे दुखद बात यह है कि हाथियों के आतंक से ग्रामीणों को निजात दिलाने के लिए प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा कोई सार्थक पहल अब तक नही किया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में प्रशासन एवं विभाग के प्रति रोष व्याप्त है।

क्या कहते हैं ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि वे लोग प्रत्येक वर्ष अपने खेत में हाड़ तोड़ मेहनत करके खून पसीने की कमाई से फसल लगाते हैं मगर हाथियों द्वारा हर साल फसलों को रौंद दिया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग सिर्फ हाथी भगाने के नाम पर खानापूर्ति करती है। और जिस समय हाथी नुकसान पहुंचाता है, उसी समय वन कर्मियों द्वारा ग्रामीणों से सहानुभूति दिखाया जाता है। बाद में आश्वासन के अलावा कुछ भी नहीं मिलता।

हाथी ने मचाया उत्पात

प्रखंड के टेंगरिया गांव में रविवार की रात एक विशालकाय जंगली हाथी ने जमकर उत्पात मचाया। जहां हाथी ने एक मजदूर को मार दिया।वहीं गांव के किसान भीम महतो के खेतों में लगी ड्रिप सिंचाई की 200 फिट पाइप और खेत में लगी शिमला मिर्च को रौंद कर बर्बाद कर दिया है।

बुंडूः चार खिलाड़ियों का अंडर 16 जिला टीम में हुआ चयन

खबर मन्त्र संवाददाता

बुंडू। झारखण्ड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आगामी 8 अप्रैल से राज्य के आठ जिलों में एक साथ शुरू हो रहे अंतर जिला अंडर - 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में सोनेट क्रिकेट क्लब के चार खिलाड़ियों का अंडर-16 जिला टीम चयन हुआ। जिसमें अनुराग कुमार और दीपेश मुंडा का खूंटी जिला टीम से चयन हुआ है एवं स्पर्श नायक लोहरदगा टीम से चयन हुआ है और प्रिंस पासवान का गुमला जिला टीम से चयन हुआ है। चयन होने पर पूरे पंचपरगना क्षेत्रों में खुशी का माहौल है और बुंडू जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के बहुत बड़ी उपलब्धि है। चयन होने पर सोनेट क्रिकेट क्लब बुंडू के डायरेक्टर जितू कुमार और क्लब के कोच एहशान अंसारी, विनय राणा,एसपी गौतम, चंचल भटचार्य,अजात शत्रु, सुब्रोतो गोष,रोशन महतो,विवेक जायसवाल,आशिफ अंसारी, राजेश गुप्ता,जितेश सिंह,विष्णु स्वांसी, चंद्रकांत महतो, शिव महतो,सुनीता लोदा, सिमा सिंह ने शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की है।

अवैध बालू परिवहन रोकने को लेकर बुंडू टोल गेट में स्थायी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति जल्द हो : दमयंती मुंडा

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की केंद्रीय महिला अध्यक्षा दमयंती मुंडा ने उपायुक्त रांची को एक पत्र लिखकर बुंडू, तमाड़ और सोनाहातु प्रखंड क्षेत्र में हो रहे अवैध बालू खनन पर कड़ी नाराजगी व्यक्त किया है। दमयंती मुंडा ने कांची नदी पर इस प्रकार के लगातार अवैध खनन पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इसकी रोकथाम के लिए बुंडू स्थित टोल गेट पर स्थायी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की मांग की है ताकि

बालू लदे वाहनों की जांच सुनिश्चित की जा सके और अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। पत्र में यह भी कहा गया है कि अवैध खनन से न सिर्फ पर्यावरण को भारी क्षति हो रही है, बल्कि सरकार को राजस्व की भी बड़ी हानि उठानी पड़ रही है।साथ ही पंच परगना का एकमात्र धरोहर कांची नदी के अस्तित्व पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है। धडल्ले से जारी इस अवैध कारोबार से स्थानीय निवासियों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। दमयंती मुंडा ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि एक सप्ताह में प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है, तो झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

लाला महली विधायक प्रतिनिधि मनोनीत

ठाकुरगांव। कांके विधायक सुरेश बैठा ने ऊपरकोनकी पंचायत के मुखिया लाला महली को ग्रामीण विकास एवं पारिवारिक कल्याण विभाग का विधायक प्रतिनिधि मनोनीत किया है। विधायक ने इससे संबंधित पत्र उपायुक्त, उपविकास आयुक्त, कांके, बुढ़मू, खलारी के बीडीओ को भी भेजा है। लाला महली के विधायक प्रतिनिधि बनने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी, फलिन्द्र मुंडा, रामसेवक महतो, दीपक साहु, जैनुल अंसारी, शमीम बड़ेहार, मुस्ताक आलम आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

आगलगी में बिचाली जल कर राख

राहे। थाना क्षेत्र के कोटागंदाग गांव में किसान रामपदो महतो के खलिहान में आग लगने से 20 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। घटना दिन के 11 बजे के आसपास बताई जा रही है। आसपास के लोगों के काफी प्रयास के बाद आग को बुझाया गया। आग लगी में 20 हजार का बिचाली जल कर राख हुआ है। आग कैसे लगा इसकी जानकारी नहीं हो पाई है।

मैक्लुस्कीगंज व खलारी में गाजे बाजे के साथ मां दुर्गा की विदाई

खलारी। चैती नवरात्र उत्सव का अंत्तिम दिन दशमी को मैक्लुस्कीगंज के लपरा शिव मंदिर व चंडी स्थान स्थित स्थापित दुर्गा मां की प्रतिमा को गाजे-बाजे के साथ भक्तों ने विसर्जन की। इससे पहले श्रद्धा एवं भक्तिभाव से सुबह में मां को पूजन किया गया। विसर्जन से पूर्व मां दुर्गा की प्रतिमा को दर्शन पूजा के लिए काफी संख्याओं में श्रद्धालु पहुंचे। सुहागिनों ने मां दुर्गा की प्रतिमा को खोइछा भर, एक दूसरे को सिन्दूर लगायी। भक्तों ने पूजा पंडाल से वाहनों द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा को

गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण कर नजदीक के नदी तालाब व जलाशयों में विसर्जित कर दिया। वहीं करकट्टा देवी मंडप प्रांगण में श्री चंडी बासंतिक नवरात्र महोत्सव सह चंडी महायज्ञ का समापन के बाद आचार्य, ब्राह्मणों और कथाकार को आदर पूर्वक विदाई दी गयी।

ओरमांझी में नागवंशी डोल सह रामनवमी मेला

मेला में दिखती है झारखंड की धर्म संस्कृतिः राजश कच्छप

- उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अखाडा धारी जीते पुरस्कार

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्मी गांव कुकुई चापाबार में सोमवार को नागवंशी डोल सह रामनवमी मेला में ग्रामीण क्षेत्र के झांकी व जुलूस लेकर पहुंचे लोगों ने अस्त्र-शस्त्र चालन का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मुख्य अतिथि विधायक राजश कच्छप में पुरस्कार व विजेता राशि देकर सम्मानि किया। कहा सुदूरवर्ती क्षेत्र में मेला लगाकर अपने धर्म संस्कृति को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने खूद से निर्मित कई झांकिया मेला में लेकर पहुंचे। उन झाकियां के माध्यम से अपने धर्म संसकृति का संदेश देने का कार्य किया है। वहीं पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू ने कहा रामनवमी पर्व व मेला हमें श्रीराम के चरित्र व आदर्श को जानने का अवसर देती है। हमें श्रीराम के आदर्श व पदचिन्हों के साथ चलने की जरूरत है। कांके विधायक सुरेश बैठा, जिप सदस्य कमिश्नर मुंडा सहित कई लोगों ने संबोधित किया, और आयोजन की सराहना किया। पंसस रिना मुंडा, अध्यक्ष तुलसी खरवार, सचिव सह विधायक प्रतिनिधि हरिमोहन महतो, सुरेष साहू, प्रेमनाथ मुंडा, सोनाराम महतो, लखनलाल मुंडा, रामबृक्ष महतो, अर्जुन महतो, सुनील नायक, राजकिशोर महतो, जलेश्वर ठाकुर, मनीराम महतो, लालमोहन महतो, रमेश बेदिया सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थें।

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक राजेश कच्छप।

नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित गुमटी टोला काराकोंडा में उत्पाद विभाग की टीम ने सोमवार को नकली विदेशी शराब बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में केरीमल, ढक्कन, स्प्रिट, रैपर, रंग, कॉर्क, पंचिंग मशीन समेत बड़ी मात्रा में नकली शराब बनाने का सामान बरामद किया गया। छापेमारी के दौरान मुचीडीह निवासी ईश्वर दयाल महतो को गिरफ्तार किया गया, जिसे पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, फैक्ट्री में रॉयल चैलेंज, आइकोनिक, रॉयल स्टैग, ब्लेंडर्स

प्राइड आदि ब्रांड की नकली शराब बनाई जा रही थी, जिसे आसपास के इलाकों में सप्लाई किया जा रहा था। गिरफ्तार युवक ने इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी बताए हैं। विभाग ने बताया कि इस अवैध धंधे के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। छापेमारी टीम में निरीक्षक रजनीश कुमार, संजय कुमार, अवर निरीक्षक पंकज कुमार, सेन्हा शीश सेन समेत अन्य जवान शामिल थे।

सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)
गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची-834008, झारखंड, भारत

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओ की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियो द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/ सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (सीएमपीडीआई, www.cmpdi.co.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, कोडरमा, समग्र शिक्षा अभियान
समाहरणालय भवन, कोडरमा, पिन कोड–825410
jepckoderma@yahoo.co.in& jepkoderma@gmail.com

पत्रांक..........464............/SSA-Koderma दिनांक......04........./......04......2025

आम–सूचना

कोडरमा जिला अन्तर्गत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय (अल्पसंख्यक विद्यालय को छोड़कर) के प्रवेश कक्षा में अभिवंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों का शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 की धारा 12(1)c के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2025–26 में नामांकन प्रवेश कक्षा में 25 प्रतिशत सीट पर बच्चों के नामांकन लिया जाना है। इस हेतु ऑनलाईन के माध्यम से जिला के पोर्टल rtekoderma.com पर जिले के बच्चों के माता/पिता/अभिभावकों द्वारा नामांकन हेतु छात्र–छात्राओं से संबंधित आवश्यक प्रमाण पत्र के साथ उक्त पोर्टल पर अन्तिम रूप से दिनांक 12.04.2025 तक अप्लाई किया जा सकता है। जिला स्तर से अंतिम रूप से चयनित एवं अनुमोदित सूची के आधार पर ही शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 की धारा 12(1)c के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2025–26 में बच्चों का नामांकन प्रवेश कक्षा में 25 प्रतिशत सीट पर लिया जा सकेगा।

ह0/–
जिला शिक्षा अधीक्षक सह
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान, कोडरमा

PR 349832 Jharkhand Education Project Council(25-26)#D

खलारीः मयार्दा पुरुषोत्तम के जन्मोत्सव पर करकट्टा के राम भक्तों ने झांकी निकाली

खलारी। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम के जन्मोत्सव पर करकट्टा के राम भक्तों के द्वारा भव्य झांकी निकाली गयी। इससे पूर्व करकट्टा महावीर चौक में सभी राम भक्त गाजे-बाजे से लैस इकट्ठा हुए। जहां जय श्री राम का जयघोष करते हुए महावीरी झंडा के साथ भक्ती गीतों पर थिरकते व भगवान श्रीराम जयकारा लगाते हुए झांकी श्री जानकी रमन मंदिर खलारी पहुंची। वहां खलारी जानकी मंदिर कमेटी द्वारा करकट्टा के अखाड़ा को सराहाना करते हुए तलबार भेंट किया। वहीं पहाड़ी मंदिर में झंडा को मिलान कार्यक्रम के बाद एक और तलवार भेंट किया गया। कार्यक्रम सम्पन्न के बाद वापस करकट्टा के राम भक्त करकट्टा बस्ती देवी मंडप पहुंची। जहां भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर थिरकते हुए खूब आतिशबाजी की। मौके पर गौरव सिंह, सन्नी सिंह, अनमोल सिंह, किशन कुमार, अमित कुमार, रितेश साहू, दीप्तम कर, हर्ष प्रजापति, कृष कुमार, मितेश सिंह, सुधीर सिंह, अशोक सिंह, महेंद्र सिन्हा, प्रणव सिंह, संजीव सिंह, अरुण सिंह, उपेन्द्र सिंह, निशांत सिंह, ऋषभ कुमार, बिकेश सिंह, सुरज गंझू, प्रदीप पांडेय, हर्ष पांडेय उपस्थित थे।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने नये मील का किया उद्घाटन

कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने से दूर होगी बेरोजगारी : संजय सेठ

- सत्तू और तेल उत्पादन शुरू
- प्रो संजय मिश्र को दी बधाई

रातू। प्रखंड के संडे मार्केट रोड नंबर-4 में सोमवार को 'मिश्रा मील' का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने फीता काट और दीप प्रज्जवलित कर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां शुद्ध खाद्य सामग्री का उत्पादन होगा, जो सेहत के लिये जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने से बेरोजगारी दूर होगी। विधायक नवीन जयसवाल,

मील का उद्घाटन करते अतिथि।

पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, भाजपा नेता शशिभूषण भगत व प्रमुख संगीता तिर्की ने प्रोपराइटर संजय मिश्र को नये प्रतिष्ठान की बधाई दी। श्री मिश्र ने बताया कि यहां रिद्धि ब्रांड के नाम से आटा, सत्तू, बेसन, कच्ची धानी से सरसों का तेल और मसाले का उत्पादन शुरू हो गया है। संचालन शशिकांत सिंह ने किया।

समारोह में लिया हिस्सा

डॉ पुष्प लता, मुखराम सिंह, महेश्वरी देवी, नेहा सिंह, शिवपूजन साहू, महेश महतो, नंदकिशोर झा, राजेश भगत, रामनरेश साहू, नवल सिंह, संजय मुंडा, संजय सिंह, भोला सिंह, सुनिल यादव, गारमेंट भगत, राजेश सिंह, परमेश्वर सिंह, मुरारी गुप्ता, कृष्णा भगत, रूपेश महतो, जेम्स खलखो, परमेश्वर गोप, भीम प्रसाद, प्रिया देवी, इंद्रनाथ साहू, पंचम सिंह, रवि शंकर, नरेंद्र मिश्र, अमित तिवारी व राजू पाठक आदि मौजूद थे।

Jharkhand BijliVitran Nigam Limited
(CIN : U40108JH2013SGC001702)
Regd. Office : Engineering Building, H.E.C., Dhurwa, Ranchi-834004,
Telephone :-0651-2400799 & Fax : 0651-2400799
https://www.jbvnl.co.in

Corrigendum E-Tender Notice No. 361_/PR/JBVNL/24-25

Jharkhand BijliVitran Nigam Limited, Engineering Building, HEC Admin, Dhurwa, Ranchi – 834004, Jharkhand invites E-tender for bid from eligible Bidders for Selection of agency for "Selection of Internet Service Provider for different MPLS and Internet Bandwidth on end to end optical fiber in ring architecture for DC, Ranchi, DRC, Jamshedpur and IT Cell, HQ JBVNL".

The tender documents with detailed conditions can be obtained through web site http://jharkhandtenders.gov.in and should be submitted in the envelope containing all relevant documents as mentioned in the tender document.

Sl. No.	Name of Work	Details
1	Name of Work	Selection of Internet Service Provider for different MPLS and Internet Bandwidth on end to end optical fiber inring architecture for DC, Ranchi, DRC, Jamshedpur and IT Cell, HQ JBVNL.
2	Date of Publication of NIT on website	24.03.2025
3	Date of Pre-Bid Meeting / Time	28.03.2025 / 03.00 PM
4	Last Date / Time for receipt of bids	21.04.2025 / 04:00 PM
5	Date and Time for Opening of Technical bid	22.04.2025 / 01:00 PM
6	Tender fee (Non – Refundable)	Rs. 5000/- + GST
7	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs. 1,30,000/-
8	Contact email	itcelljbvnl@gmail.com

स्वहित एवं राष्ट्रहित मे ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

PR No. 348985

Sd/-
General Manager (IT)
JBVNL

PR 349838 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd (25-26)_D

कुच्चू रामनवमी मेला बेटियों ने की खेल प्रदर्शन

अस्त्र-चालन किया मिला तलवार व गदा पुरस्कार

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। रामनवमी को लेकर कुच्चू बाजार मैदान में सोमवार को अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। चैती दुर्गा पूजा सह रामनवमी मेला समिति द्वारा आयोजित मेला में आसपास क्षेत्र से श्रीराम भक्त जूलूस लेकर पहुंचे, और मेला मैदान में अस्त्र-षस्त्र चालन का प्रदर्शन किया। जूलूस व अस्त्र-शस्त्र चालन में गांव की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बाद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले को मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू व उद्घाटन कर्ता पूर्व सांसद रामटहल चौधरी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आदित्य साहू ने कहा रामनवमी पर्व हमें श्रीराम के आदर्शो से चलने का संदेश देती है। उन्होने लोगों से अपनी संस्कृति को अक्षुण्य रखने का अपील किया और कहा रामनवमी मेला को लेकर जिस प्रकार लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। इससे लोगों में अपने धर्म व संस्कृति के प्रति विशेष जागरूकता आई है। वहीं रामटहल चौधरी ने कहा रामनवमी जैसे त्योहार में मां बेटियां एक साथ जुलूस में शामिल होकर मेला व झंकी महत्व बढ़ा दिया है। उन्होने खासकर बेटियों की बेटियों का अस्त्र-शस्त्र चालन का प्रदर्शन की प्रसंसा किया। जिप सदस्य सरिता देवी, पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, संमुदर पाहन, मुखिया पुनम देवी, पंसस प्रणील उरांव, राजधाम साहू, आनंद महतो, रामबृक्ष महतो, सुनिल नायक, समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार, महामंत्री नरेंद्र प्रसाद, कोषाध्यक्ष संजय कुमार, अमित राज, प्रेम कुमार, नीतीश कुमार, संदीप कुमार, दिलेश्वर साहू, विवेक राज सहित कई लोग उपस्थित थे।

मेला में अस्त्र-शस्त्र चालन का प्रदर्शन करती बेटियां।

डालसा व खलारी पुलिस के सहयोग से भटकती महिला को मिला आश्रय

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के धमधमियाँ कॉलोनी में पिछले दो दिनों से लावारिस स्थिति में भटक रही एक अज्ञात महिला को खलारी पुलिस एवं स्थानीय लोगों की मदद से डालसा के मुन्नु शर्मा ने बेहतर संरक्षण के लिए बिजुपड़ा के माहेर आश्रम में शेल्टर दिलाया है। डालसा राँची चाइल्ड प्रोटेक्शन के मुन्नु शर्मा ने बताया कि दो दोनों तक धमधमियाँ के सामाजिक कार्यकर्ता शशि उराँव के द्वारा अपने घर में उक्त महिला को शरण दिया गया था। इसके बाद खलारी थाना प्रभारी इंस्पैक्टर जयदीप टोप्पो की पहल पर तत्काल वाहन उपलब्ध करा कर डालसा राँची के सहयोग से महिला को बेहतर संरक्षण के लिए बिजुपड़ा के माहेर आश्रम में शेल्टर दिलाया गया। मुन्नु शर्मा ने बताया कि अज्ञात महिला की मदद के लिए खलारी पुलिस एवं खलारी के.डी के रंजन सिंह बिटटू, अजय सिंह बबलू, मोनू सिंह, धीरज बहादुर, वरुण यादव धमधमियाँ के शशि उराँव की सरहानीय भूमिका रही।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

PMAY-G (PMU) अन्तर्गत संविदा आधारित रिक्त पदों पर नियुक्ति संबंधी आवश्यक सूचना
–:दावा–आपत्ति हेतु आम सूचना:–

निदेशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण (PMAY-G) के अन्तर्गत प्रखण्ड स्तर पर लेखापाल –सह–कम्प्युटर ऑपरेटर, कुल–03 रिक्त पद के विरूद्ध इस कार्यालय के ज्ञापांक 521/जि0ग्रा0वि0शा0 दिनांक 05.03.2025 के द्वारा संविदा आधारित नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में अभ्यिर्थियों द्वारा विभागीय पोर्टल http//applyrdd.jharkhand.gov.in पर ऑनलाईन आवेदित आवेदनों के साथ अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता एवं वांछित कार्यानुभव सलंग्न प्रमाण पत्र के आधार पर औपबंधिक प्रारंभिक सूची तैयार की गई है। आवेदनों की सूची को कोडरमा के NIC वेबसाईट www.koderma.nic.in पर अपलोड कर किया गया है।

अभ्यथर्थियों को सूचित किया जाता है कि औपबंधिक प्रारंभिक सूची में जाति, जन्म तिथि, अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता एवं वांछित कार्यानुभव के आधार पर दिय गये अंक में कोई अंतर अथवा त्रुटि हैं, तो दावा–आपत्ति के तहत सुधार एवं निराकरण हेतु कार्यालय दिवस में दिनांक 12/04/2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक साक्ष्य सहित (स्व अभिप्रमाणित कॉपी) निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट या स्वयं उपस्थित होकर जिला ग्रामीण विकास शाखा, कोडरमा के कार्यालय में अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से आवेदन समर्पित कर सकते हैं।

उक्त निर्धारित तिथि के समय–सीमा के पश्चात किसी प्रकार के दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। साथ ही सभी अभ्यर्थी को सूचित किया जाता है कि अभ्युक्ति कॉलम (Remarks column) में अंकित किये गये टिप्पणी पर अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे एवं आपके द्वारा संलग्न किये गये अनिवार्य शैक्षणिक प्रमाण पत्र सरकारी मान्यता प्राप्त संस्थान एवं साथ ही संबंधित क्षेत्र में कार्यानुभव (बैंक स्टेटमेंट/संबंधित कार्यालय का अद्यतन वेतन या मानदेय Slip/नियुक्ति पत्र की छायाप्रति) का प्रमाण पत्र निर्गत हैं, का साक्ष्य समर्पित करेंगे।

नोट :– उक्त से संबंधित विस्तृत जानकारी को जिले के वेबसाईट www.koderma.nic.in पर अपलोड किया गया है।

ह0/–
उप विकास आयुक्त, कोडरमा।

PR.NO.349877 Rural Development(25-26):D

ट्रंप टैरिफ का कहर

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने चीन के निर्यात पर 54 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसके जवाब में बीजिंग ने सभी अमेरिकी आयातों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। इस ट्रंप टैरिफ के वॉर में शेयर बाजार धराशायी हो गया। विश्लेषकों का मानना है कि टैरिफ नीति से अमेरिका में महंगाई में वृद्धि हो सकती है। इससे मांग कमजोर होगी और मंदी का खतरा बढ़ेगा। बर्नस्टीन ने कहा कि टैरिफ्स महत्वपूर्ण हैं और अब लगभग 60 प्रतिशत प्रभावित आयातों पर 20 प्रतिशत से अधिक ड्यूटी लग रही है। विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन से नेट सेलर रहे हैं। इससे इस साल 1.5 ट्रिलियन का ऑउटफ्लो हो चुका है। इसी दौरान, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1.93 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदें है। बेंचमार्क इंडेक्स इस दिन 5 प्रतिशत से ज्यादा गिरा था। सेंसेक्स 4,389.73 अंक या 5.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक या 5.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,884.50 पर बंद हुआ था। सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स पिछले बंद से करीब 4000 अंक नीचे रहा। हालांकि, बाजार बंद होने से पहले यह संभला और 2226 अंक नीचे गिरकर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी करीब 1100 अंकों का गोता लगाने के बाद 742 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार विशेषज्ञों ने इस गिरावट के बारे में गुरुवार को ही चेतावनी जारी कर दी थी, जब ट्रंप ने दुनियाभर की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से आयात होने वाले अहम उत्पादों पर आयात शुल्क लगा दिया था। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि जापान से लेकर चीन तक, एशिया में सभी शेयर बाजारों में भारी बिकवाली का दौर देखा गया है। आने वाले समय में बाजार की अनिश्चितता बनी रहेगी और वैश्विक मंदी से जॉब कट की स्थिति बन सकती है।

आज का राशिफल

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन : शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यो को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

क्या रांची बंगलूरू बन सकता है?

रांची का विस्तार घीरे-घीरे हो रहा है। लेकिन अहम सवाल है कि क्या रांची बंगलूरू बन सकता है?

बेहतरीन शहरों का इतिहास भारत का रहा है जिससे पूरी दुनिया को सीख मिली। सिंधु घाटी सभ्यता हो या हड़प्पा खुदाई में दुनिया को व्यवस्थित शहर भारत से ही मिले।

विगत वर्षो में कुछ शहरों ने तेज विकास किया जिनमें बंगलूरू, पूणे, हैदराबाद, कोच्चि, भुवनेश्वर ऐसे शहर है जिन्होंने आधारभूत संरचना, मानवीय सुविधाओं में तेज विकास कर परम्परागत बड़ें शहरों को पीछे छोड़ते हुए उनसे उपर अपना स्थान बना लिया। इन शहरों के विकास के पीछे एक आर्थिक कहानी भी है, सामाजिक विकास और समरसता के साथ आइटी सेक्टर को अपना अवसर बना लिया। अगर भौगोलिक रुप से देखा जाए तो बंगलूरू और रांची का मौसम बेहतरीन है। राजधानी बने 25 साल हो गये हैं। इतने ही समय में बंगलूरू सामान्य शहर से महानगर और आइटी हब बन गया।

आखिर रांची क्यों पिछड़ता शहर बन गया। आज बिहार की राजधानी पटना में भी मेट्रों रेल आंरभ होने जा रहा है,तीन से अधिक रिंग रोड से शहर का विस्तार के साथ ही दो मंजिला फ्लाईओवर बन रहा है तब रांची के नागरिक को हर दिन जाम का सामना करना पड़ता है। उस राज्य का भविष्य और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी जहां उन्नत शहर होंगे। हैदराबाद शहर से तेलंगाना राज्य को दस हजार करोड़ का टैक्स मिलता है। झारखंड इन बेहतरीन राज्यों में है जिसे धनबाद, जमशेदपुर, बोकारा, हजारीबाग सहित कई शहर मिले। लेकिन राज्य के शहरों के विकास के लिए कोई सार्थक योजना पर काम नहीं हो सका। आज भी रांची में समय से नागरिकों को पानी की आपूर्ति नहीं होती है। बिजली का जीरो कट से सपना है।

देश के सभी महानगर अपनी किसी न किसी खूबी के लिए विश्व विख्यात हैं। इनकी ये खूबियां, इनकी बुनियादी पहचान या लैंडमार्क हैं। इस क्रम में सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया कहे जाने वाले बंगलुरू शहर भी आता है। कर्नाटक की राजधानी बंगलुरू भारत का तीसरा सबसे बड़ा महानगर है व आबादी करीब 1 करोड़ 20 लाख है। भारत का यह नगर भले एक जमाने में अपने सुहाने मौसम के लिए देश-विदेश में जाना जाता रहा हो, लेकिन आज इसकी पहचान सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया के रूप में है। इसे सिटी ऑफ गार्डन के नाम से भी जाना जाता है। लेकिन आज इसकी इन सब पहचानों पर भारी इसकी सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया की पहचान है। इसके अलावा आज बंगलुरू को किसी और दूसरी पहचान के नाम से तेजी से जाना जाना शुरू हुआ है, वह है ह्यस्टार्टअप कैपिटल ऑफ इंडियाह्न।

- मुरलीधर

> बंगलुरू में आज से नहीं पिछली सदी के 90 के दशक से ही दुनिया की सारी बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों ने अपने ऑफिस खोलने शुरू कर दिए थे। आज यहां आईटी क्षेत्र के कुशल तकनीकी श्रमिकों की बहुलता है। इस कारण यहां का समूचा वातावरण स्टार्टअप्स और आईटी पार्कों के अनुकूल है। अपनी इसी विशिष्टता के कारण बंगलुरू आईटी तकनीकी और अनुसंधान का वैश्विक केंद्र बन गया है।

सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री का बड़ा आधार

बंगलुरू को सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया, इसके सॉफ्टवेयर उद्योग की वजह से कहा जाता है। कैलिफोर्निया की सिलिकॉन वैली की तरह बंगलुरू भी तकनीकी नवाचार का गढ़ है। कैलिफोर्निया के बाद सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तकनीकी केंद्र है, विशेषकर आउटसोर्सिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के मामले में। बंगलुरू आईटी उद्योग का कितना बड़ा गढ़ है, इसको इसी बात से जाना जा सकता है कि मार्च 2024 तक बंगलुरू के आईटी सॉफ्टवेयर उद्योग का कुल टर्नओवर लगभग 120 बिलियन अमेरिकी डॉलर था यानी 10 लाख करोड़ रुपये। भारत का वार्षिक बजट जहां 30 से 32 लाख करोड़ रुपये का होता है, उस नजर से देखें तो बंगलुरू का सॉफ्टवेयर उद्योग भारत के सालाना बजट के करीब एक तिहाई है। भारत जितना आईटी प्रोडक्ट निर्यात करता है, उसमें 40 प्रतिशत निर्यात अकेले बंगलुरू से होता है। यहां के स्टार्टअप्स और यूनिकॉर्न कंपनियां सिर्फ भारतीय अर्थव्यवस्था में ही अपना प्रभाव नहीं डाल रहीं बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं।

संभावनाशील रोबोटिक इंडस्ट्री

भारत के सभी महानगरों में सबसे ऊंचाई पर यही उद्यान नगर बसा है। जिस तरह से बंगलुरू आधुनिक आईटी इंडस्ट्री का वैश्विक केंद्र बनकर उभरा है, उसके चलते अगर बहुत ही जल्द बंगलुरू कमाई के लिहाज से भी देश का सबसे ऊंचे पायदान वाला महानगर बन जाए तो इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होगा। क्योंकि सॉफ्टवेयर उद्योग के बाद दुनिया की चौथी औद्योगिक क्रांति के रूप में जिस रोबोटिक इंडस्ट्री का उभार हो रहा है, आने वाले सालों में बंगलुरू उस इंडस्ट्री का भी चैंपियन बनेगा। इस शहर का आईटी हब के रूप में उभरना, इसके कद को भारत की सीमाओं से परे जाकर विश्व परिदृश्य के लिए महत्वपूर्ण बन जाना है।

इसरो से भी पहचान

कैलिफोर्निया की सिलिकॉन वैली के बाद दुनिया के कई सबसे बड़े आईटी हब में बंगलुरू भी शामिल है। यहां भारत की प्रमुख आईटी कंपनियां जैसे इंफोसिस, विप्रो और टीसीएस के मुख्यालय और बड़े संचालन केंद्र स्थित हैं। बंगलुरू ही भारत का वह शहर है जहां बड़े पैमाने पर स्टार्टअप्स जन्मे हैं। सिर्फ स्टार्टअप और आईटी हब के लिए ही नहीं, यह शहर अपनी मजबूत शैक्षणिक परंपरा और अनुसंधान केंद्र के रूप में भी मशहूर है। भारतीय विज्ञान संस्थान, इसरो और इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट यहीं स्थित हैं। साथ ही यह नगर एयरो स्पेस और रक्षा अनुसंधान केंद्र के रूप में भी मशहूर है।

इनोवेशन- नये आइडियाज का नगर

वैसे इसकी एक पारंपरिक छवि गार्डन सिटी के रूप में भी है। लालबाग, बॉटनिकल गार्डन और कुब्बन पार्क पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण रहते हैं। बंगलुरू की नाइट लाइफ और सांस्कृतिक वातावरण युवाओं के बेहद अनुकूल है। शायद इसीलिए यह आविष्कारों और नये आइडियाज का शहर है। वास्तुकला की नजर से बंगलुरू का सबसे चर्चित लैंडमार्क यहां की विधानसभा सौंध है। लेकिन बार बार घूमकर बंगलुरू की खासियत इसके आईटी हब की ओर ही लौट आती है। सिलिकॉन वैली की उपाधि भी इसे इसी वजह से मिली है।

स्टार्टअप्स के अनुकूल माहौल

बंगलुरू में आज से नहीं पिछली सदी के 90 के दशक से ही दुनिया की सारी बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों ने अपने ऑफिस खोलने शुरू कर दिए थे। आज यहां आईटी क्षेत्र के कुशल तकनीकी श्रमिकों की बहुलता है। इस कारण यहां का समूचा वातावरण स्टार्टअप्स और आईटी पार्कों के अनुकूल है। अपनी इसी विशिष्टता के कारण बंगलुरू आईटी तकनीकी और अनुसंधान का वैश्विक केंद्र बन गया है। तकनीकी विशेषज्ञता, सांस्कृतिक विविधता और कुदरत से मिले मोहक वातावरण के कारण बंगलुरू भारत ही नहीं विश्व के महानगरों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

राज्य की राजधानी में अडंर ग्राउंड बिजली, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षा की वैश्विक स्तर की योजना की जरूरत है। युवा सीएम इस दिशा में अवश्य कार्य करेंगे। निश्चित ही एक बड़ी लकीर खिंचने की जरूरत है।

लेटर टू एडिटर

सौर ईंधन

देश में पेट्रोल-डीजल की खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। जब खपत में वृद्धि होगी तो इसकी कीमतों में भी उछाल आएगा। ऐसी स्थिति में सरकार को सौर ऊर्जा संयंत्रों और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर ध्यान देने की जरूरत है। हाल ही में चीन ने सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहन बनाए हैं जो सूर्य ऊर्जा न रहने पर भी काम करेगा। इस पर तकनीकी रूप से बहुत ज्यादा काम हुआ है। भारत को भी ऐसा करने की जरूरत है। तभी पेट्रोल-डीजल की खपत और और इसकी बढ़ती कीमतों से निजात मिल सकती है।

–राहुल उपाध्याय, रांची

नशे का कारोबार

देश में बढ़ते नशीले पदार्थों की तस्करी पर चिंता व्यक्त करने वाला था। देश में नशीले पदार्थों की चोरी-छिपे खेप पड़ोसी देश अफगानिस्तान से ईरान के रास्ते हमारे देश में पहुंचती है। नशीले पदार्थों के गोरख धंधों के लिए इंटरनेट की आधुनिक तकनीक तथा कोरियर सर्विस का इस्तेमाल किया जा रहा है। – रवि, गुमला

X ट्वीट

झारखंड सरकार राज्य के आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत सेविकाओं के बीच स्मार्ट फोन का वितरण कर रही है . इसी क्रम में बेड़ो प्रखंड कार्यालय परिसर में बेड़ो और इटकी प्रखंड के 260 आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच स्मार्ट फोन का वितरण करने का शुभ अवसर मिला । हाथ में स्मार्ट फोन पा कर सेविकाओं के चेहरे खिल उठे . आंगनबाड़ी सेविकाओं के द्वारा स्मार्ट फोन की मांग बहुत पुरानी थी । राज्य में हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार ने इस मांग को पूरा किया है । स्मार्ट फोन की मदद से आंगनबाड़ी से जुड़े कार्य में तेजी आएगी ।

– शिल्पी नेहा तिर्की, मंत्री

स्वास्थ्य के प्रति करना होगा जागरूक

चिकित्सा

रमेश सर्राफ धमोरा

आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आएगी। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष सात अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर-1 में रखता है।

वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सका है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीडित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगीं, उस देश के लोगों की औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षो से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है।

देश भक्ति फिल्मों के एक मात्र स्तंभ मनोज कुमार

सामयिक

मनोज कुमार उन कलाकारों में थे, जिन्हें 60 के बाद से लेकर 90 के दशक से पहले के दर्शक पसंद करते थे। वे सिर्फ एक्टर या डायरेक्टर ही नहीं थे, उससे कुछ अलग थे और उनके जैसा कोई दूसरा नहीं हुआ। देशभक्ति और सामाजिक समस्याओं पर केंद्रित फिल्में बनाने में वे बेजोड़ थे। उन्हें 7 फिल्म फेयर अवार्ड मिले थे। वर्ष 1968 में पहली बार फिल्म फेयर ह्यउपकारह्न के लिए मिला। साल 1992 में उन्हें पद्मश्री व 2016 में दादा साहेब फाल्के सम्मान से नवाजा गया।

फिल्में बनाने का जोखिम भी मोल लिया, जो आज के मुकाबले उस समय ज्यादा मुश्किल था। उन्होंने लीक से हटकर विषयों का चुनाव किया। उपकार से उन्होंने फिल्म निर्माण में कदम रखा और सामाजिक विषयों को ऐसी पहचान बना लिया कि दर्शक उनसे ऐसी ही फिल्मों की अपेक्षा करने लगे। अपने आधे चेहरे को उंगलियों से ढकने का उनका स्टाइल उनकी पहचान बन गया था। उनकी यादगार फिल्मों में शहीद (1965) शामिल है, जो भगत सिंह के जीवन पर बनी थी। पूरब और पश्चिम (1970) की कहानी सांस्कृतिक पहचान पर बनाई गई, रोटी कपड़ा और मकान (1974) जीवन की जरूरतों और सामाजिक मुद्दों को कुरेदती थी और ह्यक्रांतिह्न(1981) देश के स्वतंत्रता संग्राम पर बनी एपिक फिल्म रही। साल 1961 में मनोज कुमार को बतौर हीरो ह्यकांच की गुड़िया से ब्रेक मिला। इसके अगले साल विजय भट्ट की फिल्म हरियाली और रास्ता ने उनकी ज़िंदगी का रास्ता बदल दिया। 40 साल के फिल्म कैरियर में मनोज कुमार ने कई फिल्मों में काम किया और खुद भी फिल्में बनाई। इन सभी फिल्मों में उन्होंने फिल्म के कॉन्टेंट और फॉर्म पर लगातार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कहानी लिखने में उनकी महारत थी। वो ऐसी कहानियां रचते थे, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ाव महसूस कर सकें। उनकी हर फिल्म में हर दर्शक के लिए कुछ न कुछ होता था। शोर एक परिवार की खूबसूरत कहानी थी, जिसने मनोज कुमार को निर्देशक के तौर पर स्थापित किया।

हरियाली और रास्ता से मिली पहचान

मनोज कुमार के कैरियर की शुरूआत फिल्म फैशन (1957) में एक छोटे से किरदार से हुई। पर, उन्हें असली पहचान 1962 में आई फिल्म ह्यहरियाली और रास्ताह्न से मिली। अभिनय के बाद उन्होंने निर्देशन में भी हाथ आजमाया और इसकी शुरूआत 1965 में आई फिल्म शहीद से की। साल 1967 में मनोज कुमार ने तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर उनके ह्यजय जवान जय किसान नारे पर उपकार बनाई। लेकिन लाल बहादुर शास्त्री इसे देख नहीं सके। 1966 में शास्त्री जी ताशकंद के दौरे पर गए थे जहां 11 जनवरी 1966 को उनकी मौत हो गई। इसके एक साल बाद 11 अगस्त 1967 को फिल्म रिलीज हुई। शास्त्री जी को फिल्म न दिखा पाने का अफसोस ताउम्र मनोज कुमार को रहा।

प्रयोगधर्मी पर फामूर्लो से पहचान

फिल्मों में नए-नए प्रयोग करते हुए मनोज कुमार इतने विश्वसनीय हो गए थे कि उनकी फिल्म में वे जो भी प्रयोग करते, सहयोगी कलाकार आंख मूंदकर सब करते जाते। ऐसे में मनोज कुमार ने देशभक्ति के साथ ही अपनी फिल्मों में वह सब शामिल कर लिया, जो आमतौर पर मुश्किल होता है। मनोज कुमार ही थे जिन्होंने ह्यरोटी कपडा और मकान में ह्यहाय हाय यह मजबूरी में जीनत अमान को जी भरकर भिगोया। उन्होंने पूरब पश्चिम में सायरा को ग्लैमर में ढालकर दिखाया, यादगार में नूतन जैसी पारिवारिक अभिनेत्री को स्विमिंग सूट पहनाया और ह्यक्रांतिह्न में हेमा मालिनी को पानी में तरबतर दिखाया। बावजूद उनकी फिल्मों में देशभक्ति का जज्बा जरा भी कम नहीं हुआ।

राजधानी रांची में रामनवमी के जुलूस में महिला शक्ति ने जमकर तलवारबाजी की और शोभा यात्रा में शिरकत की।

तस्वीर। अजय सानी की

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

चरही में बाइक चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

चरही। रविवार रात चोरी गई बाइक को चरही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया है। साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर पूर्व में चोरी गई एक अन्य बाइक की सीट भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी सतीश कुमार बर्मन, हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के कसेरा मोहल्ला का निवासी है और वर्तमान में चरही में रहकर ठेला पर बरा-कचरी बेचने का काम करता है। वह स्व. बासुकी सोनी का दामाद है। आरोप है कि बीते रात सतीश ने अंधेरे का फायदा उठाकर सेवानिवृत्त शिक्षक युगेश्वर महतो की बाइक को उनके आंगन से चुराया और अपने किराए के मकान में ले जाकर बाइक के पार्ट्स को अलग करने लगा। वह उन्हें 25 रुपये प्रति किलो की दर से कबाड़ी दुकान में बेचने की तैयारी में था। शिक्षक के पड़ोसी डिलचंद रविदास ने बाइक गायब देख इसकी सूचना चरही थाना को दी। थाना प्रभारी गौतम कुमार ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाला, जिसमें आरोपी का चेहरा साफ नजर आया। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर बाइक के चेसिस सहित सभी पुर्जे बरामद किए और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर सतीश को जेल भेज दिया है।

गोरियाकरमा में वैज्ञानिक-किसान संवाद कार्यक्रम संपन्न, 110 किसानों ने लिया हिस्सा

बरही। बरही प्रखंड के गोरियाकरमा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक किसान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक सह कुलपति डॉ. चेरूकुल्ली श्रीनिवास एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सी. विश्वनाथन रहे। इस संवाद में 28 वैज्ञानिकों के साथ 110 किसानों ने भाग लिया, जिनमें 86 महिलाएं एवं 24 पुरुष शामिल थे।कार्यक्रम में हजारीबाग के 10 प्रखंडों समेत चतरा, कोडरमा और रामगढ़ जिलों के 18 गांवों से किसान व एफपीओ सदस्य शामिल हुए। उद्घाटन भाषण में ओएसडी डॉ. विशाल नाथ ने अनुसूचित जाति/जनजाति योजनाओं की जानकारी दी। नोडल अधिकारी डॉ. कृष्णा प्रकाश ने पिछले चार वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। किसानों ने बताया कि संस्थान से प्राप्त बीज, उपकरण और प्रशिक्षण से उनकी उत्पादन क्षमता और आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार सिंह ने किसानों को सामूहिक खेती और व्यवसायिक कृषि अपनाने का सुझाव दिया। डॉ. श्रीनिवास ने महिलाओं के लिए किचन गार्डन और उद्यमिता विकास पर जोर दिया और आने वाले वर्षों में बेहतर बीज व मशीनरी उपलब्ध कराने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और किट वितरित किए गए।

बागजोबरा में धूमधाम से मनाया गया दिशोम बाहा महोत्सव, आदिवासी संस्कृति की झलक

चरही। चुरचू प्रखंड के बागजोबरा गांव में सरना स्थल पर दिशोम बाहा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जाहेर संस्था, झरना झारखंड ट्रस्ट और बागजोबरा सरहुल पर्व तैयारी समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पाहन लालजी मांझी द्वारा सखुआ फूल और पेड़ की पूजा कर महोत्सव की शुरूआत की गई। महोत्सव में आसपास के गांवों से आई छह सांस्कृतिक टीमों ने सरहुल नृत्य, गीत और डांस प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में सेनेगड़ा टीम को प्रथम, सेहदा को द्वितीय और बेलगढ़ा को तृतीय स्थान मिला। तीरंदाजी प्रतियोगिता में अनिल हेम्ब्रम प्रथम, सहदेव किस्कू द्वितीय और प्रकाश टुडू तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को तीर-धनुष से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि दिशोम मांझी फागु बेसरा ने कहा कि ह्लबाहा पर्व आदिवासियों की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। यह प्रकृति के प्रति हमारी आस्था और सम्मान को दशार्ता है। कार्यक्रम का उद्घाटन फागु बेसरा, सोनाराम मांझी, मुखिया पूनम बेसरा, महेंद्र मुर्मू, संझली मुर्मू व अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। रात्रि में बंगाल के कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कई प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।

मो क्यूम ने रामभक्तो के साथ पारंपरिक लाठी खेल कर दिया एकता कर परिचय

बरही। बरही प्रखंड के विजैया में रामनवमी पर्व को लेकर राम भक्तों में उत्साह का माहौल रहा। श्री रामनवमी के अवसर पर पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि मो. कयूम ने राम भक्तों के साथ लाठी खेलकर एकता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान उनके साथ पूर्व मुखिया दशरथ यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण व श्रद्धालु मौजूद थे। लाठी खेल की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। इस दौरान मो. कयूम ने कहा कि रामनवमी सिर्फ धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक एकता व भाईचारे का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से सभी धर्म और समुदाय को एक साथ आकर समाज में प्रेम का संदेश देना चाहिए।

ग्राहकों की संतुष्टि ही हमारे प्रतिष्ठान की पहचान होगी : कृष्णा गुप्ता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा मेन रोड स्थित कैलाश कॉम्प्लेक्स में फर्स्ट फ्लोर पर सोमवार को 'स्वाद रेस्टुरा प्योर वेज' कंप्लीट फैमिली रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न हुई। जिसमें यजमान के रूप में कृष्णा प्रसाद गुप्ता, राजेश गुप्ता, विपिन गुप्ता, अमित गुप्ता और अभिषेक गुप्ता उर्फ राजा शामिल हुए। पूजा के उपरांत श्री कृष्णा प्रसाद गुप्ता ने फीता काटकर रेस्टोरेंट का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर सह संचालक कृष्णा प्रसाद गुप्ता ने बताया कि 'स्वाद रेस्टुरा' में साउथ इंडियन और चाइनीज सहित शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों की व्यापक श्रृंखला उपलब्ध है, वह भी उचित मूल्य पर। उन्होंने कहा कि ₹हमारा प्रयास है कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता और उचित दाम में स्वादिष्ट भोजन प्रदान किया जाए। ग्राहक ही हमारे प्रतिष्ठान की पहचान हैं और उनकी संतुष्टि ही हमारी प्राथमिकता होगी। रेस्टोरेंट में बैठने की सुविधा, स्वच्छता और ग्राहकों की सहूलियत का विशेष ध्यान रखा गया है। उद्घाटन समारोह में अजय, रंजन, राधा गुप्ता, रानी गुप्ता, रवि अग्रवाल, अश्विनी सोनी सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिला प्रशासन की पहल से रामनवमी शांति पूर्वक संपन्न

जुलूस के दौरान हिन्दू मुस्लिम एकता की दिखी मिसाल

खबर मन्त्र संवाददाता

जुलूस के दौरान मुस्तैद डीसी एसपी

रामगढ़। रविवार को रामनवमी त्योहार के अवसर पर रामगढ़ जिला अन्तर्गत कुल 217 (लाईसेंसी 145 एवं गैर लाईसेंसी 72) अखाड़ों द्वारा रामनवमी जुलूस निकाला गया। रामनवमी त्योहार को लेकर हिन्दू समुदाय में हर्षोल्लास देखा गया। काफी भारी संख्या में महिला, पुरूष एवं बच्चों ने जुलूस में भाग लिया। रामगढ़ के शहरी क्षेत्रों के अलावे ग्रामीण क्षेत्रों में भी भारी संख्या में भीड़ देखी गई। उपायुक्त चंदन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अजय कुमार द्वारा रामगढ़ थाना अंतर्गत 38, रजरप्पा थाना अंतर्गत 38 एवं गोला थाना अंतर्गत 31 कुल 107 अखाड़ों के द्वारा निकाले गये जुलूस को 7 अप्रैल को समय सुबह 04:30 बजे तक सड़क पर स्वयं उपस्थित रहकर शांतिपूर्ण रूप से संपन्न करवाया गया। रामगढ़ जिला अन्तर्गत हिन्दू एवं मुस्लिम समुदाय द्वारा आपसी भाईचारे का परिचय देते हुए अनुठी मिसाल पेश किया गया। रामगढ़ थाना अंतर्गत सौदागर मोहल्ला, गोलपार, नईसराय एवं कुजू ओपी अंतर्गत कुजू चौक एवं श्रीराम चौक में मुस्लिम समुदाय द्वारा रामनवमी त्योहार के अवसर पर मंच तैयार किया गया। मंच पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक रामगढ़ स्वयं उपस्थित रहे तथा उनके समक्ष मुस्लिम समुदाय द्वारा जुलूस में शामिल हिन्दू समुदाय के सभी अखाड़ों के व्यक्तियों पर पुष्प की बारीश की गई तथा एक जागृत समाज का संदेश दिया गया। दोनो समुदायों द्वारा गंगा यमुना का तहजीब हमेशा बरकरार रखते हुए अगामी पर्व / त्योहार को भी आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण एवं सौहार्द पूर्ण तरीके से मनाये जाने का संकल्प लिया गया। 3 अप्रैल को नगर भवन रामगढ़ में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा रामनवमी त्योहार को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति के बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें हिन्दू एवं मुस्लिम समुदाय के समिति अध्यक्ष, सदस्य एवं गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे। बैठक में सभी उपस्थित व्यक्तिगण से रामनवमी त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाने का अपील किया गया था, जिससे प्रोत्साहित होकर मुस्लिम एवं हिन्दू समुदाय के द्वारा आपसी भाईचारे का परिचय देते हुए अनुठी मिसाल पेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि रामगढ़ जिला के हिन्दू एवं मुस्लिम समुदाय के व्यक्तियों द्वारा जो आपसी भाईचारे का अनुठी मिसाल पेश किया गया यह एक सिख है वैसे असामाजिक एवं शरारती तत्वों के लिये जो समाजिक सोहार्द को बिगाड़ने का काम करते है। साथ ही हिदायत दिया गया कि अगामी पर्व / त्योहार में दो समुदायों के बीच खलल पैदा करने, समाजिक सोहार्द बिगाड़ने तथा विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उसके विरूद्ध कड़ी कानुनी कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा रामगढ़ जिला में बनाये गये विभिन्न मंचो से पूरे हिन्दु एवं मुस्लिम समुदाय के व्यक्तियों को आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का अपील किया गया। हिन्दू समुदाय के महिला, पुरूष एवं बच्चे भारी संख्या में जुलूस में शामिल हुये तथा सभी अपने संयम का परिचय देते हुए अनुशासित तरीके से प्रेम एवं सौहार्द के साथ आगे बढ़ते रहे और जुलूस को शांतिपूर्ण रूप से संपन्न करवाया गया। जिले में किसी भी तरह की कोई भी विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हुई। जिले में कई थाना क्षेत्रों में चैती दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया है।

नवमी पूजा के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों का हुआ आयोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर, बासल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को नवमी पूजा को लेकर पुरोहित द्वारा कई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराये गये। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों और घरों में नवमी पूजन, हवन आदि धार्मिक अनुष्ठान के साथ चैती नवरात्र कलश स्थापना का समापन हुआ। इसके पूर्व मंदिर प्रांगण में महावीर धवज स्थापित की गई। इस दौरान पुरोहित द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। साथ ही देवी-देवताओं का आह्वान किया गया। तत्पश्चात भोग, आरती, हवन और नौ कन्याओं को प्रसाद खिलाया गया। पूजा के दौरान भक्ति जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा सहित अन्य आराध्य देवी देवताओं के समक्ष मत्था टेक अपने परिवार और क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली व सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना में संदीप शर्मा, नीलम, समीर कुमार, प्रीति, पीयूष कुमार, नेहा नयन, आशा देवी, नव्या, रेयांश सहित दर्जनों श्रद्धालु महिला- पुरुष शामिल हुए।

मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न हुआ चैती दुर्गा पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

कुजू। कुजू कोयलांचल व आस-पास के क्षेत्रों में चैती दुर्गा पूजा धूमधाम से संपन्न हो गया। इस दौरान माँ दुर्गा प्रतिमा को सुसज्जित वाहन में सवार कर क्षेत्र का भ्रमण कराते हुए स्थानीय जलाशयों में विसर्जित कर दिया गया। कोयलांचल के श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के अलावे तोपा, ओरला, आरा, सारूबेड़ा, सांडी, बोंगावार, करमा, दिगवार आदि स्थानों में प्रतिमाओं को वाहन में सजाकर जयकारे का नारा लगाते हुए गावं में भ्रमण कराया गया। इधर कुजू पुलिस द्वारा सुरक्षा- व्यवस्था का पूरा इंतजाम किया गया था।

नगर भ्रमण में शामिल माँ दुर्गा की प्रतिमा

सौंदा डी में भक्तिभाव और उल्लास के साथ निकला भव्य रामनवमी जुलूस

भुरकुंडा (रामगढ़)। सौंदा डी पंचायत में रामनवमी के पावन अवसर पर रविवार की शाम झांकियों के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। मुख्य अखाड़ा जुलूस की शुरूआत क्लब घर हनुमान मंदिर से शाम 5 बजे की गई। जो निर्धारित मार्गो से होते हुए नकरी नदी स्थित छठ मंदिर तक पहुंचा और फिर वापस अपने-अपने अखाड़ों में संपन्न हुआ। जुलूस रूट में पुराना शिव मंदिर, रेमबो क्लब, जीपी कैंप, शक्ति नगर, मुख्य बाजार लेनिन चौक, हनुमान चौक, शनिचर बाजार, पंचमुखी हनुमान मंदिर, रामनगर, हुसैनीनगर सहित कई प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालु भक्तों का अपार जनसमूह देखने को मिला। इसके पूर्व शक्ति नगर मंदिर परिसर में मुख्य अखाड़ा झंडा की पूजा मुखिया उपेंद्र शर्मा की बेटी द्वारा विधिवत की गई। इस अवसर पर लेनिन चौक पर सामूहिक बाजार समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए खीर और शीतल जल की उत्तम व्यवस्था की गई। वहीं पंचमुखी हनुमान मंदिर समिति द्वारा प्रसाद, खीर-पूरी व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, रामनवमी मैदान आजाद नगर समिति द्वारा जुलूस के दौरान बुंदिया का वितरण निरंतर किया गया।जुलूस में रामनवमी लाइसेंसधारी सह सौंदा डी पंचायत के मुखिया उपेंद्र शर्मा, पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्लू पांडेय, क्लब घर रामनवमी समिति अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह, आजाद नगर हनुमान मंदिर समिति अध्यक्ष कृष्णा कुमार, अजित जयसवाल, जग्गू घ घासी, रामरूप प्रसाद सहित करीब 1000 महिला, पुरुष व बच्चे शामिल होकर भक्ति भाव के साथ सहभागी बने।

दुबई से नहीं लौटा महावीर महतो

कमाने गया बेटा, लौट आया मातम!

अमूल्य चंद्र पांडेय

विष्णुगढ़। एक परिवार की उम्मीद, एक मां का सहारा, एक पत्नी की ताकत और बच्चों का भविष्य सबकुछ थम गया रविवार को, जब झपाटांड गांव में दुबई से एक मनहूस खबर आई कि महावीर महतो अब इस दुनिया में नहीं रहे। काम की तलाश में विदेश गया यह मजदूर, अब लौटेगा या नहीं, यह भी फिलहाल अनिश्चित है।

महावीर महतो की फाइल फोटो

विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के सारुकुंदर पंचायत अंतर्गत झपाटांड निवासी 42 वर्षीय महावीर महतो की दुबई में आकस्मिक मौत हो गई। वह वहां लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड कंपनी में कार्यरत थे। परिजनों को उनकी मृत्यु की सूचना तो दी गई, पर यह साफ नहीं किया गया कि मौत कैसे हुई। महावीर परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके निधन के बाद पत्नी सुमित्रा देवी, 20 वर्षीय बेटी पिंकी कुमारी और 15 वर्षीय बेटा फलजीत कुमार पूरी तरह बेसहारा हो गए हैं। दो साल पहले कैंसर से जूझते उनके छोटे बेटे जितेंद्र की मौत बेंगलुरु के एक अस्पताल में हो गई थी, जिसका अंतिम संस्कार पैसे के अभाव में वहीं करना पड़ा था। इस हादसे ने झारखंड में प्रवासी मजदूरों की हकीकत को फिर से उजागर कर दिया है। सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने पीड़ित परिवार से मिलकर सरकार से शव की स्वदेश वापसी की मांग की है। हर बार एक ही सवाल ज़िंदा हो जाता है कि कब तक झारखंड के मजदूर विदेश में जान देंगे? और कब मिलेगी उन्हें अपने ही राज्य में जीने और कमाने की जमीन?

रामनवमी पर बरही में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

बरही। रामनवमी का पर्व भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रविवार को निकली शोभायात्रा में हजारों की संख्या में राम भक्त शामिल हुए, जिससे बरही चौक व आसपास की सड़कें भक्तों से पट गईं। जय श्रीराम के नारों और ढोल-ताशों की गूंज से माहौल भक्तिमय हो गया। विभिन्न अखाड़ों के कलाकारों ने लाठी, तलवार, भाला आदि पारंपरिक हथियारों के करतब दिखाए और आकर्षक झांकियां निकालीं, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शोभायात्रा के शांतिपूर्ण आयोजन में प्रशासन और रामनवमी महासमिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रामनवमी सेवा में फ्रेंड्स ग्रुप का अनोखा संकल्प

श्रद्धालुओं की मदद को कंधे भी हाजिर

जानकारी देते फ्रेंड्स ग्रुप के सदस्य

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में सामाजिक समर्पण का एक जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है फ्रेंड्स ग्रुप, जो रामनवमी के अवसर पर सेवा भाव को नए आयाम देने जा रहा है। बीते सोमवार को झंडा चौक स्थित रूपम वस्त्रालय के पास आयोजित प्रेस वार्ता में ग्रुप ने इस वर्ष की सेवा योजनाओं की जानकारी साझा की।1994 में स्थापित यह ग्रुप अब 105 समर्पित सदस्यों के साथ रामभक्तों की सेवा में जुटा है और भविष्य में 500 सदस्यों को जोड़ने की योजना पर काम कर रहा है। रामनवमी के दौरान झंडा चौक पर विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें 221 किलो खीरा, 221 किलो चना, गुड़, शिकंजी, पेयजल और नाश्ते की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही घायल भक्तों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया जाएगा। फ्रेंड्स ग्रुप के प्रमुख सदस्य भैया अभिमन्यु प्रसाद ने यह भावुक संकल्प लिया कि यदि एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंचती या रास्ते में जाम होता है, तो उनके सदस्य घायल श्रद्धालुओं को अपने कंधे पर उठाकर सदर अस्पताल पहुंचाएंगे। यह घोषणा केवल एक वादा नहीं, बल्कि उस भावना की मिसाल है, जहां सेवा, भक्ति से भी बड़ी बन जाती है।प्रेस वार्ता में सुनील गुप्ता ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मौके पर कई सदस्य मौजूद रहे और इस मिशन को सामूहिक प्रयास के रूप में आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।जहां भक्ति केवल नारे बनकर रह जाती है, वहीं फ्रेंड्स ग्रुप उसे कर्म में बदल रहा है, कंधे पर उठाकर, सड़कों से सेवा तक।

551 महिलाओं ने उठाया भक्ति कलश

दार। क्षेत्र के कबलासी पंचायत मे नवनिर्मित शीतला माता शक्तिपीठ एवं श्री श्री हनुमान जी मनोकामना सिद्ध की प्राण प्रतिष्ठा हेतु नव दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसको लेकर पुरा क्षेत्र मे भक्ति की बयार बह रही है। श्री श्री 1008 शत चंडी एवं हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ आर्य विकाश समाज समिति कबलासी के बैनर तले किया जा रहा है। सोमवार को इस यज्ञ की शुरूवात भव्य कलश यात्रा के साथ हुई जिसमे 551 महिलाओं ने गाजे बाजे के साथ माथे पर कलश लेकर काबलासी मंदिर से देवरिया बस्ती होते हुए सेवाने नदी तक पहुंची जहाँ पूरे विधान से कलश मे जल भरा गया।

थाना पहुंचकर रहस्यमय ढंग से लापता हुआ युवक, बाइक वही मिली पर इंसान नहीं

खबर मन्त्र संवाददाता

चौपारण। हजारीबाग जिला के चौपारण प्रखंड अंतर्गत जगदीशपुर गांव का युवक भरत यादव अचानक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया है, जिससे गांव में सनसनी फैल गई है और परिजनों की चिंता चरम पर पहुंच गई है।5 अप्रैल की सुबह भरत यादव (पुत्र केदार यादव) ने घर से चौपारण थाना जाने की बात कहकर निकलने के बाद अपने भाई से फोन पर आखिरी बार बात की थी। उन्होंने बताया था कि वह थाना के पास पहुंच चुके हैं। इसके कुछ समय बाद से उनका मोबाइल बज तो रहा है, लेकिन कोई कॉल रिसीव नहीं हो रहा। जब परिजन चौपारण थाना पहुंचे तो वहां थाना गेट के पास उनकी पल्सर बाइक खड़ी मिली, लेकिन भरत यादव का कहीं कोई अता-पता नहीं था। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि भरत का अंतिम मोबाइल लोकेशन हजारीबाग में ट्रेस हुआ है और खोजबीन तेज कर दी गई है। इस बीच, एक चौंकाने वाला एंगल सामने आया है। दरअसल, भरत यादव हाल ही में अपने ही गांव के कुछ लोगों के खिलाफ जमीन विवाद को लेकर एफआईआर दर्ज करवा चुके थे। 31 मार्च को हुई मारपीट के बाद से उन्हें लगातार धमकियां भी मिल रही थीं। भरत की पत्नी मंजू देवी ने प्रशासन से अपील की है कि उनके पति को सकुशल बरामद करने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाए। परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस ने सख्ती नहीं दिखाई, तो गांव में भय का माहौल और गहरा सकता है। रहस्यमय ढंग से युवक का थाना के पास से इस तरह लापता होना कई सवाल खड़े कर रहा है कि क्या यह महज संयोग है या किसी बड़ी साजिश का हिस्सा?

थाने के गेट के बाहर लगा बाइक

हजारीबाग में शौचालयों को किया गया दुरुस्त

खबर बनी राहत की वजह

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग /रामगढ़
स्वच्छ भारत मिशन का हजारीबाग में खस्ता हाल

हजारीबाग। रामनवमी से पहले हजारीबाग में शौचालयों को दुरुस्त कर लिया गया है । आखिरकार प्रशासन की नींद खुली !जब खबर मन्त्र ने उठाई स्वच्छता की बिगड़ी कहानी, तो गूंज सुनाई दी जिला प्रशासन के गलियारों में। हजारीबाग शहर की सड़कों पर, जहां कभी जर्जर शौचालय लोगों की मुश्किल बढ़ा रहे थे, अब वहां दिख रही है सुविधा की नई तस्वीर। 3अप्रैल को खबर मन्त्र में प्रकाशित रिपोर्ट ₹स्वच्छ भारत मिशन का हजारीबाग में खस्ताहाल !₹ ने प्रशासन को झकझोर दिया। नतीजतन, रामनवमी महापर्व से पहले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नगर निगम ने कमर कस ली। अब शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे जामा मस्जिद मुख्य नाला रोड, जादो बाबू चौक, बड़ा अखाड़ा, जैन मंदिर के सामने, गिलान रोड, खिरगांव, मोहन सिनेमा और घोड़ा अस्पताल के पास अस्थायी और मॉड्यूलर शौचालय की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, खिरगांव टैक्सी स्टैंड, सदर अस्पताल, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक, सरकारी बस स्टैंड, कोर्रा चौक, और मटवारी गांधी मैदान के पास मॉड्यूलर यूरिनल्स को भी दुरुस्त किया गया है। रामनवमी की दशमी रात को लाखों श्रद्धालु हजारीबाग में जुटते हैं, जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण इलाकों से आती है। सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली वर्षों से परेशानी का सबब थी, जिसे अब खबर की ताकत और प्रशासन की तत्परता ने दूर कर दिया। जब खबर बोलती है, तो व्यवस्था सुनती है और इस बार खबर मन्त्र की एक खबर ने हजारीबाग की सूरत बदल दी!

शिवाडीह की झांकी ने मारी बाजी, हरली मेलाटांड़ झांकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

खबर मन्त्र संवाददाता

हरली मेलाटांड़ झांकी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

बड़कागांव। हरली रामनवमी मेलाटांड़ में आयोजित भव्य झांकी प्रतियोगिता में शिवाडीह गांव की झांकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। शिवाडीह की प्रस्तुति माता शबरी का प्रेम एवं श्रीराम दर्शन पर आधारित थी, जिसका निर्देशन विनोद कुमार, धर्मेंद्र कुमार और चक्रधर प्रसाद ने किया। प्रतियोगिता में कई गांवों के अखाड़ों और सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया। मूल्यांकनकताओं द्वारा झांकियों का मूल्यांकन कर विजेताओं की घोषणा की गई। विश्रामपुर को दूसरा, गंगा दोहर को तीसरा तथा ग्राम सांढ को चौथा स्थान मिला। तलसवार, अमर ज्योति क्लब चोपदार बलिया पासी टोला, पिपराडीह महूगाई कला, गोसाई बलिया, महूगाई खुर्द, नापोकला, बेला, मधुइया ढाब व बादम गांव की झांकियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। सभी प्रतिभागियों को हरली पूजा समिति द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले एकल कलाकारों को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता हरली पूजा समिति अध्यक्ष महेंद्र महतो ने की। मौके पर बड़कागांव रामनवमी महासमिति अध्यक्ष विवेक कुमार सोनी, मुखिया कविता देवी, मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी समेत कई जनप्रतिनिधि और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

नासे रोग हरे सब पीरा जपत निरन्तर हनुमत बीरा

हनुमान जयंती 12 अप्रैल

चैत्र मास की पूर्णिमा को हनुमानजी का जन्म माना गया है। वे ग्यारहवें रुद्रावतार माने जाते हैं और भगवान शिव की तरह ही अत्यंत भोले हैं जो शीघ्र प्रसन्न होकर अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। वे चिरंजीवी हैं और कलियुग के इस समय में भी हमारे बीच विद्यमान हैं।

आज मनुष्य तमाम संकटों से जूझ रहा है। विषम परिस्थितियों में संकट मोचक हनुमानजी का स्मरण हो आना स्वाभाविक है, क्योंकि कलियुग में एक मात्र हनुमान जी ही ऐसे जाग्रत देवता माने गए हैं जो हमें संकट से मुक्ति दिला सकते हैं। अपने भक्तों को संकट से उबारने की शक्ति व कृपा के कारण ही उन्हें संकटमोचक नाम दिया गया है।

संकट से हनुमान छुड़ावै। मन क्रम वचन ध्यान जो लावे॥

जन्म और उनकी महिमा

चैत्र मास की पूर्णिमा को हनुमानजी का जन्म माना गया है। वे ग्यारहवें रुद्रावतार माने जाते हैं और भगवान शिव की तरह ही अत्यंत भोले हैं जो शीघ्र प्रसन्न होकर अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। वे चिरंजीवी हैं और कलियुग के इस समय मे भी हमारे बीच विद्यमान हैं। माता सीता से उन्हें अष्टसिद्धि व नवनिधि का स्वामी होने का आशीर्वाद प्राप्त है।

अष्टसिद्धि नवनिधि के दाता। पवनपुत्र हनुमानजी को अतुलनीय बल-बुद्धि के स्वामी के रूप में नमन किया गया है :- अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं दनुजवनकृशानं ज्ञानिनामग्रगण्यम ?।

सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं रघुपति प्रियभक्तं वातजातं नमामि॥

बाल्यकाल और शक्तियों का आशीर्वाद

हनुमानजी के महाबलशाली होने के संबंध मे उनकी बाल्यावस्था से जुड़ा प्रसंग है। अपनी बाल्यावस्था में एक बार जब हनुमानजी ने भूख की प्रबलतावश भगवान सूर्य को फल मान कर आहार के रूप में ग्रहण कर लिया तो समूचे ब्रह्मांड में अंधकार छा गया। चिंतित देवी-देवताओं ने इसका कारण जानकर जब उनसे भगवान सूर्य को मुक्त करने का अनुरोध किया तब इस अनुरोध पर हनुमानजी ने भगवान सूर्य को अपने मुख से पुनः मुक्त कर दिया। इसके बाद हर्षित-प्रफुल्लित सभी देवी-देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद के साथ अपनी अंशात्मक शक्तियां भी प्रदान कीं। अपनी शक्तियों के साथ सभी देवी-देवताओं की अंशात्मक शक्तियां प्राप्त होने से हनुमानजी अतुलनीय बल-बुद्धि के स्वामी हो गए।

आराधना के लाभ

संसार या सृष्टि का ऐसा कोई कार्य नहीं है जो अंजनीपुत्र हनुमानजी के अनुग्रह से पूर्ण व सफल नहीं होता हो।

दुर्गम काज जगत के जेते। सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते॥

महावीर हनुमानजी की आराधना करने वाले भक्तों को भूत-प्रेत बाधा आदि का भय भी नहीं सताता है। उनके स्मरण मात्र से यह भय समाप्त हो जाता है।

भूत पिशाच निकट नही आवै, महावीर जब नाम सुनावै॥

धन-धन चैत महिनवा

रामा प्रगट भये रघुरईया, परम सुखदईया नू हो

चैत्र शुक्ल नवमी का धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। आज ही के दिन त्रेता युग में रघुकुल शिरोमणि महाराज दशरथ एवं महारानी कौशल्या के यहां मर्यादा पुरूषोत्तम राम का जन्म हुआ था। दिन के बारह बजे जैसे ही श्रीराम का जन्म हुआ माता कौशल्या उन्हें देखकर विस्मित हो गईं। उनके सौंदर्य व तेज को देखकर उनके नेत्र तृप्त नहीं हो रहे थे। श्रीराम के जन्मोत्सव को देखकर देवलोक भी अवध के सामने फीका लग रहा था। देवता, ऋषि, किन्नर, चारण सभी जन्मोत्सव में शामिल होकर आनंद उठा रहे थे। आज भी हम प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल नवमी को राम जन्मोत्सव मनाते हैं और राममय होकर कीर्तन, भजन, कथा आदि में रम जाते हैं। इस दिन भक्त उनके जन्मोत्सव को मनाने के लिए राम जी की मूर्तियों को पालने में झुलाते हैं। रामनवमी के दिन ही गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस की रचना का श्रीगणेश किया था। इस दिन जो व्यक्ति दिनभर उपवास और रात को जागरण करता है, भगवान श्रीराम की पूजा करता है, तथा अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दान-पुण्य करता है, वह अनेक जन्मों के पापों को भस्म करने में समर्थ होता है।

रामनवमी व्रत कथा

राम, सीता और लक्ष्मण वन में जा रहे थे। सीता जी और लक्ष्मण को थका हुआ देखकर राम जी ने थोड़ा रुककर आराम करने का विचार किया और एक बुढ़िया के घर गये। बुढ़िया सूत कात रही थी। उसने उनकी आवभगत की। स्नान-ध्यान करवाकर भोजन करया। राम जी ने कहा- माई, पहले मेरा हंस मोती चुगाओ, तो भोजन करूगां। उस बेचारी के पास मोती कहां से आवें, सूत कात कर गुजारा करती थी। अतिथि को ना कहना भी वह ठीक नहीं समझती थी। दुविधा में पड़ गयी। अतः दिल को मजबूत कर राजा के पास पहुंच गयी। अंजली मोती देने के लिये विनती करने लगी। राजा अचम्भे में पड़ा कि इसके पास खाने को दाने नहीं हैं और मोती उधार मांग रही है। इस स्थिति में बुढ़िया से मोती वापस प्राप्त होने का तो सवाल ही नहीं उठता। आखिर राजा ने अपने नौकरों से कहकर उसे को मोती दिला दिये। वह मोती लेकर घर आयी, हंस को मोती चुगाए और मेहमानों की आवभगत की। रात को आराम कर सवेरे राम, सीता और लक्ष्मण जाने लगे। राम जी ने जाते हुए उसके पानी रखने की जगह पर मोतियों का एक पेड़ लगा दिया। दिन बीतते गये और पेड़ बड़ा हुआ, पेड़ बढ़ने लगा, पर उस बुढ़िया को कुछ पता नहीं चला। मोती के पेड़ से पड़ोस के लोग मोती चुनकर ले जाने लगे। एक दिन जब बुढ़िया मोती पेड़ के नीचे बैठी सूत कात रही थी। तो उसकी गोद में एक मोती आकर गिरा। तब उसे ज्ञात हुआ। वह जल्दी से मोती बांधी और किले की ओर ले चली। उसने मोती की पोटली राजा के सामने रख दी। इतने सारे मोती देख राजा अचम्भे में पड़ गये। उसके पूछने पर बुढ़िया ने राजा को सारी बात बता दी। राजा के मन में लालच आ गया। वह बुढ़िया से मोती का पेड़ मांगने लगे। बुढ़िया ने कहा कि आस-पास के सभी लोग ले जाते हैं। आप भी चाहे तो ले लें। मुझे क्या करना है। राजा ने तुरन्त पेड़ मंगवाया और अपने दरबार में लगवा दिया। पर रामजी की मर्जी, मोतियों की जगह कांटे हो गये। आते-जाते लोगों के कपड़े उन कांटों से खराब होने लगे। एक दिन रानी की ऐड़ी में एक कांटा चुभ गया और पीड़ा करने लगा। राजा ने पेड़ उठवाकर बुढ़िया के घर वापस भिजवा दिया। पेड़ पर पहले की तरह से मोती लगने लगे। वह आराम से रहती और खुब मोती बांटती।

बोकारो आये थे श्रीराम !

धार्मिक मान्यता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बोकारो आये थे। वर्तमान में बोकारो के विभिन्न स्थलों पर उनके आने के अलग-अलग प्रसंग की जनश्रुतियां हैं। सभी स्थलों का विशेष धार्मिक महत्व है। चास-धनबाद मुख्य पथ पर पानी टंकी से करीब 10 किमी दूर पूरब दिशा में स्थित कुम्हरी पंचायत में दामोदर नदी पर बारनी घाट है। कहा जाता है कि वनवास के दौरान पत्नी सीता व भाई लक्ष्मण के साथ भगवान श्रीराम यहां से होकर गुजरे थे। वह वनवास का 12वां वर्ष और चैत माह की 13वीं तिथि थी। रात्रि विश्राम के बाद सुबह रवाना होने से पहले भगवान राम ने पत्नी व भाई के साथ बारनी घाट में स्नान किया था। इसे पकाहा दह के नाम से भी जाना जाता है। यहां कई जगहों पर पौराणिक पत्थर और चरण पादुका भी हैं। इस स्थल का महत्व हरिद्वार, त्रिवेणी और पुष्कर की तरह है। जिस तिथि को श्रीराम ने यहां स्नान किया था, प्रत्येक साल उस तिथि में स्नान करने श्रद्धालु उमड़ पड़ते हैं। लोगों का मानना है कि इससे पुण्य मिलती है। कसमार प्रखंड की मंजूरा पंचायत में राम-लखन टुंगरी व हिसीम पंचायत में डुमरकुदर गांव के पास मृग खोह स्थित है। दोनों जगहों पर श्रीराम के आने का प्रसंग है। कहा जाता है कि माता जानकी की जिद पर स्वर्ण मृग की तलाश में भगवान राम इन दोनों जगहों पर आये थे। यहां कि पहाड़ी पर जिस जगह तीर चलाये थे, वहां से दूध की धारा निकल पड़ी थी। कहा जाता है कि एक चरवाहा की शरारत के कारण दूध धारा पानी में तब्दील हो गयी। यहां दो जगहों पर भगवान राम के पदचिह्न हैं। पहाड़ी के नीचे वाले पदचिह्न पर मंदिर का निर्माण किया गया है। दूसरा पदचिह्न 200 फुट की ऊंचाई पर है। यहां प्रत्येक साल मकर संक्रांति पर विशाल टुसू मेला लगता है। राम-लखन टुंगरी के बारे में भी ठीक ऐसी ही मान्यता है।

पूजा की तैयारी

रामनवमी का व्रत महिलाओं के द्वारा किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली महिला को सुबह उठना चाहिए। घर की सफाई कर गंगाजल से शुद्ध करना चाहिये। इसके पश्चात स्नान करके व्रत का संकल्प लेना चाहिए। एक लकड़ी के चौकोर टुकड़े पर सतिया बनाकर एक जल से भरा गिलास रखना चाहिए और अपनी अंगुली से चांदी का छल्ला निकाल कर रखना चाहिए। इसे प्रतीक रुप से गणेशजी माना जाता है। व्रत कथा सुनते समय हाथ में गेहूं-बाजरा आदि के दाने लेकर कहानी सुनने का भी महत्व है। रामनवमी की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री रोली, ऐपन, चावल, जल, फूल, एक घंटी और एक शंख हैं। पूजा के बाद परिवार की सबसे छोटी महिला सदस्यपरिवार के सभी सदस्यों को टीका लगाती है। पूजा में पहले देवताओं पर जल, रोली और ऐपन चढ़ाया जाता है, इसके बाद मूर्तियों पर मुट्ठी भरके चावल चढ़ाये जाते हैं। पूजा के बाद आरती की जाती है और आरती के बाद गंगाजल अथवा सादा जल एकत्रित हुए सभी जनों पर छिड़का जाता है।

राम से बड़ा राम का नाम

रघुनंदन दशरथ पुत्र राम की जय

रामजी के नाम से पाथर भी तारे

भक्तों के दास भक्त वत्सल मर्यादा श्री राम

रांची में रामनवमी जन्म उत्सव का इतिहास

सर्वप्रथम 1924 में रांची से कई लोग हजारीबाग रामनवमी देखने के लिए गये, क्योंकि अधिकतर लोगों का रोजी रोटी एवं बेटा-बेटी का संबंध हजारीबाग से जुड़ा हुआ था। इससे प्रमुख नाम है अंगरुद्ध राम एवं रामचन्द्र साव जिन्होंने वहां जाकर रामनवमी को देखा और संकल्प लिया कि रांची में भी हमलोग रामनवमी मनायेंगे। सर्वप्रथम 1926 में भुताहा तलाब (जयपाल सिंह स्टेडियम के बगल में) कलश स्थापना कर चैती दुर्गा पूजा का शुरुआत किया, जिसका विस्तार आज देखने को मिला है। बाद में कई सामाजिक बंधु जुड़कर 1936 में रामनवमी का शोभायात्रा निकालने का संकलप महाबीर चौक, रांची महाबीर मंदिर से लिया। जिसमें नानू गोप, ज्ञानप्रकाश नागाबाबा, प्राचीन महाबीर मंदिर के संस्थपक लोकनाथ साव और कई लोग जुटकर एक झंडा और संख घंटी के साथ पहला जुलूस तपोवन मंदिर की ओर गये, जिसका स्वागत सारे धार्मिक संगठनों ने जोरदार तरीके से किया। बाद में इसकी एक कमिटी बनाकर इसका विस्तार किया गया, उस कमिटी का नाम श्री महाबीर मंडल कन्द्रीय कमिटी रखा गया। जिसका हर साल पदाधिकारियों का चुनाव करा कर रामनवमी का त्योहार विस्तार होते चला गया। काफी विस्तार होने के बाद इसका एक संविधान ीाी बनाया गया, जिसके अंतर्गत आज री महाबीर मंडल रांची का चुनाव होता है, जो रामनवमी जन्म उत्सव का शोभायात्रा का नेतृत्व करता है। आज शोभायात्रा में करीबन 288 अखाड़ा शामिल होते हैं अपने अपने रंगभूषे एं महाबीर पताका , ढोल तासा, एवं पारम्परिक शस्त्रों के साि जैसे लाठी, भाला, बरझा, तलवार इत्यादि। आज के समय में लगभग दस लाख की संख्या में लोग हजारों महाबीर झंडे के साि शामिल होते हैं। इसमें समाज के हर जाति धर्म के लोग बढ़े ही उत्साह पूर्वक इस आयोजन में जगह-जगह स्वगत शिविर लगाकर, इस उत्सव में भाग लेते हैं। ऐसा त्योहार की शोभायात्रा पूरे भारत में एक मिशाल है। इस त्योहार की तैयारी होली के बाद पहला मंगलवारी से शुरू हो जाता हैं और हनुमान जयंती पूर्णिमा में इसका समापन होता हैं महाबीर पताका के बाद पहला मंगलवारी को पूजा पाठ करके लगाया जाता है और होली के बाद पूर्णिमा हनुमान जयंती के दिन विधि विधान के साथ उतारा जाता है। और रामनवमी महोत्सव का समापन होता है।

पूरे देश में प्रसिद्ध है हजारीबाग की रामनवमी

पूरे झारखंड में महावीरी झंडा, पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के परिचालन के साथ पौराणिक मिथकों से जुडी झांकियां निकली जाती हैं। रांची और हजारीबाग में इस पारंपरिक आयोजन का अपना ही अंदाज और इतिहास है। हजारीबाग की रामनवमी की बात ही कुछ और है। सारे देश में जब रामनवमी का उल्लास ढलान पर होता है तब हजारीबाग में यह आयोजन जोर पकड़ रहा होता है। चैत माह के शुक्ल पक्ष की दशमी से आरम्भ झांकियों का क्रम त्रयोदशी की शाम तक जारी रहता है। यहां आस-पास के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से भी सैकड़ों झांकियां शामिल होती हैं जिन्हें देखने के लिए अपार जनसमूह उमड़ पड़ता है। महिलायें और बच्चे अपनी सुविधानुसार जुलूस मार्ग के मकानों की छतों पर कब्जा जमा लेते है और जुलूस का अनंद उठाते हैं। यहां प्रशासन सबसे ज्यादा मुस्तैद होती है। प्रशासन की प्राथमिकता होती है कि पारंपरिक मार्ग से जुलूस शांतिपूर्वक गुजर जाये। प्रारंभ में यहां आयोजन महावीरी झंडों और पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन और परिचालन के रूप में एक प्रकार का शक्ति पर्व ही था, मगर युवा पीढी पर हावी होती आधुनिकता से यह पर्व भी अछूता नहीं रहा है। फिर भी रामनवमी के इस स्वरुप का अवलोकन अपने आप में एक अलग अनुभव है।

लौहनगरी में राममय माहौल के बीच निकला रामनवमी विसर्जन जुलूस

साकची गोलचक्कर में श्रीश्री बालमंदिर अखाड़ा समिति का जुलूस।

रामनवमी जुलूस में जोश भरता ताशा दल।

सोनारी में विसर्जन जुलूस के दौरान छऊ नर्तकों की टीम ने शमां बांधा

जगह-जगह लगे थे सेवा शिविर, बांटी जा रही थी घुघनी और शर्बत

योद्धाओं के हैरतअंगेज करतब देख कर रोमांचित हुए बच्चे और युवा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भीषण गर्मी के चलते अन्य वर्षों की तुलना में इस वर्ष एक घंटा देरी से अपरान्ह 4 बजे से नगर के 197 अखाड़ों द्वारा श्री रामनवमी विसर्जन जुलूस निकाले गए। सोमवार को निकाले गए श्रीरामनवमी जुलूस में विशाल झंडे लेकर श्रद्धालु जय श्रीराम, जय हनुमान का नारा लगाते हुए अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए विसर्जन के लिए साकची गांधी घाट और हाथघोड़ा घाट पहुंचे। इस दौरान जमशेदपुर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कोल्हान के डीआइजी मनोज रतन चौथे, डीसी अनन्य मित्तल और सीनियर एसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी कुमार शीवाशीष सीसीआर में बनाये गए कंट्रोल रुम से सीसीटीवी के

जरिए जुलूस भ्रमण पर नजर रखे हुए थे। कोल्हान प्रमंडल के डीआईजी श्री मनोज रतन चोथे, डीसी एवं एसएसपी द्वारा सीसीआर से रामनवमी विसर्जन जुलूस की पल-पल की गतिविधि पर रखी जा रही नजर। टेल्को कालोनी से लेकर टिनप्लेट चौक, गोलमुरी और साकची कालीमाटी रोड होते हुए साकची गोलचक्कर तक जगह-जगह सामाजिक संगठनों द्वारा सेवा शिविर लगाये गए थे। सेवा शिविर में जुलूस में भाग लेने वाले श्रद्धलुओं के लिए शर्बत, ठंडा सादा पानी और घुघनी आदि की व्यवस्था थी। दूसरी ओर सोनारी और कदमा में भी सामाजिक संगठनों ने जुलूस के स्वागत में सेवा शिविर लगाये थे। मानगो डिमना रोड से लेकर मानगो पुल तक और 14 नंबर रोड,मानगो से लेकर मानगो पुल तक कई संगठनों ने सेवा शिविर लगाये थे। शिविरों में अखाड़ों के पदाधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। देर रात तक विसर्जन जुलूस जारी था। विसर्जन जुलूस में बाल मंदिर साकची समेत अन्य अखाड़ों द्वारा आकर्षक झांकिया निकाली गईं जिसका लुत्फ लोगों ने उठाया। सोनारी में ललन अखाड़ा की ओर से आमंत्रित मणिपुरी कलाकारों ने एक से बढ़ कर एक हैरतअंगेज करतब दिखाये।

प्रभु श्रीराम का जीवन हमें सामाजिक प्रेरणा देता हैं : बन्ना गुप्ता

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता रामनवमी के विसर्जन के दिन जमशेदपुर के विभिन्न अखाड़ा समितियों का दौरा किया.जहां उन्हें पगड़ी पहनाकर एवं तलवार भेंट कर सम्मानित भी किया गया। अखाड़े में डंका की धुन सुनकर बन्ना गुप्ता खुद को रोक नहीं पाए और जमकर डंका बजाया और अपनी लाठी भांजते हुए अखाड़े का लुत्फ उठाया। मौके पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने झारखंडवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन हमें सामाजिक प्रेरणा देता हैं। रामनवमी के विसर्जन के दिन राम भक्तों की सहायता हेतु मानगो चौक पर मानगो कांग्रेस प्रखंड के अध्यक्ष ईश्वर सिंह,जमशेदपुर टेलर्स ट्रक ओनर्स एसोसिएशन, कुशवाहा संघ मानगो, राष्ट्रीय एकता मंच, विश्वकर्मा कल्याण समिति, रौनियार वैश्य कल्याण समिति, तैलिक एकता मंच, कदमा रंकणी मंदिर के सामने, बन्ना गुप्ता फैन्स क्लब, के द्वारा लगाए गए सहायता शिविर में पहुंच कर बन्ना गुप्ता ने राम भक्तों की सेवा किया और उनके साथ भोग खाकर सभी लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं दिया। इस दौरान सहायता शिविर के आयोजनकर्ताओं ने पूर्व मंत्री को पगड़ी तलवार अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

सेवा शिविर में बन्ना गुप्ता।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

बेल्डीह काली मंदिर में बासंती दुर्गापूजा के विसर्जन से पूर्व सिंदुर खेला करती बांग्ला समाज की महिलाएं।

पारडीह चेपा पुल पर मुस्लिम समाज ने ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के बैनर तले रामनवमी अखाड़ों का किया भव्य स्वागत

जमशेदपुर। रामनवमी के पावन अवसर पर आजादनगर थाना शांति समिति और ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से पारडीह चेपा पुल के समीप भव्य अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखाड़ों के लाइसेंसी सदस्यों नितिन चंद्र और संजय मुखर्जी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष मतिनुल हक अंसारी, पारडीह दुर्गा पूजा समिति से अपूर्व पाल, मुख्तार आलम खान, सैयद आलम, सैयद आसिफ अख्तर अध्यक्ष मतीनुल हक अंसारी, सरदार गुरुचरण सिंह और डॉ निधि श्रीवास्तव व अन्य सहयोग रहा। अन्य प्रमुख अतिथियों में अशफाक आलम, हरपाल सिंह, मोइनुद्दीन, रिजवानुल हक, ताहिर हुसैन, शेख निजामुद्दीन बदरुद्दीन, सैयद साजिद परवेज, सैयद आलम, बाबूराम सोरेन और फिरोज आलम, मो हाशिम, रिजवानुज्जम, मो, फरजाना सफी, मास्टर सिद्दिक अली, हाजी फिरोज असलम, अयूब और मो फिरोज का नाम शामिल है।

स्पीड न्यूज

बुकिंग व रेलवे अस्पताल में अलग काउंटर की सुविधा देने की मांग

चक्रधरपुर/जमशेदपुर। आदिवासी हो समाज सेवानिवृत्त संगठन पश्चिमी सिंहभूम के पदाधिकारियों ने सोमवार को सिंहभूम की सांसद जोबा माझी से मुलाकात की। इस दौरान संगठन ने सांसद को ज्ञापन सौंपते हुए रेल टिकट बुकिंग एवं रेलवे अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों को सुविधा देने की मांग की। संगठन के सदस्यों ने सांसद को जानकारी दी कि चाईबासा रिजर्वेशन काउंटर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से लाइन/खिड़की का प्रावधान नहीं है। जिससे वरिष्ठ नागरिकों को घंटों लाइन में खड़े रहने पर तकलीफ हो रही है। उसी प्रकार रेलवे अस्पताल चक्रधरपुर में भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से लाइन/खिड़की नहीं है। जिससे वरिष्ठ नागरिकों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। जबकि पूरे भारत वर्ष में रेलवे स्टेशनों पर वरिष्ठ नागरिकों का ख्याल रखा जाता है। सदस्यों ने सांसद से इस मुद्दे को मंडल रेल प्रबंधक के समक्ष रख समाधान की मांग की। सदस्यों की मांग को उचित ठहराते हुए सांसद ने तत्काल चक्रधरपुर के मंडल रेल प्रबंधक को पत्र लिखकर नियमानुकूल कार्रवाई करते हुए दक्षिण-पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल रेल अन्तर्गत टिकट बुकिंग काउंटरों के अलावा रेलवे अस्पतालों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा सुनिश्चित कराने की मांग की। सांसद से मुलाकात करने वालों में संगठन के सचिव चंद्रमोहन बिरूवा, बामिया बारी, हरीश कुंकल, हरीश बानरा, मंगल सिंह कुंटिया आदि शामिल रहे।

अर्जुन मुंडा रामनवमी जुलूस में हुए शामिल

जमशेदपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा रामनवमी के पावन अवसर पर भव्य शोभा यात्रा में शामिल हुए। यह शोभायात्रा शहर के विभिन्न अखाड़ों द्वारा निकाली गई थी, जिसमें पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों का प्रदर्शन, सांस्कृतिक झांकियां निकाली निकाली गयी। शोभायात्रा के दौरान पूरे शहर में एक भक्तिमय वातावरण बना रहा और पूरा जमशेदपुर राममय नजर आया। अर्जुन मुंडा ने आम जनता से मुलाकात की एवं सभी को रामनवमी की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें धर्म, मयार्दा और समाज सेवा की प्रेरणा देता है। रामनवमी का यह पर्व झारखंड की सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

जमशेदपुर में रामनवमी का झंडा 1.32 लाख वोल्ट के तार से सटा, छह घायल

यशोदानगर में शाम पांच बजे हुआ हादसा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। परसूडीह थाना अंतर्गत यशोदा नगर शारदा राम बजरंग अखाड़ा कमिटी के विसर्जन जुलुस में झंडा 1 लाख 32 हजार वोल्ट के तार में सटने के कारण 6 लोग जख्मी हो गए है।

इनमें से एक आदमी संजय कुमार सिंह ज्यादा सीरियस होने के कारण टाटा मुख्य अस्पताल में भेजा गया है। 4 लोगों का ईलाज टाटा मोटर्स अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने से जिला परिषद सदस्य डॉ परितोष मौके तत्काल पहुंचे और एम्बुलेंस से घायलों को टाटा मोटर्स मेन हॉस्पिटल पहुंचवाया। यहां संजय सिंह की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें टाटा मेन हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

पार्षद पारितोष ने तुरंत घटना की जानकारी डीसी अनन्य मित्तल और सीनियर एसपी किशोर कौशल को दी। घायलों में विजय कुमार, विजय कुमार दे, शमी कुमार प्रसाद, प्रदीप वर्मा और यश प्रजापति को टाटा मोटर्स मेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जिसमें शमी प्रसाद को देर शाम छुट्टी दे दी गई। गंभीर रुप से घायल संजय कुमार सिंह का इलाज टीएमएच में चल रहा है। वे खतरे से बाहर हैं।

परिजनों से बात करने की स्थिति में हैं। बता दें कि यशोदानगर से डीवीसी का हाई वोल्टेज तार वाला टावर गुजरा है। टावर से तार काफी नीचे तक झूले हुए हैं, और यहां हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

जनवरी 2025 में बस्तीका एक लड़का पतंग उड़ाते वक्त इस तार की चपेट में आकर जान गवां बैठा था।

टाटा मोटर्स हॉस्पिटल में एम्बूलेंस से घायल को उतारते लोग।

अस्पताल में घायल का हालचाल लेते पार्षद डॉ पारितोष सिंह।

जादूगोड़ा में सविता सरदार की हत्या के मामले में उसका प्रेमी नकुल गिरफ्तार

बरामद मोबाइल से हत्यारे तक पहुंची पुलिस

खबर मन्त्र ब्यूरो

जादूगोड़ा। जादूगोड़ा में सविता सरदार की हत्या कांड मामले में जादूगोड़ा पुलिस ने 24 घंटे में मामले का उद्भेदन कर आरोपी नकुल सिंह को गिरफ्तार कर घाटशिला जेल भेज दिया। घटना स्थल से बरामद मोबाइल ने सविता सरदार के हत्यारे तक पुलिस को पहुंचने में सफलता मिली।मृतिका सविता सरदार कोवाली थाना क्षेत्र के चाकडी की रहने वाली थी जबकि उसका प्रेमी डोमजूडी गांव के महुलडीह का रहने वाला है। इस बाबत आरोपी नकुल सिंह के खिलाफ जादुगोड़ा थाना कांड सं 22/25 दिनांक -05/04/25 धारा -64/103(1) के तहत मृतिका के यौन सम्बन्ध बनाने, हत्या करने व शव को छुपाने के आरोप मे गिरफ्तार कर घाटशिला जेल भेज दिया गया। पुलिस फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है ताकि हत्या या स्वयं मौत के मामले पर से पर्दा उठ सके। मृतिका के शरीर पर कोई जख्म का निशान नहीं पाए गए थे।

टाटा में मालगाड़ी से टकराने से बची बंदे भारत एक्सप्रेस

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे स्टेशन में बड़ा हादसा होते-होते टल गया क्योंकि एक ही पटरी पर आमने-सामने मालगाड़ी और बंदे भारत एक्सप्रेस आ गईं किन्तु चालक के सुझ-बूझ से दोनों ट्रेनों को सिंगल पटरी पर रोका गया, और हादशा टल गया। रेल सूत्रों के अनुसार टाटानगर रेलवे स्टेशन से मालगाड़ी सरायकेला से आदित्यपुर पूल पार कर के जा रही थी, तभी दूसरी तरफ से सरायकेला आदित्यपुर से टाटानगर रेलवे स्टेशन आ रही बंदे भारत एक्सप्रेस भी समान लाइन पर चली आई। समय रहते चालकों ने दोनों ट्रेन को रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मालगाड़ी को पीछे किया गया, जिसके बाद वंदे भारत एक्सप्रेस पूल पार कर टाटानगर रेलवे स्टेशन गई। रेलवे विभाग के अधिकारी नें पूरे मामले कि जांच का आदेश दिया है।

सरायकेला-खरसावां : प्रशासन ने किया सरायकेला छऊ शैली नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन की ओर से राजकीय छऊ नृत्य कलाकेंद्र प्रेक्षागृह में सरायकेला शैली के छऊ नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया गया,जिसमें जय मां बसंती कला परिषद टेंटोपोसी,राधा कृष्ण कला परिषद पारोलपोसी,शिवमन्दिर छऊ नृत्य क्लब कोटार चारा राजनगर,नव युवक संघ छऊ नृत्य क्लब,भंडारीसाई,सरायकेला छऊ नृत्य कला केंद्र रंगपुर,जय बहादुर कला परिषद टेंटोपोसी,बिनापानी छऊ नृत्य क्लब चौके,श्री श्री शिव शक्ति छऊ नृत्य कलाकेंद्र,देवगिरिसाई कुल आठ दल ने भाग लिया। प्रतियोगितामें निर्णायक मंडली के निर्णय को अंचल अधिकारी भोला शंकर महतो ने सभीं प्रतियोगी दलों के बीच प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले दलों के नामों की घोषणा किया। प्रथम स्थान के रूप में नव युवक संघ छऊ नृत्य क्लब भंडारीसाई ,द्वितीय स्थान सरायकेला छऊ नृत्य कलाकेंद्र,रंगपुर तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में शिव मंदिर छऊ नृत्य क्लब,कोटारचारा राजनगर ने कब्जा जमाया। निर्णायक के रूप में गुरु तपन कुमार पटनायक,गुरु बृजेंद्र पटनायक,गुरु सुधांशु शेखर पानी,गुरु रजत पटनायक,गुरु तरुण कुमार भोल,गुरु मनोरंजन साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम से पूर्व विख्यात नृत्यश्री कामेश्वर भोल एवं सभी निर्णायक मंडली ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राजकीय छऊ नृत्य कलाकेंद्र के कलाकारों ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया,उक्त अवसर पर अंचल अधिकारी ने सभी कलाकारों का स्वागत करते हुए कहा कि जो भी दल पुरस्कार से बाहर रहे उन्हें मन दुखी करने की जरूरत नहीं,सभी दल ने अच्छा प्रदर्शन किया,सभी ने अपना कला संस्कृति को बचा के रखा है ये बहुत बड़ी बात है। इसलिए निराश होने की जरूरत नहीं। अपने टीम को और बेहतर बनाइए और अगले साल के लिए तैयार रखे,सफलता जरूर कदम चूमेगी,प्रतियोगिता में स्थान पाने वाले दल को मुख्य मंच में अतिथियों के कर कमलों से पुरस्कार दिया जाएगा,उक्त अवसर पर भोला महांती,सुदीप कबी,रूपेश साहू,कार्यालय कर्मी राजेश महापात्र,नाजिर कृष्णा सोय,आशीष कर,गजेंद्र महांती,पंकज साहू, अभिनाश कबी,गोपाल पटनायक, निवारण महतो, असित पटनायक, राकेश कबी,घसीनाथ भोल,सिद्धू दरोगा,चंदन कबी सहित काफी संख्या में कलाकार उपस्थित थे।

एक नजर में

यूसिल के 52 चाटीकोचा विस्थापितों का धैर्य दिया जवाब, कंपनी का 3 घंटा रेयर गेट किया जाम

जादूगोड़ा। भारत सरकार की संस्थान यूरेनियम कॉपरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसिल) के 52 चाटीकोचा विस्थापितो का धैर्य आज सोमवार को जवाब दे गया। इधर यूसिल के मृतक विस्थापितों के आश्रितों ने विस्थापित नेता पीथो माझी की अगुवाई में नियोजन की मांग की लेकर कम्पनी का रेयर गेट जाम कर दिया।इधर विस्थापितों के इस आंदोलन से जादूगोड़ा माइंस से तूरामडीह व बागजाता माइंस से आनेवाले यूरेनियम अयस्क की ढुलाई पूरी तरह ठप पड़ गई। जिससे अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए है। मामले को सुलझाने को लेकर कंपनी के डिप्टी मैनेजर एम के साहू घटना स्थल पर पहुंचे व विस्थापित नेता पिथो माझी से आंदोलन खत्म कर वार्ता करने की पेश कश की व मामले को सुलझाने का आग्रह किया। जिसके बाद ग्रामीणों व यूसिल के उपमहाप्रबंधक (कार्मिक) राकेश कुमार के बीच वार्ता के बाद रियर गेट जाम समाप्त हो गया। बैठक के बाद विस्थापित नेता पीथो माझी ने कहा यूसिल प्रबंधन ने जल्द ही विस्थापितों को नियोजन की मांग को लेकर मंजूरी हेतु कंपनी के तकनीकी निर्देशक मनोज कुमार को भेजी गई है जहां से जल्द कानूनी प्रक्रिया पूरी कर नियोजन का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। यहां बताते चले कि बीते आठ सालों से हजारों वार्ता हुई,लेकिन कोई सकारात्मकता परिणाम नहीं आया व वर्ष 20 2025 कर एक भी नौकरी मृतक के आश्रितों को नहीं मिली जबकि कंपनी प्रबंधन ने प्रत्येक साल मृतक के आश्रितों को नियोजन का भरोसा दिया था, लेकिन नतीजा सिफर निकला। आंदोलन के बाद कम्पनी झुकी व नियोजन का मार्ग प्रशस्त हुआ। कंपनी प्रबन्धन ने कंपनी के अध्यक्ष सह प्रबंधन निर्देशक या तकनीकी निर्देशक स्तर के अधिकारियों से वार्ता बुलाने की मांग पर अड़े है।विस्थापित नेता पिथीं माझी कहते है अधिकारी बीते आठ सालों से नौकरी देने का झूठा झांसा देकर मामले की अटकाए हुए है व वार्ता के नाम में कम्पनी आंदोलन को तोड़ मामले की इतिश्री कर देती हैं। ऐसे में कंपनी पहले 13 लोगों को नौकरी देने को कानूनी प्रक्रिया शुरू करे तो आंदोलन वापस होगा अन्यथा आंदोलन जारी रहेगा।' यहां बताते चले कि यूसिल के मृतक विस्थापितों ने कम्पनी को पहले जमीन दी। बदले में नौकरी मिली लेकिन बीच में कई विस्थापिति असमय काल के गाल में समा गए। अब उनके पास न तो नौकरी बची है व न ही जमीन। ऐसे में मृतक यूसिल विस्थापितों के आश्रितों ने समक्ष सबसे बड़ा चुनौती रोजी रोटी संकट उत्पन्न होगा। बीते आठ सालों से नियोजन के मुद्दे पर विस्थापितों को टरकाने वाले वअधिकारियों दूसरा जोर करना है कर लो जैसी धमकी दे अजीज आकर विस्थापितों को आंदोलन का एक मात्र रास्ता सुझा आज 20 विस्थापित परिवार अपनी मांगों के समर्थन में बैठ गए। धरना में बैठने वालों में। पीथो माझी,राम साईं टुडू,राजू सिंह,श्रीकांत उरांव, अर्जुन मुर्मू, सुखलाल मार्डी, अनिता हासदा, नील मुनि मुर्मू, लुमिना लुगुन, विजय हो, लखन हांसदा, प्रिया दिग्गी, दीपक सोरेन, साजन कुकल, सोना राम हांसदा, रचना, प्रधान दिग्गी, होदा नाथ सोरेन ने हिस्सा लिया।

वीमेंस विवि के भूगोल विभाग की छात्राओं ने नेतरहाट पतरातू में किया पर्यटन भूगोल का फील्ड अध्ययन

जमशेदपुर। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग द्वारा स्नातक , सेमेस्टर-6 की छात्राओं के लिए तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया , जो 3 अप्रैल से 5 अप्रैल 2025 के बीच सम्पन्न हुआ । यह भ्रमण उनके पाठ्यक्रम के ह्य पर्यटन भूगोल ह्व विषय के प्रायोगिक पत्र का हिस्सा था । इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को कक्षा की सीमाओं से बाहर निकाल कर प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्थलों का प्रत्यक्ष अध्ययन कराना था। शिक्षिका मिस प्रीति और श्रीमती आरती शर्मा के नेतृत्व में छात्राओं ने झारखंड के पश्चिमी भाग में स्थित खूबसूरत पर्यटन स्थलों जैसे नेतरहाट और पतरातू का भ्रमण किया। इन क्षेत्रों में स्थित अपने चट्टानी स्वरूप और जल प्रवाह के लिए प्रसिद्ध, झारखंड का सबसे ऊँचा लोध जलप्रपात है। सुग्गा जलप्रपात की शांत और सुरम्य छटा ने छात्राओं को प्राकृतिक पारिस्थितिकी के बारे में व्यावहारिक समझ प्रदान की , वहीं मैग्नोलिया सनसेट पॉइंट और कोयल सनराइज पॉइंट ने छात्राओं को दृश्य भूगोल के अध्ययन का अवसर प्रदान किया। छात्राओं ने नाशपाती बागान में क्षेत्रीय कृषि प्रणाली और मौसम की अनुकूलता का अवलोकन किया। ऊपरी घाघरी जलप्रपात, पाइन और साल के घने वन, पतरातू घाटी और झील जैसे स्थलों ने उन्हें जल प्रबंधन, और पर्यटन की संभावनाओं के बारे में गहन जानकारी दी। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने देखा कि किस प्रकार ग्रामीण समुदाय पारंपरिक रूप से महुआ के फूलों को वन क्षेत्रों से एकत्र कर अपनी आजीविका चलाते हैं। यह क्रिया स्थानीय प्राथमिक आर्थिक गतिविधियों का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो मानव भूगोल की व्यावहारिक समझ को मजबूत करता है। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी की कुलपति महोदया प्रो अंजिला गुप्ता के मार्गदर्शन में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया । इस शैक्षणिक भ्रमण की सराहना करते हुए माननीय कुलपति महोदया ने कहा कि पर्यटन भूगोल में इस प्रकार के फील्ड विज़िट्स छात्राओं को जीवन से जोड़ती हैं एवं विषय की गहराई को समझने में सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह भ्रमण छात्राओं के भीतर शोध क्षमता तथा क्षेत्रीय विश्लेषण की योग्यता को विकसित करेगा। यह भ्रमण छात्राओं के लिए केवल एक पाठ्यक्रमगत अनिवार्यता नहीं था, बल्कि प्राकृतिक भूगोल, मानव भूगोल और आर्थिक भूगोल के विविध पक्षों को प्रत्यक्ष रूप से देखने-समझने और अनुभव का माध्यम बना।

मुंबई फिर जीत के करीब आकर हारी

10 साल बाद आरसीबी को वानखेड़े में मिली जीत, बेंगलुरु ने मुंबई को 12 रन से हराया, क्रुणाल पांड्या ने झटके चार विकेट

एजेंसी

मुंबई। आइपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले में हार मिली है। आरसीबी के खिलाफ मुंबई को आखिरी 8 ओवर में 123 रन चाहिए थे। यहां से टीम की हार पक्की दिख रही थी लेकिन फिर हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा ने मैच में रोमांच ला दिया। दोनों के बीच 34 गेंदों पर 89 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि चार गेंदों के भीतर दोनों ही आउट हो गए और मुंबई को हार मिली। पहले खेलते हुए आरसीबी ने 221 रन बनाए थे। मुंबई की टीम 9 विकेट पर 209 रन ही बना सकी और 12 रनों से हार गई। 2015 के बाद आरसीबी ने वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई को हराया है।

विराट- पाटीदार का बल्ला बोला

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए विराट कोहली ने 67 जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने 64 रनों की तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। जनवरी के बाद पहली बार जसप्रीत बुमराह कोई प्रोफेशनल मैच खेलने मैदान पर उथरे। कोहली ने 42 गेंदों पर 67 रनों की पारी के साथ इस सत्र का अपना दूसरा अर्धशतक लगाया। पाटीदार की 32 गेंदों में 64 रन (पांच चौके, और चार छक्के) और जितेश शर्मा की 18 गेंदों में 40 रन (दो चौके और चार छक्के) की आक्रामक पारियों ने खराब फॉर्म में चल रही मुंबई इंडियंस को 222 रनों का लक्ष्य मिला। फिल साल्ट (चार) ने ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ पारी की पहली गेंद पर चौका जड़ा लेकिन दूसरी गेंद पर बोल्ड हो गये। इस विकेट का कोहली की पारी पर कोई असर नहीं हुआ। उन्होंने देवदत्त पडिक्कल (22 गेंद में 37 रन) के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पावर प्ले में एक विकेट पर 72 रन बना लिये। आरसीबी ने शुरूआती तीन ओवरों में दबदबा बना लिया था जसके बाद चौथे ओवर में मुंबई इंडियंस ने बुमराह को गेंद थमाई और कोहली ने भारतीय टीम के अपने साथी का स्वागत छक्का लगाकर किया।आरसीबी ने लगभग 10 रन प्रति ओवर के रन रेट से आगे बढ़ते हुए पावरप्ले के आखिरी ओवर में दीपक चाहर के खिलाफ 20 रन बटोरे। इस ओवर में पडिक्कल ने दो छक्के और एक चौका जड़ा। पडिक्कल ने आक्रामक रुख अपनाते हुए तीन छक्के और दो चौके लगाये। वह नौवें ओवर में विग्नेश पुथुर की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हुए। उन्होंने कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 91 रन की साझेदारी की।विराट कोहली ने 15वें ओवर मे हार्दिक पंड्या की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को डीप मिडविकेट के क्षेत्र में नमन धीर को कैच थमाया। पाटीदार ने विकेट से सामने आक्रामक शॉट खेलने के साथ विकेट के पीछे भी सहजता से रन बनाये। उन्होंने मात्र 25 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 17वें ओवर में मुंबई के हार्दिक के खिलाफ 23 रन बटोरे। पाटीदार को 19वें ओवर में बोल्ट की गेंद पर विकेट के पीछे रियान रिकेलटन ने शानदार कैच लपककर पवेलियन की राह दिखाई।

बोपन्ना ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, एटीपी मास्टर्स का मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गये हैं। 45 साल के बोपन्ना ने मोंटे कार्लो मास्टर्स 2025 के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की। बोपन्ना ने अमेरिका के अपने पार्टनर बेन शेल्टन के साथ फ्रांसिसको केरुंडोलो और अलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 7-5 से हराया।

नेस्टोर के नाम था रिकॉर्ड

बोपन्ना से पहले यह रिकॉर्ड कनाडा के डेनियल नेस्टोर के नाम था जिन्होंने 2017 में 44 साल आठ महीने की उम्र में मैच जीता था। नेस्टोर और फ्रांस के फैबरिस मार्टिन ने बोपन्ना और पाब्लो कुएवास को राउंड ऑफ 32 में 6-3, 6-2 से हराया था। बोपन्ना का मोंटे कार्लो टूर्नामेंट में सामना अब इटली की जोड़ी सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावासोरी से होगा।

कुछ समय से खराब फॉर्म में गुजर रहे हैं बोपन्ना

शेल्टन और बोपन्ना की एटीपी रैंकिंग में विश्व की 14वें नंबर की जोड़ी ने फ्रांसिसको और ताबिलो की जोड़ी को महज 71 मिनट में हराया। बोपन्ना पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के नुनो बोर्ग्स के साथ खेलने के बाद बोपन्ना दुबई टेनिस चैंपियनशिप, इंडियन वेल्स मास्टर्स और मियामी ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने में असफल रहे थे।

जीत की पटरी पर वापस आना चाहेगी सीएसके

चंडीगढ़। लगातार मिली तीन हार से तिलमिलायी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) मंगलवार को यहां पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ अहम आईपीएल मुकाबले में जीत की राह पर लौटने की हर मुमकिन कोशिश करेगी। मुंबई इंडियंस पर शानदार जीत के साथ आइपीएल 2025 अभियान की शुरूआत करने वाली सीएसके को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स से उसने मुंह की खाई है। हार की हैट्रिक ने टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कमजोरियों को उजागर किया है। पांच बार की चैंपियन टीम अब तक खेले गये चार मैचों में अपने 17 खिलाड़ियों का इस्तेमाल कर चुकी है। यह बदलाव स्पष्ट रूप से तय रणनीति की कमी को दशार्ता है।

स्पीड न्यूज

राजगंज में घट विसर्जन के साथ ही चैती दुर्गा पूजा का समापन

राजगंज। घट विसर्जन के साथ ही चैती दुर्गा पूजा का समापन सोमवार को हो गया। सुबह साढ़े सात बजे महिलाएं पारंपरिक सिंदु 'खेला कर नम आँखों के साथ नवपत्रिका को विदाई दी। माँ के जयकारे के साथ समिति सदस्यों और बड़ी संख्या में महिलाएं धावाचिता नदी घाट पहुँच कर घट विसर्जन में भाग लिया। आचार्यो ने पूरे विधि पूर्वक यजमान के हाथों घट विसर्जन कराया। इस दौरान माँ के जयकारे लगाए जा रहे थे। घट विसर्जन के बाद प्रसाद वितरण, ब्राह्मण भोजन कराया गया। महादशमी को कमेटी की ओर से आयोजित कार्यक्रमों की शुरूआत डंडिया नृत्य संगीत के साथ होगी। इस कार्यक्रम के साथ ही सप्ताहव्यापी मेला में भीड़ जुटने लगेगी।

जिला तंबाकू नियंत्रण कोषांग ने चलाया जागरुकता अभियान

धनबाद। उपायुक्त के निर्देश पर जिला तंबाकू नियंत्रण कोषांग ने सोमवार को झाडुडीह एवं कार्मिक नगर में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान झाडुडीह के गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, गवर्नमेंट आईटीआई, मध्य विद्यालय, कार्मल स्कूल एवं कार्मिक नगर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के आस पास दुकानों में तंबाकू उत्पाद मिला। दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई तथा विद्यालय से 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद नहीं बेचने का निर्देश दिया। सभी को कोटपा 2003 की धारा 6 बी का पालन करने की बात कही गई। अभियान में जिला नोडल पदाधिकारी डॉ मंजु दास, जिला सलाहकार राहुल कुमार, जिला एन.सी.डी. कोषांग के उमा शंकर मंडल, सोशल वर्कर शुभांकर मैत्रा व अन्य लोग शामिल थे।

बीसीसीएल कर्मी ने न्याय की लगाई गुहार

धनबाद। बीसीसीएल कर्मी बजरंगी भुइंया अपने पड़ोसी की दबंगता से परेशान हो कर न्याय की गुहार लगा रहें हैं। बीसीसीएल कार्मिक नगर स्थित क्वाटर में रहने वाले बीसीसीएल कर्मी बजरंगी भुइंया और उनकी पत्नी पिंकी देवी और बच्चों के साथ पड़ोसी के द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। मारपीट में कर्मी के पत्नी पिंकी देवी के सर पर गहरी चोट आई है जिनका इलाज सेन्ट्रल अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित परिवार बजरंगी भुइया ने बताया की पडोस में रहने वाले अक्षय लाल कुशवाहा और उनके बेटे के द्वारा लगातार उनके परिवार वालों को गाली गलौज और जाती सुचक शब्दों का प्रयोग कर डराया धमकाया जाता है। बीती रात पत्नी और बच्चे घर पर थे तभी अचानक से पड़ोसी द्वारा हमला कर दिया गया।

भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस के अवसर पर विशाल मोटरसाइकिल रैली एवं आभार यात्रा निकला

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को अपने आवासीय कार्यालय जगजीवन नगर से विशाल मोटरसाइकिल रैली एवं आभार यात्रा निकाला गया। यह मोटरसाइकिल रैली जगजीवन नगर से निकलकर सरायढेला, रणधीर वर्मा चौक, धनबाद स्टेशन, नया बाजार होते हुए बैंक मोड़, पूजा टॉकीज सिनेमा ,बेकारबाँध, लुबी सर्कुलर रोड सिटी सेंटर, पुलिस लाइन होते हुए पुनः जगजीवन नगर तक आया।

आभार यात्रा में जिला महामंत्री मानस प्रसून, जिला मंत्री पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, जिला उपाध्यक्ष अजय निषाद, रीता यादव, अभिमन्यु कुमार, नरेन्द्र त्रिवेदी, रवि सिन्हा, भाजयुमो जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, तमाल राय, मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता, संजय कुशवाहा, किशोर मंडल, सन्नी रवानी, सूरज पासवान, गोविंदा राउत, निर्मल प्रधान, मौसम सिंह, विकाश मिश्रा, शिवेन्द्र सिंह सोनू, राजकुमार मंडल, बबलू सिंह, बबलू फरिदी, मनोज रिंकू सिन्हा, कपिलदेव पासवान, सदानंद बरणवाल, बालमुकुंद राम, सत्येंद्र ओझा, हुल्लास दास, इंद्रकांत झा, मनोज गुप्ता, ओमप्रकाश झा, मनोज सिंह भवानी, राणा सिंह, पप्पू गुप्ता, विजय ठाकुर, टिंकू साव, कामदेव उर्फ आनंद, विकाश सिन्हा, दीपक सिंह, विजय रजक, राजू मालाकार, धीरज तिवारी, मनीष पांडे, संतोष पासवान, उदय सिंह, अखिलेश झा, संतोष सिंह, मदन तिवारी, अरविंद सिंह, मोती महतो, प्रकाश मिश्रा, छोटू दास, मटुकधारी चौधरी, नीरज सिन्हा, संजय गोस्वामी, लक्ष्मण मिश्रा सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खास बातें : मोटरसाइकिल रैली आभार यात्रा में पाँच सौ से ज्यादा मोटरसाइकिल लेकर सभी सातों मंडलों से कार्यकताओं का हुजूम पुरी आभार यात्रा में शामिल हुआ।आभार यात्रा में शामिल सभी युवा कार्यकर्ता जोश एवं उमंग से भरे थे।इस अवसर पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने पार्टी के सभी कार्यकताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई दी।विधायक ने कहा कि आज के दिन हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी सहित उन सभी महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं बल्कि यह एक ऐसी विचारधारा है।

जिंदगी और मौत से लड़ रही धनबाद की बेटी राजनंदिनी

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। चिरकुण्डा के रहनेवाले इंद्रजीत चक्रवर्ती की 15 साल की बेटी राजनंदिनी इन दिनों जिंदगी और मौत से लड़ रही है। वह गंभीर बीमारी से पीड़ित है और उसे हर दस मिनट पर अटैक आता है। जिसमे उसके शरीर में खींचाव होने लग जाता है उसके कान नाक और मुँह से खून भी आने लग जाता है।

राजनंदिनी के पिता इंद्रजीत का कहना है कि पिछले साल भर से उनकी बच्ची परेशानी में है। इंद्रजीत चक्रवर्ती का कहना है कि उनकी पुत्री को हर दस मिनट में स्प्रे देना पड़ता है। चार से पांच स्प्रे एक दिन में खर्च हो जाता है। एक स्प्रे की कीमत 450 रु है। उन्होंने बताया कि इस समय वे आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने बताया बच्ची की बीमारी का अबतक पूरी तरह से पता नहीं लग पाया है।

डॉक्टर हाइयर सेंटर ले जाने की सलाह दे रहे हैं। इसी महीने 12 अप्रैल को अपनी पुत्री का इलाज कराने वेल्लोर लेकर भी जानेवाले है और अब उन्हें आर्थिक सहयोग की जरूरत है। इस बीच डीसी से लेकर कई जनप्रतिनिधि तक आर्थिक सहयोग की गुहार भी लगा चुके हैं। समाजसेवी अंकित राज गढ़िया ने बताया कि बच्ची की बीमारी अबतक पकड़ में नहीं आई है। पिता बच्ची को लेकर वेल्लोर जानेवाले हैं जिसके लिए उन्हें आर्थिक सहयोग देने की आवश्यकता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर कोलफील्ड चिल्ड्रेन क्लासेस ने चलाया सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता

खबर मन्त्र संवाददाता

झरिया। सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर झरिया कोयला क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव के बच्चों और लोगों में जागरूकता लाने के लिए कोलफील्ड चिल्ड्रेन क्लासेस (सीसीसी) ने घर-घर जाकर अभियान चलाया। रैली निकाली व बच्चों को स्वच्छता किट प्रदान की। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जांच सुविधाओं की मांग की। शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता पिनाकी रॉय के नेतृत्व में डिपुधोरा (लोदना) में करीब 36 बच्चों और लोगों ने कोयला प्रभावित गांव में घूमकर स्वच्छ रहें, सुंदर रहें, स्वस्थ रहें, अपना स्वास्थ्य - अपना धन हमें देवालय नहीं' चिकित्सालय दीजिए। डीएमएफटी फंड लागू करे, लागू करें जैसे नारे दिए। जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) से अच्छी स्वच्छता और स्वास्थ्य जांच सुविधाओं की मांग की।

मुंबई वायुसेना अस्पताल में कार्यरत कमांडो डॉक्टर राज मोहन (कैंसर विशेषज्ञ) के आर्थिक मदद से 20 बच्चों को तौलिया, कंघी, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साबुन, नेल कटर, शैंपू, हेयर ऑयल आदि से युक्त स्वच्छता किट प्रदान कर स्वास्थ्य योजना शुरू की गई।

कोलफील्ड चिल्ड्रेन क्लासेज, झरिया के संस्थापक पिनाकी रॉय ने कहा कोयला क्षेत्र झरिया में स्वास्थ्य और स्वच्छता मुख्य चिंता का विषय है, हम (सीसीसी) छोटे स्तर पर बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हम अपील करते हैं कि धनबाद जिला प्रशासन विभिन्न कोलियरी क्षेत्रों में ईएसआई अस्पताल जैसे कई अस्पताल खोलने की योजना बनाए।

कुमारधुबी स्टेशन समीप कुंदन रवानी की दर्दनाक मौत, पुलिस जांच में जुटी

खबर मन्त्र संवाददाता

कुमारधुबी। कुमारधुबी स्टेशन में रविवार के रात लगभग 10 बजे कुंदन रवानी नामक व्यक्ति द्वारा चाकू मारने के क्रम में मौत हो गई। वही इस घटना की सूचना के बाद चिरकुंडा पुलिस मौके पर पहुंची और खनन फानन में कुंदन रवानी को कुमारधुबी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस के द्वारा धनबाद पीएमसीएच भेज दिया वही धनबाद पीएमसीएच ले जाने के क्रम में ही कुंदन रवानी की मौत मौके पर ही हो गए। वही चिरकुंडा थाना प्रभारी रामजी राय ने कहा कि करीब रात 10:30 बजे सूचना मिली थी कि कुंदक मारपीट में जख्मी हो गया है, सूचना मिलते ही हम लोग घटनास्थल पर पहुंचे और जख्मी हाल में कुंदन रवानी को कुमार देवी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसकी हालत गंभीर थी जिसे देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एंबुलेंस द्वारा धनबाद पीएमसीएच भेज दिया गया। वही ले जाने के क क्रम में ही में ही उसकी मौत मौके पर ही हो गई। उनके परिवारगण धनबाद में है।

खबर एक नजर में

कलश यात्रा के साथ मारुति नन्दन महायज्ञ सह वार्षिक महोत्सव शुरू

कतरास। जमुआटांड उपर टोला में मारुति नन्दन महायज्ञ सह तृतीय वार्षिक महोत्सव का शुभारंभ कलश यात्रा सह शोभा यात्रा का के साथ शुरू हुआ। कन्या व महिलाएँ सिर पर कलश लिए शोभायात्रा में शामिल थी। आचार्य सोनू कश्यप जी एवं उनके सहयोगियों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा जमुआटाड़ ऊदलबानी बस्ती होते हुए कतरी नदी तक पहुँची। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। झांकियां और भव्य साज-सज्जा यात्रा की शोभा बढ़ाई। 12 अप्रैल तक चलने वाली इस महायज्ञ में प्रत्येक दिन हवन, पाठ, संध्या आरती एवं भंडारा का कार्यक्रम निर्धारित है।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला पुलिस जांच में जुटी

कतरास। कतरास में कलाली फाटक पेट्रोल पंप के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से खलबली मच गयी। उसकी उम्र 40 के आस पास बताया जा रहा है। थानेदार असीत कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने की कोशिश हो रही है। संभावना जताई जा रही है कि मौत सुबह में हुई है। वह बैगनी कलर का शर्ट और कत्था कलर का पैंट पहने हुए हैं तथा बीसीसीएल का जूता पहने हुए है। कोल कर्मी होने का अनुमान लगाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नही हुई है।

स. शि. वि. मंदिर बाघमारा में भैया बहनों को दी गई सुवर्णप्राशन की चौथी खुराक

कतरास। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बाघमारा में वरिष्ठ आचार्यों ने धन्वंतरि भगवान के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर किया गया। आचार्य राजेश कुमार ने बताया कि हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। यह दिन व्यक्ति को अच्छे स्वास्थ्य की अहमियत का अहसास करवाता है। इस दिवस को पहली बार 07 अप्रैल,1950 को मनाया गया था, लेकिन इसकी शुरूआत साल 1948 में हुई थी। क्योंकि इसी दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई थी। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को बीमारियों की रोकथाम, सेहतमंद जीवनशैली और सभी के लिए स्वास्थ्य सुविधा के बारे में जागरूक करना है। आचार्य राजेंद्र प्रसाद ने स्वास्थ्य और सेहत से जुड़ी महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। आचार्या संध्या सिन्हा के शिशु वाटिका के भैया-बहनों को सुवर्णप्राशन की चौथी खुराक दी गई।

लोयाबाद एवं पड़ोस इलाके में बिजली संकट

लोयाबाद। रविवार शाम से लोयाबाद में बिजली की समस्या उत्पन्न हो गयी है। 15 घंटे से अधिक समय से इलाके में बिजली नहीं है। जेवीएनएल और बीसीसीएल दोनों की बिजली सप्लाई ठप है। हटिया गोलाई के पास ट्रांसफार्मर के केबल में आग लगने से जेवीएनएल के लगभग आठ हजार उपभोक्ता प्रभावित हुए हैं। दूसरी ओर बीसीसीएल के पीबी एरिया में लाख 32 हजार केवीए ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आ गयी है। कोकप्लांट, पुटकी, न्यूड्रीफ्ट और लोयाबाद की करीब 70 हजार आबादी अंधेरे में है। बीसीसीएल क्षेत्र में शनिवार रात से और जेवीएनएल क्षेत्र में रविवार सुबह से मरम्मत का काम चल रहा है।

त्रिपति बालाजी रिफैक्ट्री में करंट लगने से मजदूर की मौत, मुआवजा के लिए प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

मैथन। कुमारधुबी के बरडंगाल स्थित त्रिपति बालाजी रिफैक्ट्री में सोमवार के सुबह लोहे की सीढ़ी से गिरकर दैनिक मजदूर ललन भूइंया (30) की मौके पर ही मौत हो गई। करंट लगने से उसकी मौत होने की बात कही जा रही है। उसे स्थानीय नर्सिंग होम ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कुमारधुबी पुलिस नर्सिंग होम पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। वहीं सूचना पाकर परिजन रिफैक्ट्री पहुंचे। ललन की मौत के लिये रिफैक्ट्री संचालक को दोषी माना और हंगामा किया। दस लाख मुआवजा की मांग करते हुए एक घंटे तक प्रदर्शन किया। बाद में साढ़े तीन लाख मुआवजा देने पर सहमति बनी। रिफैक्ट्री संचालक द्वारा मृतक की मां को पचास हजार नगद व डेढ़ डेढ़ लाख का दो चेक दिया गया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि जूनकूंदर निवासी मृतक ललन काम करने के दौरान लोहे की सीढ़ी पर चढ़ा। बिजली का तार एक जगह नंगा था। जिससे सीढ़ी में करंट आ गया था। मृतक ललन करंट की चपेट में आ गया। जब तक वहां कार्यरत मजदूर कुछ समझ पाते मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। मृतक के पिता जूनकुंदर निवासी कुलेजन भूइयां ने बताया की बेटा ललन रोजाना की तरह सुबह काम करने रिफैक्ट्री गया था। कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली की वह बीमार है व एक निजी नर्सिंग होम में उसका इलाज चल रहा है। रिफैक्ट्री आने पर पता चला कि दुर्घटना में उसकी मौत हो गई है। मृतक ललन बड़ा बेटा था। एक छोटा बेटा तथा दो बेटी भी है। कहा कि रिफैक्ट्री प्रबंधक की लापरवाही से उसके ललन की मौत हुई है। मजदूरों ने कहा कि पत्थर पिसाई करने के लिए जैसे ही वह लोहे की सीढ़ी पर चढ़ा उसे करंट लग गया। सीढ़ी के पास से एक तार गया हुआ था जो कटा रहने के कारण सीढ़ी में सट गया और पूरी सीढ़ी में करंट आ गया।

घटना से दहशत में हैं मजदूर

रिफैक्ट्री में कार्यरत मजदूरों में घटना के बाद दहशत का माहौल है। दबी जुबान से कहा कि काम के दौरान सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं रखा जाता है। सुरक्षा के लिये टोपी जूता व अन्य सामान नहीं दिया जाता है। प्राथमिक उपचार व एंबुलेंस की व्यवस्था नहीं है। उचित काम का उचित दाम (मजदूरी) नहीं दी जाती है। अपना और परिवार का पेट भरने के लिये जान जोखिम में डालकर काम करना पड़ता है।

कसमार में श्रद्धापूर्वक हर्षोल्लास के साथ शांतिपूर्वक रामनवमी सम्पन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के विभिन्न गांवों में रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर कसमार चौक स्थित बजरंगबली मंदिर के अलावा मंजुरा गर्री बगदा खैराचातर सिंहपुर सुरजुडीह दांतु मोचरो धधकिया सोनपुरा व अन्य गांव में पूजा-अर्चना की गई। कसमार में महावीर मंदिर परिसर से महावीरी झंडे के साथ श्रद्धालुओं ने जुलूस निकाला जो दुर्गा मंडप रजवार टोला गोस्वामी टोला मुख्य पथ बाजार टांड कसमार प्रखंड मुख्यालय होते हुए मोचरो तक गया। जुलूस के साथ जगह-जगह महावीरी झंडे का पुजा अर्चना भक्तों ने किया। जुलूस में शामिल लोग लाठी तलवार भाला व अन्य परम्परागत हथियारों से लैस थे। जगह-जगह लाठी खेल व तलवारबाजी का करतब कलाकारों ने दिखाया। इस दौरान जुलूस में कलाकारों द्वारा मंजूरा में राम दरबार की आकर्षक झांकी भी निकाली गई। सभी लोग माथे पर केसरिया पट्टी बांधकर रामलखन जानकी-जय बोलो हनुमान की, जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर तेलमुंगा में जायसवाल समाज की ओर से शरबत व फलाहार की भी व्यवस्था की गई थी। इधर जुलूस में शांति व्यवस्था के लिए कसमार सीओ प्रवीण कुमार एवं थाना प्रभारी भजन लाल महतो के नेतृत्व में दर्जनों पुलिस बल जगह जगह तैनात किया गया था। इससे पूर्व सुबह से ही प्रशासन की टीम अलग अलग जुलूस के स्थान एवं मंदिरों में तैनात थी। इस दौरान अविनाश चौबे समेत सैकड़ों ग्रामीण जुलूस में शामिल थे। इधर राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद कसमार प्रखंड के मधुकरपुर में चैती दुर्गा पूजा एवं रामनवमी जुलूस में शामिल हुए। इधर कसमार प्रखंड के मंजूरा में रामनवमी पूजा समिति की ओर से राम दरबार की आकर्षक झांकी के साथ जुलूस निकाला गया। इस दौरान मंजूरा बजरंग बली मंदिर से जुलूस एवं झांकी की शुरूआत हुई जो मंजूरा बस्ती के विभिन्न टोले का भ्रमण करते हुए राम लखन टुंगरी मंदिर परिसर तक गया जहां मंदिर में भगवान श्री राम के पदचिन्हों की पूजा अर्चना कर वापस मंजूरा तक झांकी मेन रोड तक पहुंची। इस दौरान राम दरबार की झांकी में पायल झा ने सीता की मेधा कुमारी ने भगवान श्री राम की काजल कुमारी ने लक्ष्मण की एवं श्रीपद महतो ने हनुमान की भूमिका निभाई।

जारंगडीह लोकल सेल मे हिस्सेदारी को लेकर गहराया विवाद

झगड़े तक पहुचा मामला, बीच बचाव के बाद हुए शांत

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/जारंगडीह। जारंगडीह स्थित जगरनाथ होटल के समीप सोमवार को अचानक एक भारी विवाद देखने को मिला जब जारंगडीह लोकल सेल में हिस्सेदारी को लेकर खेतको गांव का गुरुप जारंगडीह लोकल सेल में गाड़ी का कांटा रोकने पहुच गए। जिसके बाद सेल के डीओ धारक इस बात को लेकर विवाद करने लगे की आपका आपसी विवाद है आप कांटा रोक नही सकते। इसके बाद बंद समर्थक और डीओ धारकों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई मगर मामला बिगड़ने से पुर्व कुछ लोगो द्वारा बीच बचाव कर मामले को शांत करवाया। मिली जानकारी के अनुसार जारंगडीह सेल में हिस्सेदारी के तहत खेतको गांव के विस्थापितों को छह गाड़ियां दी गई है जिसमें तीन गाड़ी मुस्लिम समुदाय व तीन दुसरे समुदाय के बीच बंटी है मगर मुस्लिम समुदाय को मिलने वाली तीन गाड़ियों में अब वही के लोग अलग गाड़ी की मांग कर रहा है मगर पुर्व से गाड़ियों के बंटवारे की कमेटी इस बात पर अड़ी है कि मांग करने वाली गुट को वे गाड़ी नही बल्कि उससे होने वाले कमाई का हिस्सा देगे मगर इस बात से उक्त गुट तैयार नही है। बढ़ती विवाद को देख यही कहा जा सकता है कि अगर समय रहते इस विवाद को नही सुलझाया गया तो निश्चित ही कोई बड़ा हादसा देखने को मिल सकती है।

स्पीड न्यूज

बोकारो थर्मल के मुर्गी फार्म में लगी आग

बेरमो। बेरमो ही नहीं एक तरफ देश में रामनवमी पर्व को लेकर लोग हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं, वही दूसरी ओर बोकारो थर्मल के गोविंदपुर एफ पंचायत के लहरिया टांड़ में बैजनाथ प्रजापति के मुर्गी फार्म में नवमी रविवार की रात अचानक आग लग गई। आग लगने के कारण लगभग 1200 सौ मुर्गियां जल गई वा फार्म में रखे मुर्गा के 15 बोरे दाना जलकर राख हो गई, आग जनी की सूचना मिलने के उपरांत स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। आग कैसे लगी ये जांच का विषय है।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, शिनाखत नहीं

दुमका। जिले के जरमुंडी थाना क्षेत्र के कुशबाद गांव के पास रविवार की देर शाम दुमका-रांची इंटरसिटी ट्रेन से कटकर 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। काफी प्रयास के बाद भी शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सोमवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को तीन दिन के लिए सुरक्षित रख दिया है। देर शाम को पुलिस को सूचना मिली कि गांव के समीप एक युवक ट्रेन की पटरी के पास मृत पड़ा है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच शव कब्जे में लिया। पहचान के लिए युवकों के कपड़ों की तलाशी ली गई। लेकिन ऐसा कुछ नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस का कहना है कि युवक दुमका का रहने वाला नहीं है, अगर होता तो अब तक घरवाले आ जाते। शिनाख्त के लिए आस-पास के थानों को सूचित कर दिया गया है।

केबी कॉलेज बेरमो में शोक सभा का आयोजन

बेरमो। सोमवार को केबी कॉलेज बेरमो में शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें मृत कॉलेज कर्मी की आत्मा की शांति के लिए कॉलेज परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य लक्ष्मी नारायण, प्रो. इंचार्ज प्रो. गोपाल प्रजापति, डॉ अरुण कुमार रॉय महतो, डॉ साजन भारती, डा नीला पूणीर्मा तिर्की, डॉ प्रभाकर कुमार, डॉ शशि कुमार, डॉ वासुदेव प्रजापति, डॉ विश्वनाथ प्रसाद, डॉ सुशांत बैरा, प्रो पी पी कुशवाहा, रविंद्र कुमार दास, सदन राम, रवि यादविंधु, मो साजिद, हरीश नाग, संतोष राम, आशा देवी, कलावती देवी, भगन राम, बालेश्वर यादव समेत कॉलेज परिवार के सभी सदस्यों की उपस्थिति रही।

8 अप्रैल को अधिवक्ताओं की बैठक आहूत

बेरमो। तेनुघाट कोर्ट-तेनुघाट अधिवक्ता संघ की एक बैठक मंगलवार 8 अप्रैल को तेनुघाट अधिवक्ता संघ भवन में आयोजित किया जाएगा। मगर इस बार माननीय झारखंड उच्च न्यायालय के द्वारा प्रात कालीन सत्र को समाप्त कर दिवाकालीन सत्र कर दिया गया है। इसी को लेकर बैठक बुलाई गई है। उक्त बातों की जानकारी अधिवक्ता संघ के महासचिव वकील प्रसाद महतो ने दी और आगे बताया कि बैठक की अध्यक्षता अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा के द्वारा किया जाएगा।

बेरमो मे घरों की बाते तो दुर अब स्कूलों में भी होने लगी चोरी

चोर पुलिस को दे रहे हैं चुनौती पर बेरमो पुलिस चोर को पकडे मे हो रहे नाकाम

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र अन्तर्गत रामविलास प्लस 2 रोजगारमुखी विधालय बेरमो मे लगातार चोरी की घटना को अज्ञात चोरो के द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। जिससे लेकर विधालय के प्राचार्य रामाशीष चौधरी ने बेरमो थाना में बताया कि 22 मार्च से ही चोरों के द्वारा बिजली की तार सहित अन्य समान की चोरी की गई है। जिसकी जानकारी बेरमो थाना को दिया गया। बताया कि 01 अप्रैल को भी चोरो के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। वही विद्यालय पत्रांक-73/03/25 दिनांक 22.03.25 पत्रांक 80/04/25 दिनाक 03.04.25 पत्रांक 81/04/25 दिनांक 04/04/25 के द्वारा अराजक तत्त्वों द्वारा निरंतर विद्यालय की संपति को नुकसान क्षतिग्रस्त करने से संबंधित आवेदन दिया गया है। दिनाक 05.04.25 को पूर्वाह्न 07.00 बजे विद्यालय भवन के कमरा संख्या 15,16 तथा मुख्य भवन में बरामदा में संचालित विद्युत वायरिंग तथा सीसीटीवी कैमरा वायरिंग को क्षतिग्रस्त करते हुए तार तथा 05 पखा इत्यादि की चोरी की गई है। विद्यालय सभागार व्यवसायिक 2 पुरानी भवन में भी पूर्व क्षतिग्रस्त किए गए बिजली तारों की चोरी की गई है। विद्यालय के सभी छात्र छात्राएं तथा शिक्षक निरंतर हो रही घटना से काफी भयभीत है। गर्मी के महिने में बिना बिजली तथा पंखे के शिक्षण निरंतर हो रही घटना से काफी भयभीत है।

रामनवमी पर कंट्रोल रूम में पूरी तरह मुस्तैद रहीं डीसी विजया जाधव व एसपी मनोज स्वर्गियारी

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सुबह से ही स्वयं उपायुक्त विजया जाधव एवं पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी स्वयं मोर्चा संभाले हुए थे। द्वय पदाधिकारियों ने सुबह से ही कंपोजिट कंट्रोल रूम का जायजा लेकर जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर लगे सीसीटीवी और उसके लाइव प्रसारण को देखा। प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों से हर गतिविधि की निगरानी करने का निर्देश दिया। डीसी झ एसपी ने चास एवं बीएससिटी के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर विधि झ व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही कई स्थानों पर अखाड़ा समिति को ससमय जुलूस निकालने की अपील किया। डीसी-एसपी ने नया मोड़ माराफारी के रितुडीह सिवनडीह स्थित मिनी कंट्रोल भी पहुंचे। वहां कुछ समय बैठ प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों से कितने जुलूस निकले और कितने राम मंदिर की ओर प्रस्थान किए इसकी जानकारी ली। फिर द्वय पदाधिकारी ने नया मोड़ होते हुए हरला थाना के बसंती मोड़ सेक्टर फोर पत्थरकट्टा चौक राम मंदिर चास धर्मशाला मोड़ चीरा-चास आदि क्षेत्रों का दौरा किया। द्वय पदाधिकारियों ने सीसीटीवी (तीसरी आंख) के माध्यम से चास जरीडीह नावाडीह चंद्रपुरा बेरमो पेटरवार कसमार गोमिया चंदनकियारी क्षेत्रों का जायजा लिया। जिला प्रशासन ने सभी संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरा इंस्टाल कराया जिसकी निगरानी कंपोजिट कंट्रोल रूम से नियमित की जा रही थी। साथ ही कई स्थानों पर ड्रोन कैमरे से भी निगरानी की गई। मौके पर डीपीएलआर निदेशक मेनका अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर तम्बाकू के दुष्प्रभाव पर सेमिनार का आयोजन

तम्बाकू के साथ साथ गुल के उपयोग से भी होता है मुंह का कैंसर: जिला परामर्शी

▸▸ तम्बाकू मनुष्य के शरीर में 4000 से अधिक बीमारियां पैदा कर सकता है

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर डॉ अभय भूषण प्रसाद सिविल सर्जन बोकारो के निदेर्शानुसार डॉ एस. राधाकृष्णन कॉलेज आफ एजुकेशन चिकसिया चास बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल के प्रभारी प्राचार्य मो. गुलाम रसूल अंसारी के द्वारा किया गया। स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि डॉ नेहा वर्मा दन्त चिकित्सक सामु. स्वा. केन्द्र चन्दनकियारी बोकारो एवं मो. असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम, नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान कैसे किय जाये और इसमें बच्चों की क्या जवाबदेही है इसके बारे में बताया विस्तृत जानकारी दी गई।

डॉ नेहा वर्मा दन्त चिकित्सक के द्वारा सभी बच्चों को मुंह के कैंसर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही सभी को ब्रशिंग टेकनीक के बारे में बताया गया। डॉ नेहा ने बताया कि ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे 2019 के सर्वे के अनुसार झारखण्ड में 5.1 प्रतिशत बच्चे 13 से 15 आयुवर्ग में ही तम्बाकू का सेवन करना शुरू करते है जो आगे चल कर यही बच्चे अपने साथियों को तम्बाकू उपयोग करने हेतु प्रेरित करते हैं। इसी पर निगरानी हेतु भारत सरकार द्वारा टाफी गाईडलाईन का अनुपालन सभी विद्यालय में सख्ती से लागू करने हेतु आदेशित किया गया है जिसका अनुपालन बोकारो जिला में किया जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग की डीसी ने की समीक्षात्मक बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। समाहरणालय सभागार में समाज कल्याण विभाग से संबंधित समीक्षात्मक जिला प्रशासन की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने की। समीक्षा के क्रम में डीसी ने दुमका जिला अंतर्गत सेविका एवं सहायिका के रिक्त पद पर जल्द से जल्द आमसभा कर चयन प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वीएचएसएनडी, सीबीई, पोषण ट्रैकर की गतिविधियों से संबंधित प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई। सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को परियोजना अंतर्गत सभी सेविकाओं को पोषण ट्रैकर में ऑनलाइन एंट्री करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने डीएमएफटी मद से दिए गए सभी सामग्रियों जैसे एएनसी बेड, टैब मोबाइल इत्यादि का उपयोग सेविका द्वारा करने का निर्देश दिया गया। कहा कि सभी महिला सुपरवाइजर को अनबद्ध निधि से टैब दिया जायेगा। समीक्षा के क्रम में सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को आंगनवाड़ी मे पोषण वाटिका लगाने के लिए निर्देश दिया गया। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जनता दरबार में डीसी ने की सुनवाई

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 46 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया गया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा दर्जनों मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, सामान्य शाखा, जिला आपूर्ति, भूमि पर कब्जा, राजस्व, चास अंचल, आपूर्ति विभाग, विशेष प्रमंडल, लीड बैंक मैनेजर, अंचल कार्यालय चंदनकियारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर मो मुमताज अंसारी सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

बोकारो में चैती दुर्गा पूजा में श्रद्धालुओं ने की पूजा अर्चना

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो नगर के सेक्टर 4 डी स्थित संत रविदास मोड़ पर तिवारी पान दुकान के पास हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैती दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया गया। पूजा पंडाल में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित कर श्रद्धा पूर्वक पूजा की गई। अष्टमी पूजा के बाद नौवीं पूजा में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पूजन व आरती में लोग उत्साह पूर्वक शामिल हुए। खीर प्रसाद का वितरण भी किया गया। बबलू तिवारी सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। मां का दर्शन करने के लिए यहां अन्य सेक्टरों से भी लोग भारी संख्या में पधारे और भगवती के पूजन कार्यक्रम में भाग लेते हुए माँ से मन्नतें मांगी। पूजा पंडाल के पास बच्चों के लिए झूला व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए मंच की व्यवस्था भी की गयी। बच्चे गीत-नृत्य में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिए। सेक्टर 6 दुर्गा मंदिर सेक्टर 2 काली मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी चैती दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया गया।

जहरास्थल पर गोंदू मांझी के वंशजो ने मनाया सरहूल

▸▸ आदिवासी विधि विधान से पूजा अर्चना कर बांटी गई प्रसाद

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/जारंगडीह। जारंगडीह दक्षिणी पंचायत के बंद खदान के बंद बत्ती घर के समीप सैकड़ों साल पुराने सरना स्थल (जहरास्थल) पर खाता संख्या 5 के भूमि के रैयत गोंदू मांझी के वंशजो द्वारा पुरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर सरहूल मनाया गया। इस मौके पर रैयत गोंदू मांझी के वंशज बबलू मांझी ने बताया कि दरअसल वे लोग यहां के रैयत है मगर कुछ लोग जाली कागजात बना इस जमीन पर विवाद उत्पन्न कर रहे हैं। जबकि यहां के रैयत होने के कारण हम लोग ही इस सरना स्थल के असली मालिक है। उन्होंने कहा कि यहां पूजा अर्चना करने से कोई रोक नहीं है मगर इसे अपना बता अमुक तारीख पर सरहूल मनाने की घोषणा करना गलत है। उन्होंने अखबारों में छपे खबर का खंडन करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने 13 अप्रैल को यहां पूजा अर्चना करने की घोषणा की है उनका इस जमीन से कोई लेना देना ही नही हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने यह भी कहा कि जारंगडीह मुखिया सुमंती देवी के नेतृत्व में यह पूजा अर्चना सम्पन्न हुआ है। उन्होंने इस धार्मिक स्थल पर किसी भी तरह के सौंदर्यीकरण का जोरदार विरोध किया। कार्यक्रम की शुरूआत आदिवासियों के पाहन अर्जुन हेम्ब्रम द्वारा किया गया। यहां पहुची महिलाओं द्वारा पुरुष द्वारा मांदर के थाप पर आदिवासी संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए लोगो को सम्मानित भी किया गया। जबकि पूजा की समाप्ति के बाद प्रसाद का भी वितरण किया गया। मौके पर विस्थापित नेता मो इस्लाम अंसारी, विधायक प्रतिनिधि सह राकोमयू के एरिया सचिव बबलू फ्रांसिस, पंसस विनोद लाल महतो, मुखिया पति सुदेश भूईया, संजय हेम्ब्रम, सुखदेव मांझी, बालेश्वर राम, महेश कुमार हेम्ब्रम, कांति देवी, सुरजी देवी, बसंती देवी, महादेव मांझी, सीता राम मांझी, मोती राम मांझी अधिवक्ता लक्ष्मी नायक, संतोष महतो, रोहित महतो आदि सैकड़ों की संख्या में आदिवासी महिला और पुरुष उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान रैयत बबलू मांझी ने बताया कि हमारे पूर्वज काफी समय पहले यहां से विस्थापित हो कर तुलबुल के हरदीमोहर साईड बस्ती में बस गए और तब से ही सीसीएल से हक व अधिकार पाने की संघर्ष जारी है। कहा कि हम लोग प्रति वर्ष नियमित इस सरना स्थल पर आते हैं पूजा अर्चना करते हैं मगर अब यहां भी राजनीति होती नजर आ रही है।

एक नजर में

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर डालसा ने चलाया जागरूकता अभियान

दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से सोमवर को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों में पारा लीगल वॉलिंटियर्स के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जागरूक करते हुए उन्हें समझाया गया कि आज के इस माहौल में आधुनिकरण के साथ बीमारियां भी बढ़ती जा रही है। विश्व में फैले रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मलेरिया, कुष्ठ रोग, नेत्र हीनता, पोलियो की गंभीर समस्या, कोरोना जैसी गंभीर बीमारियों को दूर कर पीड़ित मरीजों को इलाज मुहैया कराना एवं कुपोषण को दूर करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है। लोगों को अच्छी सेहत के लिए साफ सफाई, स्वच्छ जल, पौष्टिक भोजन एवं चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए रोजाना योग एवं कसरत अति आवश्यक है।

वेदांता इलेक्ट्रो स्टील में ठेका कर्मी गणेश कुमार नायक की मौत

बोकारो। बोकारो में वेदांता इलेक्ट्रो स्टील लिमिटेड कंपनी में कसमार प्रखंड के दांतू निवासी ठेका कर्मी गणेश कुमार नायक की ड्यूटी के दौरान गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के भतीजे मोहन कुमार नायक ने बताया कि गणेश नायक ए शिफ्ट में गए थे जहां गैस की चपेट में आने से उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। कंपनी प्रबंधन ने परिजनों को सूचना दी कि गणेश नायक की हालत खराब हो गई है और उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा है। परिजन जब अस्पताल बोकारो पहुंचे तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। काम के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई थी। सांसद ढुल्लू महतो को सूचना मिलते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए वेदांत इलेक्ट्रो स्टील प्रबंधन से बातचीत की। कंपनी के अधिकारियों ने मृतक के परिवार वालों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आश्वासन दिया। जिसके बाद तत्काल सहायता के रूप में 2 लाख रुपये और अंतिम संस्कार के लिए 75 हजार रुपये प्रदान किए गए। साथ ही मृतक के परिजन को नौकरी देने का भी वादा किया गया। मृतक गणेश नायक अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। यह दुर्घटना श्रमिकों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है।

पिछरी में मां दुर्गा की नवपत्रिका व कलश का विसर्जन किया गया

बेरमो। पिछरी पंचायत के बस्ती स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर में नवरात्रि के दशमी में मां दुर्गा का पूजा अर्चना कर नवपत्रिका व कलश को मंदिर से गाजे बाजे व मां जयकारे के साथ दामोदर नदी में विसर्जन किया गया। जहां आचार्य महादेव बनर्जी, रासविहारी आचार्या, नरेश पांडेय मंदिर, पुजारी पवन पाठक ने यजमान मुकेश मिश्रा द्वारा विधि विधान से मंत्रोच्चारण कर पंचायत के हथिया पत्थर स्थित दामोदर नदी में विसर्जित किया गया। पूजा में बच्चे, बड़े और बुजुर्ग भी शामिल रहे। पूजा समिति के लोगों ने बताया कि यहां मंगलवार दोपहर को महा भण्डारा का आयोजन किया गया है। वहीं शाम को भव्य झांकी व जुलूस के साथ मां की प्रतिमा की शोभा यात्रा निकालकर दामोदर नदी में विसर्जन किया जाएगा।इस मौके पर पूजा समिति अध्यक्ष गणेश मिश्रा,पूर्व मुखिया छत्रधारी मिश्रा,विरंची मिश्रा, राकेश मिश्रा, जोगन मिश्रा,पंकज मिश्रा,बजरंगी तपन मिश्रा,रामप्रवेश मिश्रा, धीरज मिश्रा, आलोक मिश्रा,कौशल मिश्रा,विवेक मिश्रा, निकु मिश्रा,रंजीत मिश्रा अखिलेश मिश्रा,लव कुश मिश्रा नितेश ठाकुर आदि मौजूद हुए।

एसपी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में विश्व स्वास्थ्य दिवस मना

दुमका। एसपी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम विभाग द्वारा संचालित मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्र एवं मेंटल हेल्थ मिशन इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुई। कार्यक्रम केंद्र के निदेशक सह विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्र के निदेशक सह मेंटल हेल्थ मिशन इंडिया के नोडल ऑफिसर डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य मानवजीवन का अनमोल खजाना है। जिसे संचित और सुरक्षित रखने की आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य को न केवल रोग या विकृति की अनुपस्थिति है बल्कि मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से स्वास्थ्य रहना ही स्वास्थ्य है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता का होना आवश्यक है। गुणवत्ता पूर्ण जीवन व अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छे खान पान, योगाभ्यास आदि के साथ नशामुक्त जीवन आदि के साथ जीवन शैली में बदलाव भी आवश्यक है। आज सोशल मीडिया पर अत्यधिक निर्भरता स्वास्थ्य के कारण मोटापा, शुगर, ब्लड प्रेशर, हृदयघात आदि के साथ टेंशन, डिप्रेशन आदि मानसिक बीमारियों का भी लोग शिकार हो रहे है। डॉ शर्मा ने यह भी कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य बने जितना चुनौतीपूर्ण बात है। उससे कहीं ज्यादा चिंतनीय विषय स्वास्थ्य और शारीरिक अंगों का बढ़ता व्यवसायीकरण है। आज लोग बीमारी से मिलने वाले स्वास्थ्य सुविधाओं और उसके ऊपर होने वाले स्वास्थ्य खर्चों से ज्यादा परेशान और चिंतित नजर आते है। कितने लोग खर्चे के भय से मर जाते है। ऐसे में जरूरत है विकल्प के तौर पर देशी स्वास्थ्य सुविधाओं के वैज्ञानिकता को बढ़ावा देना है। जिससे गरीब भी स्वास्थ्य लाभ ले लंबी जिंदगी जी सके।

स्पीड न्यूज

सभी भाषाओं में सबसे मीठी भाषा है मैथिली : डीआईजी

सहरसा। जिले .के नवहट्टा प्रखंड स्थित बाराही गांव में चैत्र नवरात्र महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। चैत्र नवरात्र महोत्सव बाराही के उद्घाटन में पहुंचे डीआईजी मनोज कुमार ने आयोजन समिति द्वारा आयोजित मैथिली सांझ संगीत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मैथिली भाषा को दुनिया की सबसे मधुर भाषा बताते हुए इसे संरक्षण व संवर्धन के सदप्रयास को लेकर आयोजन समिति को धन्यवाद दिया। मैथिली उद्घोषक किसलय कृष्ण के संचालन में प्रस्तुत कार्यक्रम को संस्कृति व संस्कार को संजोने के लिए प्रासंगिक बताते हुए बाराही ग्रामीणों की जमकर तारीफ किया।

शॉर्ट सर्किट से गेहूं के खेतों में लगी आग

सीवान। जिले में गुठनी प्रखंड के भरौली गांव में सोमवार को शर्ट सर्किट से गेहूं के खेतों में आग लग गई। जिससे करीब 25 एकड़ तैयार फसल जल कर नष्ट हो गयी। मामले की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। सभी अपनी फसल को बचाने में जुट गए। लेकिन आग की तेज लपटों पर काबू पाना मुश्किल हो गया था। ऐसा लग रहा था कि दो तीन गांव के सैंकड़ों एकड़ गेहूं जल कर नष्ट हो जाएगा। लोगों के हौसले पस्त पड़ने लगे थे। लोगों ने पुलिस को कॉल कर मदद की गुहार लगाई। हालांकि डायल 112 नंबर की पुलिस तो आ गई लेकिन वह भी क्या करती।

जापान में हेलीकॉप्टर दुर्घना में तीन लोगों की मौत

टोक्यो। दक्षिण-पश्चिमी जापान के नागासाकी प्रान्त में एक चिकित्सा परिवहन हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीन लोगों की मौत हो गयी। क्योदो न्यूज एजेंसी ने तटरक्षक बल के हवाले से सोमवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर में सवार छह लोगों में से एक 86 वर्षीय महिला मरीज की मौत की पुष्टि घटना के दिन ही हो गई थी, जबकि उसके साथ मौजूद 68 वर्षीय पुरुष परिवार के सदस्य और 34 वर्षीय पुरुष डॉक्टर की सोमवार को मौत की घोषणा की गयी। आपातकालीन चिकित्सा सेवा हेलीकॉप्टर ने रविवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न 1.30 बजे नागासाकी प्रान्त के त्सुशिमा हवाई अड्डे से एक मरीज को फुकुओका प्रान्त के एक अस्पताल में ले जाने के लिए उड़ान भरी थी।

यूनुस ने ट्रम्प को पत्र लिखकर टैरिफ वृद्धि से तीन महीने की राहत मांगी

ढाका। बंगलादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस ने सुस्त आर्थिक विकास और अस्थिरता से जूझ रहे देश के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पत्र लिखकर निर्यात पर लगाए गए 37 प्रतिशत टैरिफ से तीन महीने की राहत मांगी है। द बिजनेस स्टैंडर्ड बीडी के अनुसार इसके अलावा उन्होंने सभी अमेरिकी नियार्तों पर बंगलादेश के आयात शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती की पेशकश की।

किंग में शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका पादुकोण

शाहरुख खान ने साल 2023 में जबरदस्त वापसी की थी। उनकी तीनों फिल्में 'पठान', 'जवान' और 'डंकी' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन किया और उन्हें एक बार फिर बॉलीवुड का 'किंग' साबित किया। हालांकि 2024 में उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई, जिससे फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब उनके प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है शाहरुख जल्द ही फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जिन्होंने 'वॉर' और 'पठान' जैसी ब्लॉकबस्टर एक्शन फिल्मों से खुद को साबित किया है। और अब इस फिल्म से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आई है। दीपिका पादुकोण की 'किंग' में एंट्री हो चुकी है। एक बार फिर शाहरुख और दीपिका की हिट जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर देखने को मिलेगी।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ याचिकाओं पर समय रहते विचार करने को सहमत

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम-2025' की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर समय रहते विचार करेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना तथा न्यायाधीश संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की पीठ ने कुछ याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और ए एम सिंघवी के शीघ्र सुनवाई के लिए 'तत्काल उल्लेख' किए जाने के बाद समय रहते याचिका पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। संसद के दोनों सदनों में संबंधित विधेयक पास होने के बाद पांच अप्रैल को नये कानून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मंजूरी मिल गई। वक्फ (संशोधन) विधेयक (संसद के दोनों सदनों में पारित हो गयी था, लेकिन तब राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली थी) की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाएं पहले ही दायर की जा चुकी हैं। याचिकाएं दायर करने वालों में कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी और दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान शामिल हैं। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, जमीयत उलमा-ए-हिंद, समस्त केरल जमीयतुल उलमा जैसे संगठनों ने भी शीर्ष अदालत में रिट याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाकताओं ने दावा किया कि यह अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक स्वतंत्रता को छीनने की एक खतरनाक साजिश है। उन्होंने तर्क दिया कि यह संशोधन वक्फ के धार्मिक स्वरूप को भी विकृत करेगा और वक्फ तथा वक्फ बोर्डों के प्रशासन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को भी अपरिवर्तनीय रूप से नुकसान पहुंचाएगा। उनकी याचिकाओं में शीर्ष अदालत से अधिनियम को असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26 और 300-ए का उल्लंघन करने वाला घोषित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई। याचिकाओं में प्रतिवादी केंद्र सरकार और कानून एवं न्याय मंत्रालय को इसके प्रावधानों को लागू करने या लागू करने से रोकने का आदेश देने की गुहार लगाई गई है।

न्यायिक क्षेत्र में सहयोग : भारत, नेपाल के सुप्रीम कोर्टों के बीच समझौता

नयी दिल्ली। भारत और नेपाल के न्यायपालिकाओं के बीच आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर सोमवार को हस्ताक्षर किए गए। शीर्ष अदालत की ओर से एक बयान जारी कर यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है, भारत के उच्चतम न्यायालय ने आज दोनों देशों के बीच न्यायिक सहयोग को विकसित करने, बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बयान के मुताबिक, नेपाल के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश मान सिंह राउत और भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह भी कहा गया है कि समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों देशों तथा उनके लोगों के बीच मौजूद सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंधों से प्रेरित होकर उन देशों की न्यायपालिकाओं के बीच सहयोग को विकसित करना, बढ़ावा देना और मजबूत करना है। बयान के मुताबिक, यह समझौता ज्ञापन न केवल कानून और न्याय के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर सूचनाओं के आपसी आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि यात्राओं के आदान-प्रदान?। अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक कार्यक्रमों जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से न्यायपालिका के विभिन्न स्तरों पर न्यायाधीशों और अधिकारियों के बीच बातचीत को भी बढ़ावा देगा। यह पहल लंबित मामलों को निपटाने, अदालती प्रक्रियाओं में तेजी लाने और हितधारकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में प्रौद्योगिकी के उपयोग के महत्व को पहचानते हुए, समझौता ज्ञापन में संबंधित न्यायालयों और अन्य संस्थानों में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी से संबंधित जानकारी साझा करने का प्रावधान है। समझौता ज्ञापन के अनुसार, न्यायिक सहयोग को बढ़ावा देने और उसे और मजबूत बनाने के लिए योजनाओं और तौर-तरीकों पर काम करने के लिए दोनों न्यायपालिकाओं के अधिकारियों से मिलकर एक संयुक्त कार्य समूह बनाया जाएगा। इससे पहले, भारत सरकार और भारत के उच्चतम न्यायालय ने इजरायल के सर्वोच्च न्यायालय, सिंगापुर गणराज्य के सर्वोच्च न्यायालय, बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय, भूटान के सर्वोच्च न्यायालय, ट्यूनीशिया सरकार, जाम्बिया सरकार, मोरक्को सरकार, मालदीव सरकार सहित अन्य देशों/संगठनों के साथ न्यायिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

शेयर बाजार में सुनामी, सेंसेक्स दस माह के सबसे निचले स्तर पर

एक दिन में निवेशकों के 13.42 लाख करोड़ स्वाहा, 543 शेयरों पर लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रेड वॉर गहराने की आशंका और अमेरिका में मंदी के डर ने पूरी दुनिया के स्टॉक मार्केट के लिए आज के दिन को ब्लैक मंडे बना दिया। घरेलू शेयर बाजार भी वैश्विक स्तर पर मचे हड़कंप की वजह से बुरी तरह से ध्वस्त होता हुआ नजर आया। हालांकि दोपहर 1 बजे के बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ हद तक रिकवरी करने में सफल रहे। इसके बावजूद निफ्टी में आज 10 महीने की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 2.95 प्रतिशत और निफ्टी 3.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

अमेरिकी नई टैरिफ पॉलिसी लागू करने के बाद चीन और कुछ अन्य देशों ने भी अमेरिका पर जवाबी कार्रवाई करने का ऐलान करके हड़कंप की स्थिति बना दी है। इसकी वजह से ग्लोबल ट्रेड वॉर शुरू होने और वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक बार फिर मंदी के भंवर में फंसने की आशंका बन गई है। इसी डर की वजह से दुनिया के दूसरे शेयर बाजारों की तरह ही घरेलू शेयर बाजार में भी आज जोरदार गिरावट का रुख बना। इस गिरावट की वजह से 543 शेयरों पर लोअर सर्किट लग गया। दिन भर के कारोबार में 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वाहा हो गई। आज के कारोबार की शुरूआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। पहले सत्र में ही शेयर बाजार में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई थी। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली करके बाजार को संभालने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी कुछ हद तक सुधरने में सफल भी रहे।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स बिकवाली के दबाव में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। मेटल, रियल्टी, ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बड़ी गिरावट का शिकार हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 4.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 389.92 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 403.34 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 13.42 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,225 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 576 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,505 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 144 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी के कारण वैश्विक बाजारों में भारी गिरावट

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा हाल ही में लागू की गई टैरिफ नीतियों का वैश्विक बाजारों में असर देखने को मिल रहा है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर के बाजारों में नाटकीय रूप से गिरावट आई है। नैस्डैक-100, एसएंडपी 500 और निक्केई 225 वायदा जैसे प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट देखी गई। निक्केई वायदा में सर्किट ब्रेकर सक्रीय हो गए। वायदा बाजारों ने इस वर्ष अमेरिका में लगभग पांच चौथाई अंकों की ब्याज दर में कटौती की, जिसके कारण ट्रेजरी मुनाफे में तेज गिरावट आई और डॉलर कमजोर हुआ।

आज की गिरावट के पीछे मुख्य कारण दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता व्यापार संघर्ष है। अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने के बाद, चीन ने कई अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाकर जवाब दिया, जिसके कारण चीनी शेयर बाजार में शुरूआती दौर में 10 प्रतिशत की गिरावट आई। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि निवेशकों को अपना उपचार करना होगा और जब तक अमेरिका का व्यापार घाटा ठीक नहीं हो जाता, तब तक चीन के साथ कोई सौदा नहीं होगा। इस कारण से अनिश्चितता और बढ़ गई है।

एशिया में हुआ सबसे ज्यादा नुकसान : बाजारों में भय का माहौल है जिसमें सबसे ज्यादा नुकसान एशिया में हुआ है। जी हां, जापान के निक्केई में 7 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 5 प्रतिशत और हांगकांग के हैंग सेंग में 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। ऐसे में बाजार की नकारात्मक भावना ने भारत को भी प्रभावित किया, जहां आज सुबह के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में 3.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखी गई। इस उथल-पुथल के बावजूद, ट्रंप ने अपने टैरिफ का बचाव करते हुए कहा कि दुनिया के नेता सौदा करने के लिए उत्सुक हैं।

पांच दोषियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा

50-50 हजार रुपये जुमार्ने की अतिरिक्त सजा

अररिया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने आठ साल पहले गला दबाकर हत्या करने वाले पांच दोषियों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा के साथ 50-50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है।कोर्ट ने अपने फैसले में हत्या के अपराध के साथ ही साक्ष्य छुपाने के मामले में पांच वर्षों के साथ 10-10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। साथ ही न्यायालय ने दोनों ही धाराओं में सजा साथ चलाने का आदेश अपने निर्णय में दिया है। मामला अररिया थाना प्राथमिकी कांड संख्या 585/2016 से सबंधित हैं । सजा पाने वाले दोषियों में लालटू उर्फ अरविंद यादव पिता भोला नाथ यादव,अशोक यादव पिता स्वर्गीय तुलसी प्रसाद यादव,अशोक साह पिता परमानंद साह,नरेन्द्र कुमार यादव पिता जीतन लाल यादव है। सभी दोषी महलगांव थाना क्षेत्र बागनगर के रहने वाले हैं।वहीं पांचवां दोषी महलगांव थाना क्षेत्र के मलहरिया गांव के बीरेंद्र यादव पिता मोहन लाल यादव हैं। प्राथमिकी कन्हैया यादव पिता मायानन्द यादव के द्वारा दर्ज कराई गई थी।दोषियों ने 6 सितम्बर 2016 को दिन के 4 बजे गांव बागनगर महलगांव चौरा शिव मंदिर के निकट एबीसी नहर में आपसी विवाद में कन्हैया यादव के भाई मुरली यादव की गला मरोड़कर हत्या कर दी थी और लाश को नहर के पानी में छुपा दिया था । सजा की बिंदु पर सुनवाई करते हुए बचाव पक्ष के अधिवक्ता कृष्ण मोहन सिंह और देव नारायण सेन ने कोर्ट से कम उम्र का हवाला देते हुए कम से कम सजा सुनाए जाने की गुहार लगाई।

मुर्मु दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर लिस्बन पहुंची

एजेंसी

लिस्बन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रविवार रात पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं, जहां वह पुर्तगाली नेतृत्व के साथ वार्ता करेंगी। किसी भी भारतीय राष्ट्रपति की पुर्तगाल यात्रा 27 वर्षों के अंतराल के बाद हो रही है, तथा ऐसे समय हो रही है जब भारत और पुर्तगाल अपने राजनयिक संबंधों की पुनः स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

भारत की ओर से पुर्तगाल की अंतिम राजकीय यात्रा 1998 में राष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने की थी। श्रीमती मुर्मु की पुर्तगाल यात्रा राष्ट्रपति मासेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर हो रही है।

श्रीमती मुर्मु अपने समकक्ष राष्ट्रपति डी सूसा से मुलाकात करेंगी और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वह प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो और नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको से भी मुलाकात करेंगी। भारत और पुर्तगाल के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं, जो वर्षों से विकसित होकर एक आधुनिक, बहुआयामी और गतिशील साझेदारी में बदल चुके हैं, जिसकी विशेषता सहयोग के कई क्षेत्रों में मजबूत विकास एवं विस्तार है। एक बयान में कहा गया कि यह यात्रा पुर्तगाल के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को और ज्याद प्रोत्साहन तथा नई गति प्रदान करेगी। श्रीमती मुर्मु इसके बाद नौ से 20 अप्रैल तक स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पर रहेंगी।

दुबई के क्राउन प्रिंस आज से भारत दौरे पर

नयी दिल्ली। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम मंगलवार से दो दिन के भारत दौरे पर आ रहे हैं। भारत में यह उनका पहला आधिकारिक दौरा होगा। यह जानकारी विदेश मंत्रालय (टएअ) ने आज सोमवार को दी। प्रिंस हमदान न सिर्फ दुबई के युवराज हैं, बल्कि वे यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री भी हैं। उनके साथ कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को शेख हमदान के सम्मान में एक विशेष लंच) आयोजित करेंगे। इसके अलावा, क्राउन प्रिंस की विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात होगी। प्रिंस दिल्ली के बाद मुंबई भी जाएंगे। जहां वे भारत और यूएई के प्रमुख व्यापारिक नेताओं के साथ एक व्यापारिक बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक का उद्देश्य भारत और दुबई के बीच व्यापारिक रिश्तों खासकर पारंपरिक और भविष्य की तकनीकों से जुड़े क्षेत्रों को और मजबूत करना है।

10 साल में बांटे गये 32 लाख करोड़ से अधिक के लोन

पीएम मुद्रा योजना

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 10 वर्षों में 32.61 लाख करोड़ रुपए वैल्यू के 52 करोड़ से अधिक लोन दिए गए हैं। यह जानकारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। बताना चाहेंगे पीएम मुद्रा योजना 8 अप्रैल, 2015 को लॉन्च की गई थी और मंगलवार को इस योजना को 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

छोटे शहरों,गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद : इस योजना से छोटे शहरों और गांवों तक कारोबार बढ़ाने में मदद मिली है। इससे पहली बार कारोबार करने वाले लोगों को प्रोत्साहन मिला है। एसकेओसीएच की ह्लआउटकम्स ऑफ मोदीनॉमिक्स 2014-24? रिपोर्ट के अनुसार, ह्व2014 से हर साल औसतन कम से कम 5.14 करोड़ व्यक्ति-वर्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जिसमें अकेले पीएमएमवाई ने 2014 से प्रति वर्ष औसतन 2.52 करोड़ स्थिर और टिकाऊ रोजगार जोड़े हैं। इस परिवर्तन का एक उदाहरण जम्मू-कश्मीर है, इसे मुद्रा योजना के तहत अत्यधिक लाभ हुआ है और 20,72,922 मुद्रा लोन स्वीकृत किए गए हैं।

महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद : वित्त मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, इस योजना से महिलाओं को सशक्त बनानेमदद मिली और 70 प्रतिशत से अधिक लोन महिला उद्यमियों द्वारा लिए गए हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ी है और लैंगिक समानता में योगदान मिला है।ह्व पीएम मुद्रा योजना के तहत पिछले नौ वर्षों में प्रति महिला दिए जाने वाले लोन की राशि 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 62,679 रुपए हो गई। वहीं, प्रति महिला वृद्धिशील जमा राशि 14 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़कर 95,269 रुपए हो गई।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने की सराहना : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की सराहना की है और कहा कि यह योजना, जो महिला उद्यमिता पर विशेष ध्यान देने के साथ जमानत-मुक्त लोन प्रदान करती है, ने महिलाओं के स्वामित्व वाले एमएसएमई की संख्या को बढ़ाने में मदद की है, जो अब 28 लाख से अधिक हो गए हैं।

(इनपुट-एजेंसी)

लोन खाते खोलने में मदद की

एसबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में मुद्रा योजना ने 52 करोड़ से अधिक लोन खाते खोलने में मदद की है, जो उद्यमशीलता गतिविधि में भारी उछाल को दशार्ता है।पीएम मुद्रा योजना के तहत, किशोर लोन (50,000 से 5 लाख रुपए), जो बढ़ते व्यवसायों का समर्थन करते हैं, वित्त वर्ष 2016 में 5.9 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 44.7 प्रतिशत हो गए हैं, जो छोटे उद्योगों की वास्तविक प्रगति को दशार्ता है। तरुण श्रेणी (5 लाख से 10 लाख रुपए) भी तेजी से आगे बढ़ रही है, जो साबित करती है कि मुद्रा केवल व्यवसाय शुरू करने के बारे में नहीं है, बल्कि उन्हें बढ़ाने में मदद करती है।